कोयलांचल संवाद

हिंदी दैनिक

www.ksnewsupdates.com

धनबाद, सोमवार 14 जुलाई, 2025, वर्ष : 34, अंक : 109, मूल्य : 3 रूपए

धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe

Koylanchal sambad news

राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए चार लोगों को किया मनोनीत

सरकारी वकील उज्ज्वल निकम, मीनाक्षी जैन, सी. सदानंदन मस्ते और हर्षवर्धन श्रृंगला के नाम शामिल

राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों के अंतर्गत इन लोगों को राज्यसभा के लिए चुना

नई दिल्ली : राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्यसभा के लिए चार लोगों को मनोनीत किया है। इनमें सरकारी वकील उज्ज्वल देवराव निकम, केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् सी. सदानंदन मस्ते , भारत के पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला और प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् मीनाक्षी जैन का नाम शामिल है। ये नामांकन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली पड़ी सीटों को मद्देनजर किए गए हैं। बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(क) के खंड (3) द्वारा उन्हें दी गई शक्तियों के अंतर्गत इन लोगों को राज्यसभा के लिए चुना है। भारत के राष्ट्रपति राज्यसभा के लिए 12 व्यक्तियों को मनोनीत कर सकते हैं। ये लोग कला, साहित्य और लोक सेवा के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा के लिए जाने जाते हैं।

अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत रहे हैं श्रृंगला

हर्षवर्धन श्रृंगला पूर्व विदेश सचिव रहे हैं। उन्होंने पूर्व में संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश और थाईलैंड में राजदूत का पद भी संभाला है। उन्होंने 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में भी कार्य किया है।

निकम ने मुंबई आतंकवादी हमलों के मामले में रखा सरकार का पक्ष

उज्जवल देवराव निकम कानूनी क्षेत्र में एक जाना-माना नाम हैं। कई हाई प्रोफाइल मुकदमों को संभालने के लिए उन्हें जाना जाता है, इनमें 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों में अजमल कसाब का मुकदमा और 1993 के बॉम्बे विस्फोट मामले शामिल हैं। उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने 2024 के आम चुनावों में मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था।

1994 में माकपा वालों ने काट दिए थे सदानंदन मस्ते के पैर

राज्यसभा के लिए नामित किए गए सी. सदानंदन मस्ते केरल के भाजपा सदस्य हैं। वे पूर्व में शिक्षक रहे हैं। उन्हें भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया था। वहीं, सदानंदन को 25 जनवरी, 1994 में राजनीतिक हिंसा के शिकार बनाया गया था। तब उनके पैतृक गांव पेरिंचरी के पास माकपा कार्यकर्ताओं ने उनके दोनों पैर काट दिए थे।

गार्गी कॉलेज में इतिहास की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर हैं मीनाक्षी जैन

वहीं, राज्यसभा के लिए राष्ट्रपति मुर्मू द्वारा नामित की गई डॉ. मीनाक्षी जैन प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् हैं। वे दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज में इतिहास की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

भाकपा माओवादी सदस्य जगन लोहरा गिरफ्तार

लातेहार(ईएमएस)।पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भाकपा माओवादी संगठन के सदस्य जगन लोहरा को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। लातेहार पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।लातेहार पुलिस के अनुसार, जगन लोहरा पिछले पांच वर्षों (2020) से फरार चल रहा था और कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित था।वह लोहरदगा जिले के पेशरार थाना क्षेत्र स्थित करंज टोली गांव का रहने वाला है। पुलिस ने जगन लोहरा को उसके घर से गिरफ्तार किया और आज जेल भेज दिया।पुलिस के अनुसार, जगन लोहरा छिपादोहर थाना क्षेत्र के रमनदाग जंगल में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में शामिल था। यह मुठभेड़ पूर्व माओवादी रीजनल कमांडर छोटू खेरवार और नकुल यादव के दस्ते के साथ हुई थी। इस घटना के बाद से ही जगन भूमिगत हो गया था और लगातार सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त से बच रहा था।जगन लोहरा के खिलाफ छिपादोहर थाना में कांड संख्या 14/2020 के तहत विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा का आधिकारिक एक्स हैंडल हैक, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

रांची(ईएमएस)।झारखंड में सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा का आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स (पहले ट्विटर) हैक हो गया है।इस घटना की जानकारी स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट के माध्यम से दी।उन्होंने झारखंड पुलिस को इस मामले की तुरंत जांच करने और आवश्यक कार्रवाई करने का आदेश दिया है।मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पोस्ट में स्पष्ट रूप से लिखा, "झामुमो का आधिकारिक एक्स हैंडल असामाजिक तत्वों द्वारा हैक किया गया है। झारखंड पुलिस संज्ञान लेकर इस मामले की जांच करे और शीघ्र कार्रवाई करे।इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने एक्स की मूल कंपनी से भी इस मामले में संज्ञान लेने का आग्रह किया है।बताया जा रहा है कि झामुमो के आधिकारिक एक्स हैंडल से शनिवार की आधी रात के करीब एक अजीब सी गिलहरी की तस्वीर साझा की गई थी, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह तस्वीर असामाजिक तत्वों द्वारा ही पोस्ट की गई होगी।इस घटना के सामने आते ही, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मामले में जांच के आदेश दिए हैं, ताकि दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकें।

म्यांमार बॉर्डर पर उल्फा कैंप पर ड्रोन हमले का दावा, सेना ने किया खारिज

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) द्वारा म्यांमार सीमा पर भारतीय सेना द्वारा कथित ड्रोन अटैक के दावे ने रविवार को हलचल मचा दी। संगठन ने आरोप लगाया कि 150 से अधिक ड्रोन का उपयोग करते हुए उनके कई मोबाइल कैंपों पर हमला किया गया, जिसमें उनके सीनियर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल नयन असोम सहित कई शीर्ष नेता मारे गए। लेकिन भारतीय सेना और असम सरकार ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उल्फा ने दावा किया कि हमला रविवार तड़के म्यांमार सीमा के भीतर ड्रोन और मिसाइलों से किया गया। इसमें लेफ्टिनेंट जनरल नयन असोम, ब्रिगेडियर गणेश असोम, कर्नल प्रदीप असोम की मौत हो गई। वहीं लगभग 19 कैडर घायल बताए गए हैं। कथित रूप से 150 से ज्यादा ड्रोन इस्तेमाल किए जाने का दावा किया गया है। उल्फा संगठन ने दो प्रेस विज्ञप्तियां जारी करते हुए उक्त कथित हमलों की जानकारी दी और भारत पर आरोप लगाए हैं। इस मामले में लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत (रक्षा प्रवक्ता) ने कहा, कि ऐसे किसी ऑपरेशन की कोई जानकारी नहीं है। असम राइफल्स और अन्य सैन्य एजेंसियों ने भी म्यांमार में किसी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की। वहीं असम पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा, कि राज्य की धरती से कोई हमला नहीं हुआ।

केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने रोजगार मेले में 100 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने नगालैंड के दीमापुर में आयोजित रोजगार मेले के दौरान 100 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने इस अवसर को सिर्फ एक भर्ती प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए, बताया कि 107 नियुक्ति पत्र व्यक्तिगत रूप से वितरित किए गए और 239 ईमेल के जरिए भेजे गए। इसके लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की लुमडिंग डिवीजन का आभार। रीजीजू ने कहा कि रोजगार मेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवा सशक्तिकरण और तेज भर्ती प्रक्रिया के विजन को साकार करता है। उन्होंने बताया कि देशभर में एक साथ 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र विभिन्न सरकारी विभागों में दिए जा रहे हैं, जिनमें रेलवे, डाक सेवा, बैंक, शिक्षा, श्रम एवं रोजगार, और गृह मंत्रालय जैसे विभाग शामिल हैं। उन्होंने कहा, कि पहले सरकारी भर्ती में 5 से 7 साल तक लग जाते थे। अब हर 3-4 महीने में रोजगार मेले आयोजित कर स्वीकृत पदों को समय पर भरा जा रहा है। इस अवसर पर रीजीजू ने नए कर्मचारियों से अपनी नौकरी को 'राष्ट्र निर्माण' का माध्यम मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कि चाहे आप लोक सेवा में हों या वर्दी में, आप देश की सेवा कर रहे हैं। हर जिम्मेदारी आत्मनिर्भर भारत में योगदान देती है।

मालगाड़ी पटरी से उतरी, 18 बोगियां जलकर खाक, 52 बोगियों में डीजल भरा था

तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन का इलाका खाली करवाया

तिरुवल्लूर(ईएमएस)। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर रेलवे स्टेशन के पास मनाली से जोलारपेट होते हुए कर्नाटक जा रही एक डीजल मालगाड़ी पटरी से उतर गई। इसके बाद उसमें आग लग गई। शुरुआत में पांच बोगियों में आग लगी। बाद में यह 18 बोगियां आग की चपेट में आ गईं। घटना रविवार सुबह 5.30 बजे हुई। मालगाड़ी में 52 बोगियां थीं। जिला कलेक्टर एम प्रताप ने बताया कि 40 बोगियों को जलती हुई ट्रेन से अलग कर लिया गया है। वहीं, रेलवे स्टेशन के आसपास रहने वाले लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया गया। फायर ब्रिगेड की कई टीमें बुलाई गईं। दोपहर तक मिली जानकारी के मुताबिक 10 गाडिय़ों की मदद से आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। इधर, रेलवे और पुलिस घटना वाली जगह से 100 मीटर दूर पटरी पर मिली दरार की भी जांच कर रहे हैं। रेलवे ने एक बयान में बताया कि मालगाड़ी के तीसरे डिब्बे में आग लगने की खबर मिलते ही, लोको पायलट ने तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए। तिरुवल्लूर के स्टेशन मास्टर ने ओवरहेड (ओएचई) बिजली आपूर्ति बंद रोक दी। हालांकि, जब तक ट्रेन रोकी गई, आग 19वें डिब्बे तक फैल गई थी। इस हादसे के कारण चेन्नई को बैंगलोर, केरल और रेणुगुंटा/तिरुपति से जोडऩे वाले चेन्नई अरकोणम सेक्शन में रेल परिचालन स्थगित करना पड़ा। चेन्नई सेंट्रल से शुरू होने वाली या वहां तक जाने वाली 12 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया, और कई अन्य ट्रेनों का या तो रूट बदल दिया गया या उन्हें बीच में ही रोक दिया गया। ट्रेन हादसे के कारण डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल स्टेशन से रवाना होने वाली ट्रेनों सहित कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं या प्रभावित हुईं। दक्षिण रेलवे ने एक बयान में कहा कि तिरुवल्लूर के पास आग लगने की घटना के कारण सुरक्षा उपाय के तौर पर ओवरहेड पावर बंद कर दिया गया है।

राज्यभर के कर्मचारियों का ग्रेड-पे 2400 और वेतन विसंगतियां दूर करने की मांग

जमशेदपुर। झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने राज्य सरकार से मांग की है कि वह 7वें वेतन आयोग की विसंगतियों को तत्काल दूर करे और पंचायत सचिव, लिपिक, राजस्व उप निरीक्षक समेत अन्य संवर्गों का ग्रेड-पे 2400 रुपये तय करें। यह मांग रविवार को सिदगोड़ा स्थित भगवान बिरसा मुंडा टाउन हाल में आयोजित महासंघ के छठे राज्य सम्मेलन में प्रमुखता से उठाई गई। सम्मेलन में अखिल भारतीय केंद्रीय कर्मचारी संघ के महासचिव एनएस पिल्लई ने उद्घाटन भाषण देते हुए केंद्र सरकार की नीतियों को मजदूर और कर्मचारी विरोधी बताया।

कर्मचारियों के हित में निर्णय ले सरकार

उन्होंने कहा कि केंद्र न तो कर्मचारियों की बात सुन रही है और न ही महंगाई के अनुरूप वेतन में समुचित वृद्धि कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि वह कर्मचारियों के हित में जल्द निर्णय लें।

महासंघ के प्रदेश महामंत्री अशोक कुमार सिंह नयन ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि पिछले छह वर्षों में संगठन ने राज्य भर में कर्मचारियों की समस्याओं को लगातार उठाया है।

8वें वेतन को लेकर की मांग

उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव, लिपिक और अन्य श्रेणियों में कार्यरत कर्मचारियों को आज भी न्याय नहीं मिल पाया है। महासंघ ने यह भी मांग किया कि केंद्र सरकार जल्द 8वें वेतन आयोग के कार्य निर्देश घोषित करें।

इसके साथ ही, उसमें कर्मचारी संगठनों से राय लें। साथ ही 18 माह से लंबित महंगाई भत्ता व राहत की तत्काल भुगतान की भी मांग की गई।

इंटक ने दिया समर्थन

राज्य सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे झारखंड इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडे ने संगठन की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि इंटक राज्य के कर्मचारियों की लड़ाई में उनके साथ है और उनकी हर जायज मांग को सरकार तक पहुंचाने का प्रयास करेगा।

सम्मेलन में एनएस पिल्लई, राकेश्वर पांडेय, अशोक कुमार सिंह, एम महालक्ष्मी, अमरनाथ सिंह, देवंती देवी, उमेश पांडेय, सत्यनारायण मांझी, केडी सिंह, महादेव सोम, अनुप कुमार, प्रमीला हुहु, रोशन रंजन पाठक समेत कई गणमान्य अतिथियों को शाल देकर सम्मानित किया गया।

शुभांशु समेत चारों अंतरिक्ष यात्रियों की आईएसएस से विदाई की तैयारी

आज शुरू होगी वापसी की यात्रा

नई दिल्ली : अंतरिक्ष में 18 दिनों तक वैज्ञानिक प्रयोग करने के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और उनके तीन अन्य साथी अंतरिक्षयात्रियों के लिए विदाई और भोज का समय आ गया है। एक्सिओम-4 मिशन का यह दल सोमवार को पृथ्वी पर वापसी की तैयारी कर रहा है। एक्सिओम-4 मिशन में कुल चार अंतरिक्ष यात्री हैं। जिसमें क्रू- कमांडर पेगी व्हिटसन, पायलट शुभांशु शुक्ला, पोलैंड के निवासी और मिशन विशेषज्ञ स्लावोस्ज उज्नांस्की-विस्निवस्की, हंगरी के निवासी और मिशन विशेषज्ञ टिबोर कापु शामिल हैं। ये दल सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम 4:35 बजे (सुबह 7:05 ईटी) अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से रवाना होगा। भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि एक्सिओम-4 दल 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे (भारतीय समयानुसार) पर समुद्र में उतरेगा। शुक्रवार और शनिवार को सभी अंतरिक्षयात्रियों ने मिलकर विदाई से पहले एक विशेष भोज का आयोजन किया। अंतरिक्ष में फिलहाल कुल 11 यात्री हैं - 7 एक्सपीडिशन 73 मिशन के और 4 एक्सिओम-4 मिशन के हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री जॉनी किम ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने एक्सिओम-4 दल के साथ जो भोजन किया, वह सबसे यादगार शामों में से एक थी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर सऊदी अरब में मृत धनंजय महतो का पार्थिव शरीर स्वदेश आया

रांची। सऊदी अरब में हुए एक हादसे में झारखंड के मजदूर धनंजय महतो की मौत हो गई थी। रविवार को उनके पार्थिव शरीर को झारखंड लाया गया। धनंज महतो हजारीबाग के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के बंडखड़ी गांव के रहने वाले थे।उनके पार्थिव शरीर को गांव तक पहुंचा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनंजय महतो के पार्थिव शरीर को सऊदी अरब से स्वदेश लाकर गांव तक पहुंचाने का निर्देश अधिकारियों को दिया था। जिसके बाद राज्य सरकार के अधिकारियों ने विदेश मंत्रालय के जरिये इसकी कोशिशें तेज कर दी थी। उल्लेखनीय है कि 29 वर्षीय धनंजय महतो लार्सन एंड टुब्रो में काम करते थे। 24 मई को वहां हुई एक दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। जिसके बाद परिजनों ने उनके पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस लाने का आग्रह झारखंड सरकार से की थी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष द्वारा कंपनी एवं परिजनों के साथ समन्वय स्थापित कर मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा।

सहारा समूह की विभिन्न संस्थाओं के खिलाफ 500 से अधिक एफआईआर

दो आरोपी को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने सहारा समूह के चेयरमैन कोर मैनेजमेंट (सीसीएम) कार्यालय के कार्यकारी निदेशक अनिल वैलापरम्पिल अब्राहम और सहारा समूह के लंबे समय से सहयोगी एवं प्रॉपर्टी ब्रोकर जितेंद्र प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी सहारा इंडिया और उसकी समूह संस्थाओं के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। अनिल वी अब्राहम ने सहारा समूह की संपत्तियों की बिक्री के समन्वय और सुविधा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें से कई में बड़ी मात्रा

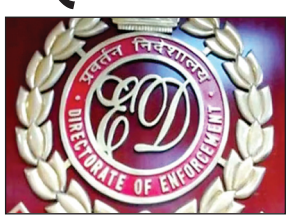

में बेहिसाब नकदी घटक शामिल थे। इन्हें फाइलों से निकाल लिया गया था। जेपी वर्मा, कई संपत्ति लेनदेन को क्रियान्वित करने में सक्रिय रूप से शामिल थे। उन्होंने जानबूझकर इन बिक्री लेनदेन से उत्पन्न बड़ी नकदी आय को रूट करने में सहायता की। इससे उन्होंने अपराध की आय (पीओसी) को छिपाने और अपव्यय में योगदान दिया। पीएमएलए के प्रावधानों के तहत की गई तलाशी कार्रवाई के दौरान कई दोषपूर्ण सबूत बरामद किए गए हैं। इस तरह के सबूतों से पता चलता है कि सहारा समूह की संपत्तियों को एक-एक करके गुप्त तरीके से निपटाया जा रहा था। विभिन्न डिजिटल सबूतों से यह भी पता चला है कि इन दो व्यक्तियों, अनिल वी अब्राहम और जेपी वर्मा ने ऐसी ही संपत्तियों के निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गिरफ्तार व्यक्तियों को 12 जुलाई को तृतीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कोलकाता की अदालत में पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपियों को 14 जुलाई तक ईडी के रिमांड में भेज दिया है।

डीएसपीएमयू के कुलपति अंजनी कुमार मिश्रा ने कहा नामांकन प्रक्रिया हो पारदर्शी

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी (डीएसपीएमयू), रांची के कुलपति अंजनी कुमार मिश्रा ने कहा है कि विश्वविद्यालय की नामांकन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी. उन्होंने कहा कि नामांकन के दौरान विद्यार्थियों को 75 प्रतिशत उपस्थिति की अनिवार्यता के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए ताकि छात्र किसी तरह के भ्रम में ना रहे. कुलपति ने विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव डॉ धनंजय द्विवेदी और परीक्षा नियंत्रक डॉ शुचि संतोष बरवार के साथ बैठक के बाद यह निर्देश दिया. उन्होंने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्षों से मुलाकात की और उनकी विभागीय स्थिति, विद्यार्थियों की उपस्थिति, अकादमिक प्रगति, पुस्तकालय की स्थिति और शोध कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली. प्राथमिकताओं की बात करते हुए कुलपति ने कहा कि हमारा सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य 26 जुलाई से शुरु हो रही स्नातक परीक्षा 2026 को सफलता पूर्वक संपन्न कराना है.

देशभर में मतदाता सूची संशोधन की तैयारी, ईसी ने शुरू किया काम

बिहार में बवाल के बाद उठे थे 'सुप्रीम' सवाल

नई दिल्ली : चुनाव आयोग ने अगले महीने से पूरे भारत में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी शुरू कर दी है। यह पुनरीक्षण बिहार में चल रहे विशेष पुनरीक्षण जैसा होगा। चुनाव आयोग की तरफ से यह कदम उस समय उठाया गया है जब पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट ने इसे संविधानिक दायित्व करार दिया और चुनाव आयोग को बिहार में इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी। बता दें कि, चुनाव आयोग के इस फैसले के खिलाफ कुछ विपक्षी पार्टियों और अन्य संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में इस पुनरीक्षण के खिलाफ चुनौती दी थी, उनका कहना था कि इससे योग्य नागरिकों को वोट डालने का अधिकार मिल सकता है। अब कुछ राज्य चुनाव अधिकारियों ने उन राज्यों में आखिरी बार किए गए विशेष

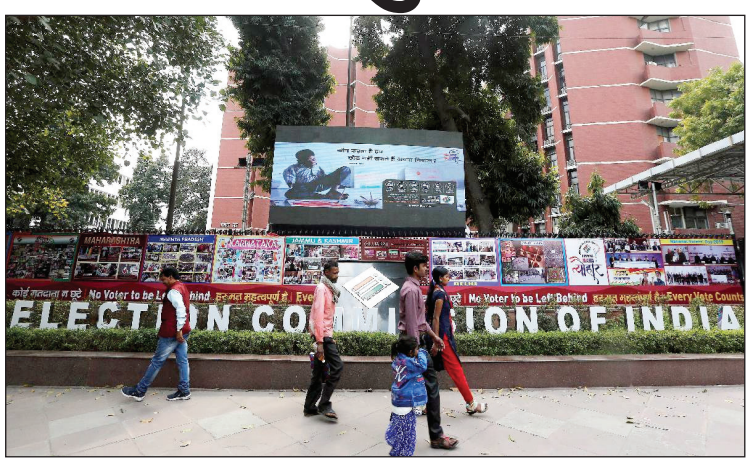

पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित मतदाता सूची को सार्वजनिक कर दिया है।

दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी की वेबसाइट पर 2008 की मतदाता सूची उपलब्ध है, जब राष्ट्रीय राजधानी में आखिरी बार पुनरीक्षण हुआ था। उत्तराखंड में 2006 में आखिरी पुनरीक्षण हुआ था, और अब उस वर्ष की सूची राज्य की वेबसाइट पर है।

28 जुलाई के बाद देशव्यापी पुनरीक्षण पर होगा आखिरी फैसला

चुनाव आयोग ने कहा है कि 28 जुलाई को बिहार मामले की सुनवाई के बाद, वह देशव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम निर्णय लेगा। इस प्रक्रिया के तहत विदेशी अवैध प्रवासियों को उनके जन्मस्थान की जांच करके हटाया जाएगा।

बिहार में इस साल और इन राज्यों में 2026 में चुनाव

वहीं राज्यो में विधानसभा चुनाव की बात करें, तो बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल में विधानसभा चुनाव होंगे। चुनाव आयोग का देशव्यापी मतदाता सूची पुनरीक्षण करने का फैसला बांग्लादेश और म्यांमार समेत कई राज्यों में अवैध विदेशी प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर महत्वपूर्ण है।

संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय दुर्गापूजा समिति का रक्तदान शिविर आयोजित, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास और सांसद विद्युत वरण महतो रहे मौजूद

पूर्वी सिंहभूम(ईएमएस)।जमशेदपुर दुर्गा पूजा केंद्रीय समिति के तत्वावधान में रविवार को आमबगान स्थित बंगाल क्लब सभागार में एकदिवसीय महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के कोने-कोने से सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर की समाप्ति पर कुल 151 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, राज्य के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व विधायक अरविंद सिंह और कुणाल षाड़ंगी, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू सहित कई गणमान्य मौजूद रहे। रक्तदान शिविर में शहर की विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया और इस सेवा कार्य को अपना समर्थन दिया। समिति की ओर से सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में बंगाल क्लब, प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन और जमशेदपुर ब्लड सेंटर का विशेष सहयोग रहा। समिति के अध्यक्ष अचिंतम गुप्ता ने सभी रक्तदाताओं, दुर्गा पूजा समिति के प्रतिनिधियों और शहरवासियों का आभार प्रकट किया।

बंगला भाषा उन्नयन समिति ने जेपीएससी की परीक्षाओं में बंगला भाषा को शामिल नहीं करने का किया विरोध

धनबाद(ईएमएस)।झारखंड बंगला भाषा उन्नयन समिति ने जेपीएससी की परीक्षाओं में बंगला भाषा को शामिल नहीं करने का विरोध किया है। समिति ने कहा है कि यह बंगाली समुदाय के साथ अन्याय है और वे इसके खिलाफ उग्र आंदोलन करेंगे। इस उद्देश्य के साथ समिति का एक राज्य सम्मेलन धनबाद में हुआ। सम्मेलन में धनबाद के अलावे जमशेदपुर, पूर्वी सिंहभूम, जामताड़ा, बोकारो आदि जिलों से संगठन के लोग एक जूट हुए।सम्मेलन में आगे के आंदोलन की रुपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई।समिति की पदाधिकारी रीना मंडल ने कहा कि हाल ही में जेपीएससी की परीक्षा को लेकर निकाले गए फॉर्म में 9 क्षेत्रीय भाषा को उसमें जगह दी गई है परन्तु उसमें बंगला भाषा को शामिल नहीं किया गया है।यह बंगला भाषा भाषियों के साथ अन्याय है और इस अधिकार को लेने के लिए एक आंदोलन की रणनीति सम्मेलन में बनाई गई है। उन्होंने कहा जेपीएससी की परीक्षाओं में बंगला भाषा को शामिल किया जाए, ताकि बंगला भाषी छात्रों को भी समान अवसर मिल सके।

सावन के पहले रविवार को श्रद्धालु पहुंचे बाबा आम्रेश्वर धाम, बाबा भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

खूंटी(ईएमएस)।सावन के पहले रविवार को श्रद्धालु पहुंचे बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंचे और विधि विधान के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। रविवार को स्कूल कॉलेज दफ्तर के अवकाश होने के कारण कई श्रद्धालु परिवार और दोस्तों संग अंगराबारी पहुंचे और बनई नदी से कलश में पवित्र जल का उठाव कर बोल बम, हर हर महादेव का जयघोष करते हुए बाबा भोलेनाथ जलाभिषेक किया। बाबा आम्रेश्वरधाम प्रबंध समिति ने भक्तों की सुविधा के लिए कतारबद्ध होकर जलार्पण की विधि सम्पन्न कराई। स्वयंसेवकों द्वारा सभी श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखा जा रहा था। सावन के पहले रविवार को भी भक्तों का उत्साह देखते बन रहा था।खूंटी जिला प्रशासन द्वारा भक्तों के लिए सुरक्षा के भी प्रबंध किए गए हैं। खासकर रात में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की कोई परेशानी न हो इसे लेकर जगह जगह पुलिस बलों और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है। प्रत्येक सोमवार में होने वाली भीड़ के मद्देनजर महिला पुलिस बलों को भी मंदिर परिसर में ड्यूटी दिया गया है। खूंटी रांची समेत दूर दराज से आनेवाले श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बाबा आम्रेश्वरधाम में बिहार बंगाल और उड़ीसा से भी प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु बाबा आम्रेश्वरधाम में बाबा के जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं।

नशे के दो कारोबारियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, अठारह किलो गांजा और सैकड़ों बोतल शराब बियर बरामद

बोकारो(ईएमएस)।बोकारो पुलिस ने नशे के उत्पाद की बड़ी खेप बरामद की है। पुलिस ने नशे के दो कारोबारी अनिल यादव और मिथिलेश यादव को गिरफ्तार कर उनके पास से 18 किलो गांजा ,103 बोतल बियर विभिन्न ब्रांड के 89 बोतल विदेशी शराब बरामद किया है। इसके अलावा एक कार और दो मोबाइल फोन को भी जप्त कर लिया है।एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि पुलिस को अवैध गांजा और शराब बेचने की जानकारी मिली थी। गुप्त सूचना पर कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार अनिल यादव के खिलाफ बोकारो स्टील सिटी थाने में तीन मामले पहले से अवैध तरीके से शराब बिक्री का दर्ज है। एसपी बताया कि अवैध शराब के कारोबारी बोकारो में अपना जगह बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस इनके नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी हुई है।

पुलिस ने 7.750 किलोग्राम गांजा के साथ दो को गिरफ्तार कर भेजा जेल

लोहरदगा(ईएमएस)।कुडू थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कुल 7.750 किलोग्राम गांजा, एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन एवं नकद 1350 रुपए बरामद किए गए हैं। उक्त आशय की जानकारी रविवार को कूडू थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा ने देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम लापुर निवासी मो० खुर्शीद अपने मोटरसाइकिल की डिक्की में अवैध गांजा छिपाकर ग्राम पण्डरा स्थित अजय ढाबा के पास सड़क किनारे खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस कप्तान सादिक़ अहमद रिज़वी के निर्देश पर एक टीम गठित की गई। टीम में शामिल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, थाना प्रभारी मनोज कुमार, पुअनि दिनेश कुमार, कुंदन कुमार रवानी, सअनि प्रेम प्रकाश एवं कुडू थाना के सशस्त्र बल द्वारा मौके पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान लापुर गांव निवासी मो० खुर्शीद पिता स्व नबी मियां की मोटरसाइकिल से एक किलोग्राम बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि यह गांजा सुजीत कुमार पिता ब्रजकिशोर प्रसाद, निवासी कुडू बाजार टांड़, का है। तत्पश्चात पुलिस ने सुजीत कुमार के घर पर छापा मारा, जहाँ से 6.700 किग्रा गांजा बरामद किया गया। 7.750 किग्रा गांजा, एक मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और 1350 रु नकद बरामद हुआ है। दोनों आरोपियों के खिलाफ कांड संख्या 78/25 एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(सी)/29 के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक सादिक़ अहमद रिज़वी ने टीम की तत्पर कार्रवाई की सराहना की है और कहा है कि नशा तस्करों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

लोहरदगा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, सक्रिय बाइक चोर गिरोह के 4 लोग गिरफ्तार, सात बाइक बरामद

लोहरदगा(ईएमएस)जिले में लगातार हो रहे बाइक चोरी के विरुद्ध लगातार पुलिस अभियान चला रही थी इसी कड़ी में पुलिस को गुप्त सूचना मिली के लोहरदगा कृषि बाजार से चोरी की गई मोटरसाइकिल की खरीद बिक्री की जा रही है। तत्पश्चात पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी द्वारा टीम गठित कर छापेमारी की गई एवं चार बाइक चोर अफराज अंसारी पिता मुजम्मिल अंसारी,सईदुल अंसारी पिता अज़रुल अंसारी,मकबूल अंसारी पिता रसीद अंसारी तीनों थाना सिसई गुमला निवासी एवं आफताब अंसारी पिता सुलेमान अंसारी थाना पुसो जिला गुमला निवासी को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से चोरी किए गए 7 मोटरसाइकिल बरामद किए गए हैं वही पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने बताया कि या एक कुख्यात मोटरसाइकल चोर गिरोह था जिसका भांडा फोड़ हो गया है और सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है ये लोग मिला बाजार, पार्क इत्यादि जगह को चिन्हित कर मोटरसाइकिल की चोरी किया करते थे और इसकी खरीद बिक्री किया करते थे।

मैट्रिक और इंटर के सफल परीक्षार्थियों को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से किया गया सम्मानित

अवसर को सफलता में बदलना जरूरी : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची(ईएमएस)। चान्हो प्रखंड कार्यालय परिसर में मैट्रिक और इंटर के सफल परीक्षार्थियों को भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। चान्हो प्रखंड के प्रखंड टॉपर, स्कूल टॉपर और बेहतर अंक लाने वाले 280 छात्रों को राज्य की कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने सम्मानित किया। सम्मान पाने वालों में ब्लाइंड स्कूल की छात्राएं भी शामिल थी। इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ये सम्मान छात्रों की सफलता की पहली सीढ़ी मात्र है। छात्रों को समय के महत्व को समझते हुए अवसर को सफलता में बदलने के लिए खुद को तैयार करना होगा।मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि छात्रों को सम्मानित

करने का चलन पहले शहर तक ही सीमित था।लेकिन 2005 में पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने मांडर में प्रतिभा सम्मान की शुरुआत की। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को कई तरह की कठिनाइयों के बीच शिक्षा ग्रहण करनी पड़ती है।आज राज्य के दूसरे विधानसभा क्षेत्र और प्रतिनिधियों के द्वारा मांडर की तर्ज पर सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि बच्चों को अपनी सफलता पर इतराने के बजाय इससे सीख लेकर अपने लक्ष्य को हासिल करने की ओर कदम बढ़ाना होगा। छात्रों के अंदर डर, उनके लक्ष्य के प्रति गंभीरता को दर्शाता है।ये प्रतिभा सम्मान आगे भी जारी रहेगा,क्योंकि सम्मान से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है।प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि सम्मान पाने वाले छात्र कल का भविष्य है।इनके बीच से ही कोई शिक्षक बनेगा, तो कोई आईएएस अधिकारी,कोई इंजीनियर बनेगा,तो कोई डॉक्टर।लेकिन इसके लिए सही दिशा का चयन करना जरूरी है। आज जमाना इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का है।हर किसी के हाथ में मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट है। इसका सदुपयोग कर अपना भविष्य छात्रों को बनाना होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री रहते हुए मांडर को कस्तूरबा गांधी विद्यालय से लेकर इंटर कॉलेज देने का काम किया।बंधु तिर्की ने कहा कि मेहनत करने वालों को सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। प्रतिभा सम्मान समारोह में मैट्रिक की प्रखंड टॉपर बबली भगत,इंटर की परीक्षा में कला संकाय के प्रखंड टॉपर श्रवण कुमार,कॉमर्स संकाय में प्रखंड टॉपर सोहेब अंसारी विज्ञान संकाय में प्रखंड टॉपर सकलेन इमरान सहित दूसरे टॉपरों को सम्मानित किया गया।प्रतिभा सम्मान समारोह में मोहम्मद इस्तियाक, शिव उरांव,यास्मीन, दिलीप सिंह,महादेव उरांव,एतवा उरांव, मंगलेश्वर उरांव,चरवा उरांव,दिलीप राम, जुल्फेकार अंसारी, मोजिबुल्ला,अब्दुल्ला अंसारी,मोहम्मद जावेद, झरिता उरांव, प्रियंका उरांव मौजूद थे।

झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा राज्य कमेटी की बैठक आयोजित

बर्खास्त पारा शिक्षक बहाल नहीं हुए तो होगा आंदोलन

रांची(ईएमएस)। झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा राज्य कमेटी की बैठक रविवार को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघर्ष मोर्चा के वरीय सदस्य विनोद बिहारी महतो, संचालन विनोद तिवारी और संजय दुबे ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में मंथन हुआ कि सरकार अपने वादे के मुताबिक अब तक सहायक अध्यापकों को वेतनमान या समान काम के लिए समान वेतन की सुविधा प्रदान नहीं की है। इसके अलावा अनुकंपा पर नियुक्ति, सहायक अध्यापकों की सेवानिवृत्ति 65 वर्ष पर भी कोई निर्णय अब तक नहीं किया गया है। वर्तमान

में झारखंड के तकरीबन 2000 सहायक अध्यापकों को सर्टिफिकेट जांच के नाम पर कार्यमुक्त करने का निर्णय अधिकारियों के द्वारा लिया गया है।इससे झारखंड के सहायक अध्यापकों में सरकार और विभागीय अधिकारी के खिलाफ आक्रोश की भावना है। बैठक में सर्वसम्मति से है यह निर्णय लिया गया कि आगामी 19 और 20 जुलाई को सत्ता पक्ष व विपक्ष के सभी विधायक व मंत्रियों को जिला कमेटी, प्रखंड कमेटी के द्वारा संयुक्त रूप से मांग पत्र देंगे। साथ ही, विधानसभा के मानसून सत्र में विधानसभा का घेराव पूरी मजबूती के साथ करेंगे। इसके बाद भी अगर सरकार समान काम का समान वेतन, 2000 बर्खास्त सहायक अध्यापकों की सेवा वापसी सहित अन्य समस्या का समाधान व मांग की पूर्ति के लिए संघर्ष मोर्चा से वार्ता नहीं करती है तो आने वाले पांच सितंबर को तमाम सहायक अध्यापक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। इसके बाद 15 नवंबर को मोराबादी के मैदान में सभी सरकारी कार्यक्रम का विरोध करते हुए काला झंडा के साथ तमाम सहायक अध्यापक प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। जिसकी सूचना सरकार को 14 जुलाई को लिखित स्वरूप दी जाएगी। बैठक में ऋषिकेश पाठक, दिलशाद अंसारी, सिंटू सिंह, विकास कुमार चौधरी, सुमन कुमार, निरंजन डे, बेलाल अहमद, नरोत्तम सिंह मुंडा, सुशील पांडेय, भागवत तिवारी, शकील अहमद, वीरेंद्र राय, बैजनाथ महतो, मनोज घोष, सुभाष मेहता रणजीत सिंह समेत अन्य पारा शिक्षक मौजूद थे।

नशा और मांसाहार के त्याग से जीवन सुखमय बनता है : स्वामी गंगाधर

खूंटी(ईएमएस)। महर्षि में हीं आश्रम मलियादा मुरहू में रविवार को विशेष सत्संग और ध्यान-भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर ऋषिकेश आश्रम के स्वामी गंगाधर जी महाराज ने कहा कि सावन माह में हम देवों के देव महादेव की पूजा अर्चना करते हैं। सभी नशा पान और मांसाहार का त्याग कर भक्ति करते हैं, जिससे उनका जीवन सुखमय बनता है। भोलेबाबा की महिमा अपरम्पार है, सभी मनोकामना पूरी करते हैं। हमें परमात्मा की इस सृष्टि को सदाचार और शाकाहार जीवन जीकर और सुंदर बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि सद् गुरु महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज ने नशा, हिंसा, झूठ, चोरी और व्यभिचार त्याग कर भक्ति करने का उपदेश दिया है।

ध्यानाभ्यास से हम अपने इष्ट, गुरु वा ईश्वर की मूर्ति को ध्यान करते हैं और मंत्र जप करते हैं, जिससे हमारा भौतिक और आत्मिक कल्याण होता है। सत्संग और ध्यानाभ्यास ही सभी दुःखों पापों का नाश करता है और हमें खुशहाल बनाता है। बद्रीनाथ धाम के स्वामी वैष्णवानंदजी महाराज ने कहा कि प्रतिदिन सत्संग और ध्यानाभ्यास करना चाहिए।

सभी देवी-देवताओं ने भी सत्संग और ध्यानाभ्यास को अपनाया। यही सुख-शांति और परमात्मा की प्राप्ति में सहायक है। सामूहिक सत्संग और ध्यानाभ्यास में सैकड़ों सत्संगियों ने भाग लिया और सत्संग-ध्यान की विधि जानी। मौके पर भंडारे की भी व्यवस्था की गई थी।

लोदरो बाबा, मुरली धर, दिगंबर बाबा ने भी सत्संग और ध्यान की महिमा बताई। मौके पर डॉ डीएन तिवारी, मूचीराय मुंडा, विष्णु मुंडा, चमरा मुंडा, रामहरि साव, नंदिनी देवी सुरेश पंडित आदि उपस्थित रहे।

झारखंड में उपेक्षित महसूस कर रहा बंग समुदाय : असीम सरकार

रांची(ईएमएस)।बंगाली एसोसिएशन, झारखंड की आमसभा रविवार को संगठन के अध्यक्ष डॉ शेखर चौधरी की अध्यक्षता में हुई।इसमें राज्य भर से आए प्रतिभागियों के साथ राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी और झामुमो के सुप्रियो भट्टाचार्य ने हिस्सा लिया। समिति के सचिव असिम सरकार ने कहा कि आज बंग समुदाय झारखंड में अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है, जबकि झारखंड निर्माण की बात हो या देश की स्वाधीनता की, बंग समुदाय ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत दोनों को सुसज्जित करने में बंगालियों का ही सर्वोच्च स्थान रहा है, इसके बावजूद झारखंड जैसे प्रदेश में बांग्ला भाषा भाषी अपने आप हाशिए पर महसूस कर रहे हैं।केंद्रीय कमेटी के सुजीत घोष ने कहा कि समस्त झारखंड में हमारी संस्था बांग्ला भाषा भाषी को लेकर विभिन्न जिला प्रखंड व अंचल के माध्यम से लगभग 41 जगह पर क्रियाकलाप सुचारू रूप से संचालित कर रही है। डॉ महुआ मांझी ने कहा कि हम सभी बांग्ला भाषा भाषी किसी भी प्रदेश या देश से आए हुए प्रवासी नहीं हैं, बल्कि हमारा वजूद आज झारखंड राज्य में है। यहां रचने-बसने वाले और बोलने-लिखने वाले बांग्ला भाषा भाषी बंगाली हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों के दिए ज्ञान, संस्कृति, सभ्यता व विचार को हम लोग आगे बढ़ाने का काम करें। झामुमो के सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड सरकार की ओर से आश्वस्त करना चाहता हूं कि चाहे वह बांग्ला भाषा की पढ़ाई हो चाहे बांग्ला टीचर की बात हो, जब तक हमारे आनेवाली पीढ़ी को बांग्ला के प्रति रुचि नहीं होगी, तब तक हम बांग्ला को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं। बंगाली एसोसिएशन झारखंड के अध्यक्ष डॉ शेखर चौधरी ने कहा कि बंग समुदाय के हित में क्या किया जाए, इस पर चिंतन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक रणनीति बनाकर एकजुटता के साथ कुछ कार्यरूप देने की आवश्यकता है, तभी हम अपने समाज को किसी ऊंचे स्थान पर रख सकते हैं। केंद्रीय कमेटी के भास्कर दत्ता ने कहा कि झारखंड सरकार को यह जानना चाहिए कि समस्त झारखंड में सभी बांग्ला भाषा भाषी एकजुट हैं। संचालन रथिंद्र चटर्जी ने किया। सभा में सिद्धार्थ ज्योति राय, सेतांक सेन, राजा सेन गुप्ता, भास्वती मिश्रा, निलेश गुप्ता, मंतोष मजूमदार, प्रदीप राय सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बेड़ो में आठ किसानों के बीच मछली बीज का वितरण

रांची। बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव में रविवार को झारखंड सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा अनुदान पर प्रखंड के आठ किसानों के बीच मछली पालन के लिए मछली का जीरा बांटा गया। सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव, सहकारिता विभाग के प्रतिनिधि प्रो करमा उरांव और मुखिया नीरज कुजूर ने जीरा का वितरण किया।

सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव ने कहा कि प्रखंड के तालाब में मछली उत्पादन यहां के किसानों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने मत्स्य विभाग की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने की यह अच्छी पहल है। प्रो करमा उरांव ने कहा कि मत्स्य पालन के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।उन्होंने मत्स्य पालन के लिए सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी और कहा कि मछली पालन कर लोग अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं।

सिमडेगा चैम्बर ऑफ कॉमर्स के समिति का हुआ विस्तार

सिमडेगा(ईएमएस)। चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के नवनिर्वाचित सदस्यों की बैठक रविवार को मोतीलाल अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समिति विस्तार, मनोनीत सदस्यों का चुनाव, साप्ताहिक बंदी सहित कई बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में चार सदस्यों का मनोनयन सर्वसम्मति से किया गया। जिनमें सत्यनारायण प्रसाद, अनिल मंझरिया, सौरभबंसल और शहजादा प्रिंस शामिल हैं। बैठक में समिति का विस्तार करते हुए पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें मोतीलाल अग्रवाल को चेंबर ऑफ कॉमर्स का अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावे विस्तारित समिति में अभय विश्वकर्मा, मिथिलेश प्रसाद, मुकेश गोयल एवं उमेश प्रसाद को उपाध्यक्ष, दीपक रिंकू को सचिव, लखन गुप्ता, सुधीर जैन एवं अमित जैन को उप सचिव, सुभाष चौधरी पप्पू को कोषाध्यक्ष, प्रभात कुलुकेरिया को सह कोषाध्यक्ष, राजेश केसरी, मुकेश गिरी पिंटू और आलोक सिंह को मार्केट कांप्लेक्स प्रभारी,शहजादा प्रिंस, दीपक रिंकू और आलोक सिंह को पीआरओ बनाया गया।इसके अलावा ओमप्रकाश साहू, संजय अग्रवाल, अशोक जायसवाल, कैलाश अग्रवाल, नवीन सिंह, योगेंद्र रोहिल्ला, अमित केशरी, सत्यनारायण प्रसाद, अनिल माझरिया और सौरभ बंसल को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 22 जुलाई को चैंबर ऑफ कॉमर्स के नए पदधारियों का शपथ ग्रहण सह व्यापारी मिलन समारोह का आयोजन आनंद भवन में किया जाएगा। जिसमें जिले के जनप्रतिनिधियों और जिले के आला अधिकारियों को आमंत्रण किया जाएगा। साथ ही इस कार्यक्रम में रांची से झारखंड फेडरेशन ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। बैठक में व्यापार के विभिन्न ट्रेड के लिए भी प्रभारियों का चयन करते हुए समिति गठन करने का निर्णय लिया गया। जो अपने अपने क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों के हित के अपने अपने क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों के हित के लिए कार्य करेंगे। इसके अलावे जिले के सभी प्रखंडो में भी बैठक कर समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में गणेश साड़ी सेंटर को चैम्बर ऑफ कॉमर्स का अस्थायी कार्यालय बनाते हुए प्रभात कुलूकेरिया को कार्यालय प्रभारी की जिम्मेवारी दी गई। प्रत्येक मंगलवार को होगी साप्ताहिक बंदी चैंबर ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित सदस्यों की पहली बैठक में साप्ताहिक बंदी पर भी चर्चा की गई।

झारखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन ने कहा, त्रुटि बताओ-प्रोन्नति टालो का सिलसिला बंद करे जेपीएससी

रांची(ईएमएस)। लंबित प्रोन्नति के लिए संघर्ष कर रहे विश्वविद्यालय शिक्षकों ने बीते 8 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से जारी सर्कुलर पर आपत्ति जताई है। इस मुद्दे पर झारखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (जुटान) की बैठक रविवार को हुई, इसमें राज्यभर के विश्वविद्यालय शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें शिक्षकों का कहना था कि त्रुटि बताओ-प्रोन्नति टालो का सिलसिला जेपीएससी बंद करे। जुटान के अध्यक्ष डॉ जगदीश लोहरा ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर सरकार नियमावली बनाती है और दूसरी ओर आयोग उन नियमों में अपने स्तर से पेंच डालने का प्रयास करता है।उन्होंने कहा कि यह हास्यास्पद और अलोकतांत्रिक है कि जेपीएससी यह साबित करने

पर तुला है कि नियम बनाना सरकार का अधिकार होते हुए भी उन्हें लागू करने या तोड़-मरोड़ने का अधिकार आयोग को है। उन्होंने मांग की कि आयोग में बैठे ऐसी मानसिकता वाले पदाधिकारियों को बेनकाब करना अब जरूरी हो गया है। शिक्षकों का कहना था कि जिस एक पृष्ठ के परफॉर्मा पर आपत्ति जताई गई है, वह तो विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से एचआरडी की सलाह पर तैयार कर शिक्षकों को उपलब्ध कराया गया था।

उसी परफॉर्मा को भरकर शिक्षकों ने समयबद्ध तरीके से जमा किया और विश्वविद्यालय की स्क्रीनिंग कमेटियों ने पूरी प्रक्रिया के तहत उसकी जांच-पड़ताल कर जेपीएससी को भेजा। इसमें शिक्षकों की कोई गलती नहीं है, तो दंडात्मक कार्रवाई जैसी स्थिति क्यों उत्पन्न की जा रही है? जुटान केसंयोजक डॉ कंजीव लोचन ने सवाल उठाया कि जब 20 मई को ही जेपीएससी ने त्रुटियों के संशोधन के लिए पत्र जारी किया था, तब जेपीएससी के अनुसार इतनी बड़ी महात्रुटि, को उसी समय क्यों नहीं चिन्हित किया गया?डॉ समीरा सिन्हा, डॉ नीलू और डॉ लाडली रानी सहित कई शिक्षकों ने बिंदुवार तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया कि उनकी ओर से दी गई सभी जानकारियां नियमानुसार और ससमय आयोग को दी गईं थीं और अब इस स्तर पर इस तरह की आपत्ति न सिर्फ अनुचित है, बल्कि शिक्षकों का मानसिक उत्पीड़न भी है। बैठक में यह मुद्दा भी उठाा कि कई शिक्षक 17 वर्षों से अधिक सेवा दे चुके हैं, लेकिन आज तक उन्हें एक भी एकेडेमिक ग्रेड पे (एजीपी) का लाभ नहीं मिल सका है। जुटान ने यह भी चेताया कि अगर जेपीएससी पहले से स्वीकृत और अधिसूचित नियमावली को दरकिनार कर अपनी ओर से नई शर्तें थोपने की कोशिश करता है, तो यह राज्य की उच्च शिक्षा की स्वायत्तता, निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सीधा हमला है। यह सिर्फ शिक्षकों के अधिकारों का हनन नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय प्रणाली की स्थिरता और विद्यार्थियों के भविष्य के लिए भी घातक सिद्ध होगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि सोमवार को दिन के 3 बजे डोरंडा कॉलेज में आक्रोश सभा होगी, जिसमें सभी शिक्षकों से भाग लेने का आग्रह किया गया।

संक्षिप्त ख़बरें

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के तीसरे दिन केसरियामय हुआ बाबा बासुकिनाथ का फौजदारी दरबार

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को बाबा बासुकिनाथ के फौजदारी दरबार में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। केसरिया वस्त्र धारण किए श्रद्धालुओं से पूरा बासुकिनाथ धाम केसरियामय नजर आ रहा है।प्रातः ढाई बजे बाबा मंदिर एवं अन्य मंदिरों का पट कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंदिर प्रशासन द्वारा वरीय पदाधिकारियों की मौजूदगी में खोला गया।प्रतिदिन की भांति रविवार को बाबा मंदिर के गर्भगृह की साफ सफाई होने के बाद स्थानीय नगर निवासियों सहित पंडा पुरोहितों ने कांचा जल के प्रथम पूजा में भाग लेकर बाबा बासुकिनाथ का जलार्पण किया।कांचा जल पूजा के बाद सरकारी पूजा सम्पन्न हुई। सरकारी पूजा के बाद मंदिर परिसर के बाहर कतार में खड़े श्रद्धालुओं ने मंदिर के गर्भगृह में सुलभ तरीके से प्रवेश किया ओर स्पर्श पूजा कर अपने परिजनों के सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा।श्रद्धालुओं के समवेत जयकारों से मंदिर परिसर समेत पूरा फौजदारी दरबार गूंज रहा है। बाबा बासुकिनाथ कै प्रांगण में श्रद्धालुओं द्वारा किए जा रहे आरती के स्वर लहरियों से सारा मंदिर परिसर में भक्ति की लहर बह रही है| कपूर, अगरबती के उठते सुवास से सारा माहौल आध्यात्मिक प्रतीत हो रहा है। शिवनगरी बासुकिनाथ का सम्पूर्ण मेला क्षेत्र कांवरियों से पट गया है। जिला प्रशासन के पदाधिकारियों द्वारा संपूर्ण मेला क्षेत्र पर सूक्ष्मता से नजर रखी जा रही है। सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में निगरानी के लिए साढ़े सात सौ सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है । इसके अतिरिक्त ए आई कैमरे ओर ड्रोन कैमरे से मेला क्षेत्र की निगरानी हो रही है। आगंतुक हजारों श्रद्धालुओं को सावन के महीने में कोई कष्ट ओर परेशानी नहीं हो इसका खास ख्याल रखा जा रहा है ।बासुकिनाथ श्रावणी मेला में ड्यूटी पर तैनात सभी सरकारी कर्मचारियों द्वारा आगंतुक श्रद्धालुओं से मित्रवत व्यवहार किया जा रहा है ।बासुकिनाथ के श्रावणी मेला में आगंतुक श्रद्धालुओं को प्रशासनिक स्तर पर सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

इस्कॉन सेंटर दुमका में भक्ति वृक्ष कक्षा का शुभारंभ, कृष्ण भावनामृत के प्रति जागरूक करना है कक्षा का उद्देश्य

दुमकाःरविवार को इस्कॉन सेंटर राज पैलेस, गिधनी पहाड़ी रोड, शिव पहाड़, दुमका में भक्ति वृक्ष कक्षा का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आरंभ मधुर भजनों के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात सत्यवाक प्रभु ने इस विशेष कक्षा का महत्व विस्तार से बताया।सत्यवाक प्रभु ने समझाया कि भक्ति वृक्ष कक्षा का मुख्य उद्देश्य लोगों को कृष्ण भावनामृत के प्रति जागरूक करना है ताकि वे अपने जीवन को आनंदमय और उद्देश्यपूर्ण बना सकें। उन्होंने सुंदर उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार जब एक वृक्ष लगाया जाता है तो उसकी जड़ों को जल से सींचा जाता है, उसी प्रकार इस कक्षा में हम भगवान श्रीकृष्ण रूपी जड़ को सींचते हैं और भक्तगण उस जल के समान हैं। जब वृक्ष पुष्पित-पल्लवित होता है तो अंततः उसमें फल आते हैं और उस फल का रस ही शुद्ध कृष्ण भावनामृत है, जो शाश्वत और परम आनंददायक है।इसके पश्चात प्रभुजी ने श्रीमद्भगवद्गीता के उपदेशों पर प्रकाश डाला और सरल भाषा में जीवन में इनके महत्व को समझाया।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। उन्होंने बताया कि भक्ति वृक्ष कक्षाएं अब प्रत्येक रविवार दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक इस्कॉन सेंटर, राज पैलेस में आयोजित की जाएंगी।

पहाड़ियां आदिवासियों ने किया सप्ताहिक पूजा का शुभारंभ

दुमकाःगोपीकांदर प्रखंड के खरौनी बाजार पंचायत अन्तर्गरत नमोडीह गांव के पहाड़िया टोला में गुडित गणेश देहरी के अगुवाई में पहाड़िया आदिवासियों ने सप्ताहिक पूजा का शुभारंभ किया। इस साप्ताहिक पूजा में सभी महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों ने भाग लिया।ग्रामीणों ने सबेरे नहा धोकर गांव में स्थित बोरवागुरु थान पूज्य स्थल में जाकर पूजा अर्चना कर समाज में सुख शांति के लिए प्रार्थना की। मौके पर पूर्व मुखिया दुर्गा देहरी ने कहा कि सामान्यतः हम पहाड़िया आदिवासियों में सामूहिक सप्ताहिक पूजा पाठ करने की परंपरा नही है।लेकिन समय की मांग है कि हम सभी सप्ताहिक पूजा पाठ करे।सप्ताहिक पूजा पाठ करने से हम सभी की सभ्यता, संस्कृति और धर्म को बचाने में मदद मिलेगी। इससे गांव में सुख शांति भी बनी रहेगी और नई पीढ़ी अपनी सभ्यता, संस्कृति और धर्म को अच्छी तरह से समझ पाएंगे। इस मौके पर सुरेन्द्र देहरी, सलेन्दर देहरी, शंकर देहरी, भुगेन देहरी, हेमलाल गृह, श्यामलाल गृह, बीरू देहरी, मनोज कुमार गृह, बाबूलाल देहरी, पनवती रानी, फुलमुनि देवी, काजल महारानी, लगनी महारानी, संजय कुमार गृह आदि उपस्थित थे।

रसोइयां दीदीयों को दिया गया पीएम पोषण योजना पर प्रशिक्षण

दुमकाःमसलिया प्रखंड अंतर्गत संकुल संसाधन केंद्र पिंडारी में रविवार को प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत रसोइयां दीदीयों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण संकुल संसाधन सेवी किशोर कुमार दे ने दिया।प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रसोइयां दीदीयों को स्वच्छता, गुणवत्तापूर्ण भोजन निर्माण, पोषण तत्वों की जानकारी,झ मीनू तालिका का पालन, पोषण वाटिका की आवश्यकता और इको क्लब की गतिविधियों से अवगत कराना था। प्रशिक्षण में बताया गया कि बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है, ताकि बच्चों के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़े। प्रशिक्षण के दौरान पोषक क्षेत्र की रसोइयों ने अपनी समस्याओं को भी साझा किया। रसोइयां दीदीयों ने मानदेय में बढ़ोतरी और समय पर नियमित भुगतान की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के दौर में वर्तमान मानदेय अपर्याप्त है और समय पर भुगतान नहीं होने से उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। इस मौके पर रसोइया हलीमा बीबी, सोनमती मुर्मू, पूर्णी देवी, शांति मुर्मू समेत कई अन्य रसोइयां दीदीयां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की समाप्ति प्रतिभागियों के विचार साझा करने और प्रशिक्षण के फीडबैक के साथ हुई। उपस्थित रसोइयों ने इस तरह के प्रशिक्षण को लाभकारी बताते हुए नियमित अंतराल पर आयोजन की मांग की।

श्रद्धालुओं के लिए बिशेष आकर्षण का केंद्र बना दीदी का ढाबा, शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन मिलने से संतुष्ट नजर आ रहे श्रद्धालु

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के अंतर्गत बासुकीनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए दीदी का ढाबा बिशेष आकर्षण का केंद्र बन गया है। पूजा करने के उपरांत श्रद्धालु भोजन करते हैं। यहाँ श्रद्धालुओं को शुद्ध, पौष्टिक एवं हाइजेनिक भोजन परोसा जा रहा है, जिससे सभी संतुष्ट नजर आ रहे हैं। श्रद्धालुओं ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि "हमें कम पैसे में न केवल स्वादिष्ट और स्वच्छ भोजन मिल रहा है, बल्कि यहां का आतिथ्य सत्कार भी अत्यंत प्रशंसनीय है। यह एक सुखद अनुभव है।'दीदी का ढाबा' स्थानीय महिला स्वंय सहायता समूहों द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबन का अवसर भी प्राप्त हो रहा है।जिला प्रशासन द्वारा यह प्रयास किया गया है कि मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को न केवल भक्ति का माहौल मिले, बल्कि उन्हें भोजन, आवास, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं भी सुलभ रूप से उपलब्ध कराई जाएं।

लायंस क्लब की ओर से निःशुल्क रक्त जांच एवं रक्त चाप जांच शिविर का आयोजन

दुमकाः लायंस क्लब दुमका संथाल परगना की ओर से लायन संजीत सिंह के गायत्री अस्पताल में निःशुल्क रक्त जांच एवं रक्त चाप जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 61 लोगों को सेवा प्रदान की गई।कार्यक्रम में लायन सदस्य के साथ काफी संख्या में स्थानीय लोग भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में पी एम जे फ लायन डॉ अखिलेश कुमार सिन्हा, लायन डॉ मनोज कुमार घोष, लायन सतीश कुमार, लायन प्रदीप्त मुखर्जी, लायन डॉ अमिता रक्षित समेत अन्य मौजूद थे।

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आत्महत्या और मानसिक रोगों से प्रभावित 443 मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाएं

बीजापुर, (ईएमएस) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.आर. पुजारी के नेतृत्व में डॉ रत्ना ठाकुर, सिविल सर्जन एवं वरुण साहू, जिला कार्यक्रम प्रबंधक के सहयोग से तथा डॉ पी. विजय, जिला नोडल अधिकारी के नेतृत्व में संचालित मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत एक व्यापक और संवेदनशील जागरूकता अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकना, मानसिक रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें समय पर परामर्श और चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करना। इस मानसिक स्वास्थ्य पहल के तहत जिला बीजापुर ने न केवल 443 जिंदगियों को बेहतर बनाया बल्कि उन्हें नई आशा और आत्मविश्वास से भी भर दिया। मानसिक स्वास्थ्य केवल एक चिकित्सा सेवा नहीं है, बल्कि यह हर व्यक्ति की गरिमा और खुशहाल जीवन की कुंजी है, और इस कार्यक्रम ने यही सच्चाई साबित की है।इस पहल के अंतर्गत विशेषज्ञ डॉक्टरों और समर्पित मानसिक स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने गंभीर अवसाद, चिंता विकार, तनाव और अन्य मानसिक चुनौतियों का सामना कर रहे रोगियों को परामर्श, उपचार और निरंतर समर्थन प्रदान किया जा रहा है। हर रोगी की आंखों में उम्मीद की चमक और चेहरे पर लौटती मुस्कान इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता है। कार्यक्रम के दौरान निःशुल्क परामर्श, दवाइयाँ और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान कर यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी व्यक्ति को वित्तीय बाधाओं के कारण सहारा न खोना पड़े। अस्पताल प्रशासन ने विभिन्न जागरूकता अभियानों के माध्यम से यह संदेश फैलाया कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। इस अभियान के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। 'समुदाय-आधारित जागरूकता कार्यक्रमः- प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से गाँवों और दूरदराज के क्षेत्रों में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, लक्षणों की पहचान, और उपचार के तरीकों पर जानकारी दी जा रही है। 'प्रारंभिक जांच और परामर्श प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियुक्त प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों ने प्रारंभिक मानसिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान की। यह पहल उन रोगियों के लिए लाभकारी रही, जिन्हें समय पर विशेषज्ञों तक पहुँचने का अवसर नहीं मिलता।

'रेफरल प्रणाली का सुदृढ़ीकरणः- गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित रोगियों को उच्च स्तर के चिकित्सा संस्थानों तक रेफर करने की एक प्रभावी प्रणाली विकसित की गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ने रेफरल के साथ निरंतर फॉलो-अप सेवाएँ भी सुनिश्चित कीं। 'स्थानीय स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षणः- स्थानीय स्तर पर कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्राथमिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इससे मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और प्रभावशीलता दोनों बढ़े।'मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए परामर्शः- इस कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक रूप से विकलांग (मेन्टली डिसेबल्ड) बच्चों के लिए विशेष परामर्श सत्रों का भी आयोजन किया गया। इन सत्रों में विशेषज्ञ मनोवैज्ञानिकों और परामर्शदाताओं ने बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी आवश्यक जानकारी और समर्थन प्रदान किया। इससे बच्चों के समग्र विकास में सहायता मिली और परिवारों को उनकी देखभाल के बेहतर तरीके सीखने का अवसर प्राप्त हो रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 'मानसिक स्वास्थ्य एक महत्वपूर्ण विषय है जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। इस अभियान के माध्यम से हमने न केवल मरीजों की सहायता की बल्कि समाज में जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है। हम आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन निरन्तर करते रहेंगे। इस अभियान के सफल आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देकर हम एक स्वस्थ और जागरूक समाज का निर्माण कर सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी सहायता के लिए निःशुल्क नेशनल हेल्पलाइन नंबर 14416 पर संपर्क करें। यह हेल्पलाइन अवसाद, मानसिक तनाव, और आत्महत्या रोकथाम पर परामर्श और सहायता प्रदान करती है।

संकुलों में रसोइयां को मिला मॉड्यूल आधारित एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण

दुमकाःजामा प्रखंड अंतर्गत दोनंदिया संकुल स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामपुर समेत विभिन्न संकुलों में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयां सह सहायिका को मॉड्यूल आधारित एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय रामपुर में प्रशिक्षण का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर एवं रसोइया सह सहायिका द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यान भोजन तैयार करने में स्वच्छता और सुरक्षा के उपाय, पोषण मूल्यों, स्थानीय पोषक तत्वों और पोषण वाटिका के उपयोग का महत्व, मध्यान भोजन योजना में मेनू का प्रयोग, संतुलित आहार से संबंधित पोषक तत्वों की जानकारी, कुकिंग कॉस्ट की जानकारी, सूखे और गिले कचरे सहित अपशिष्ट प्रबंधन की आवश्यकता, किचन सह स्टोर का रख रखाव, पोषण वाटिका का निर्माण आदि विषय पर मास्टर ट्रेनर सीआरपी आर के दर्वे, संयोजिका अनुश्री देवी, और डिम्पल देवी के द्वारा जानकारी दी गई।

राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के तीसरे दिन बासुकीनाथ में 44 हजार 897 श्रद्धालुओं में किया जलाभिषेक

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को देश विदेश से आए 44 हजार 897 श्रद्धालुओं ने फौजदारी दरबार बासुकिनाथ में बाबा बासुकीनाथ का जलाभिषेक किया। सावन के प्रत्येक दिन की भांति रविवार को भी मंदिर प्रशासन द्वारा प्रातः ढाई बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाबा मंदिर सहित सभी मंदिरों का पट खोला गया।गर्भगृह की साफ सफाई के बाद स्थानीय पंडा पुरोहितों ने बाबा बासुकिनाथ को कांचा जल चढ़ाया। उसके बाद सरकारी पूजा नेम निष्ठा से सम्पन्न होने के बाद बाबा मंदिर का द्वार आगंतुक श्रद्धालुओं के पूजा अर्चना के लिए खोल दिया गया।आगंतुक हजारों श्रद्धालुओं ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कतार में लगकर सुगमता पूर्वक गर्भगृह में प्रवेश कर गंगाजल से बाबा बासुकिनाथ का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने दिन भर श्रद्धा भक्ति से लाए कांवर जल को बाबा को समर्पित किया और बाबा से अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आशीर्वाद मांगा। रविवार को शिवनगरी आगंतुक श्रद्धालुओं से गुलजार रही। दिन भर तपती धूप व उसके बाद हुई जोरो की बारिश से मौसम सुहावना हो गया। जिससे लोगों को सूरज की तपिश से छुटकारा मिला। रविवार को मंदिर कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार कुल 44 हजार 897 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया, जिसमें से कतार में लगकर 41 हजार 773 श्रद्धालुओं एवं 01 हजार 550 श्रद्धालुओं ने शीघ्रदर्शनम का कूपन लेकर जलाभिषेक किया। रविवार को मंदिर कार्यालय को कुल 04 लाख 69 हजार 11 रुपए की आमदनी हुई । जिसमें से 04 लाख 65 हजार शीघ्रदर्शनम के कूपन की बिक्री से एवं 04 हजार 11 रुपए अन्य स्रोत से आमदनी हुई।

विधायक डॉ लुईस मरांडी ने किया सिरसानाथ मंदिर प्रांगण में हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन

दुमका। पूर्व मंत्री व जामा विधायक डॉ लुईस मरांडी ने सिरसा नाथ मंदिर प्रांगण में फीता काट कर व नारियल फोड़कर हाई मास्ट लाइट का उद्घाटन किया। तत्पश्चात सिरसा नाथ मंदिर में माथा टेककर प्रणाम किया और क्षेत्र की जनता के लिए खुशहाली की कामना की। इस दौरान स्थानीय ग्रामीण कामेश्वर प्रसाद सिंह ने विधायक से पुरानी समस्या का समाधान करने का निवेदन किया। उन्होंने कहा कि सिरसा नाथ मंदिर से होते हुए बेसा मोड़ से जामा को जोड़ने वाली मुख्य सड़क रंगनी गांव तक बहुत ही दयनीय स्थिति में है, इस सड़क का तत्काल जीर्णोद्धार कार्य प्रारंभ कराया जाए। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था शुरुआत में लीलातरी गांव से लेकर सिरसा गांव तक बनने की प्रक्रिया शुरू की गई थी लेकिन उसके बाद कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।ग्रामीणों ने डॉ लुईस मरांडी से सिरसा नाथ मंदिर प्रांगण में जलार्पण के लिए निर्मित कुआं एवं जलमीनार की मरम्मत कराने की मांग की। बताते चले कि बैसा चौक से सिरसा नाथ होते हुए ऊपर रंगनी तक सड़क निर्माण कार्य एवं सुगनीबाद जामा से लक्ष्मीपुर होते हुए सिमरा गांव तक दोनों सड़क निर्माण कार्य एक ही एजेंसी त्रिपुरारी कंस्ट्रक्शन कंपनी कोलकाता द्वारा किया जा रहा है। सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ कर अधुरा छोड़ दिया गया है। दोनों ही सड़क की हालत अत्यन्त खराब है और ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई हो रही है। दोनो कार्य को एक वर्ष में पूरा करना था, लेकिन दो साल हो जाने पर भी कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है।

श्रद्धालुओं की सेवा में जिला प्रशासन की नई पहल अब क्यू आर कोड से दर्ज कराएं शिकायतें

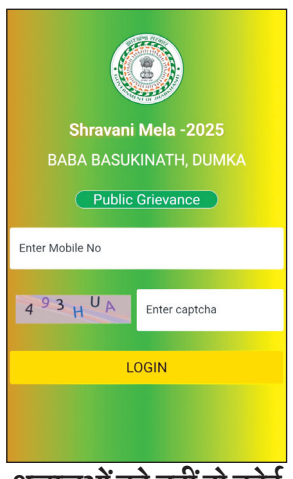

श्रद्धालुओं को नहीं हो कोई कठिनाई, यही है जिला प्रशासन का संकल्प : अभिजीत सिन्हा

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के अंतर्गत श्रद्धालुओं की सुविधा एवं त्वरित समस्या समाधान के लिए जिला प्रशासन ने एक नई व्यवस्था लागू की है। अब श्रद्धालु मेला क्षेत्र में टेंट सिटी, आवासन केंद्र, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सुविधा आदि से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत को सीधे मोबाइल से क्यू आर कोड स्कैन कर दर्ज करा सकते हैं।

क्यू आर कोड स्कैन करें, सीधे नियंत्रण कक्ष तक पहुंचेंगी शिकायत

मेला क्षेत्र में जगह-जगह इस क्यू आर कोड को लगाया गया है, जिसे श्रद्धालु अपने मोबाइल कैमरे से स्कैन कर ऑनलाइन शिकायत प्रपत्र तक पहुँच सकते हैं। यह सुविधा खासतौर से श्रद्धालुओं की सुविधा, पारदर्शिता और त्वरित कार्रवाई के लिए शुरू की गई है।

नियंत्रण कक्ष से सीधे जुड़े, यह हैं हेल्पलाइन नंबर

शिकायत या सहायता की तत्काल आवश्यकता होने पर श्रद्धालु निम्न हेल्पलाइन नंबरों पर भी संपर्क कर सकते हैं.9508250080, 9934414404.इन नंबरों पर कॉल कर मेला क्षेत्र में हो रही किसी भी असुविधा की सूचना दी जा सकती है। नियंत्रण कक्ष की टीम चौबीसों घंटे सक्रिय है और शिकायत मिलते ही संबंधित विभाग को कार्रवाई हेतु सूचित किया जाता है।

टेंट सिटी से लेकर स्वास्थ्य सुविधा तक की निगरानी

मेला क्षेत्र में कई नई सुविधाएँ जोड़ी गई हैं, जिसमें आधुनिक टेंट सिटी, बेहतर आवासन व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, स्वच्छता युक्त शौचालय, और 24x7 स्वास्थ्य सेवा शामिल हैं। इन सभी व्यवस्थाओं की सतत निगरानी के लिए क्यू आर कोड आधारित फीडबैक सिस्टम एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्कूल के समीप स्पीड ब्रेकर पर मध्य रात्रि से हाईवा ब्रेक डाउन

दुमकागोविंदपुर-साहेबगंज मुख्य सड़क पर काठीकुण्ड थाना क्षेत्र अंतर्गत आमतलला स्कूल के समीप स्पीड ब्रेकर पर बीते शनिवार की मध्य रात्रि एक हाईवा ब्रेक डाउन हो जाने के कारण बीच सड़क में फंस गया। जिस वजह से आवागमन पूरी तरह से ठप्प हो गया।मुख्य सड़क आधी रात से लेकर रविवार की दोपहर के 3 बजे तक जाम ही रही। लगभग 15 किलोमीटर से भी अधिक दूरी गोपीकांदर से काठीकुण्ड तक सड़क जाम रहा| पूरे दिन सड़क जाम रहने से कोयला गाड़ी, लाईन बसे और गिट्टी पत्थर लदी गाड़िया जाम में फंसी रही, बाइक तथा छोटी गाड़ियों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

शिविर में कर्मियों की अनुपस्थिति से नाराज ग्रामीणों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

दुमका : केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम जनमन और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत रविवार को मसलिया प्रखंड के 11 पंचायतों में शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आदिम जनजाति और आदिवासी समुदाय के उन लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देना था, जो अब तक इनसे वंचित हैं।प्रखंड कार्यालय के निर्देशानुसार खुटोजोरी पंचायत के राजकीयकृत मध्य विद्यालय में शिविर लगाया गया था। लेकिन ग्रामीणों की शिकायत रही कि नियुक्त कई जिम्मेदार कर्मी मौके पर नहीं पहुंचे। शिविर में सिर्फ पंचायत सचिव नरेश सिंह, प्रज्ञा केंद्र संचालक फिरोज अंसारी और स्वयंसेवक प्रमोद कुमार दे की उपस्थिति रही। रोजगार सेवक, आंगनबाड़ी सेविका, जलसहिया और डीलर की अनुपस्थिति से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखी गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकारी कर्मियों की लापरवाही से उनके कीमती समय और खेती का नुकसान हुआ है। उन्होंने अनुपस्थित कर्मियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है। शिविर में कुल 57 आवेदन जमा हुए जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए 10, बकरी शेड के लिए 16, शौचालय हेतु 10, आयुष्मान कार्ड के लिए 10, किसान क्रेडिट कार्ड के लिए 10 और दिव्यांग साइकिल के लिए 1 आवेदन शामिल है।इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी अजफर हसनैन ने बताया कि बारिश के कारण या अन्य जरूरी कार्य में कर्मी व्यस्त हो सकते हैं।

लेकिन अगर स्थानीय डीलर और जलसहिया भी नहीं पहुंचे हैं तो उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक महिला की मौत, दो लोग घायल

दुमकाःजरमुंडी थाना क्षेत्र में रविवार को मूसलाधार बारिश के साथ हुए वज्रपात के चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई एवं दो घायल हो गए।मृतक महिला की पहचान रेखा देवी ग्राम बनवारा पंचायत बनवारा के रूप में हुई है। वहीं दो लोगों को इलाज के लिए फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका रेफर कर दिया गया।घटना की सूचना मिलते ही विधायक प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरमुंडी पहुंचकर घटना की जानकारी ली| उन्होंने बताया कि घायलों में मनोहर पुजहर, पिता करू पुजहर ग्राम झखिया पंचायत ठेकचाघोंघा एवं दिनेश ठाकुर पिता पंचानन ठाकुर ग्राम बनवारा, पंचायत बनवरा, प्रखंड जरमुंडी जिला दुमका शामिल हैं। मृतक रेखा देवी, पिता शिवचरण महाराणा, ग्राम चरकापत्थर, पंचायत खरविल्ला की रहने वाली थी।

अनियंत्रित होकर पलटा तेज रफ्तार हाईवा बाल-बाल बचे ड्राइवर तथा खलासी

दुमकाःरामगढ़-दुमका मुख्य मार्ग पर मजडीहा मोड़ के पास शनिवार की देर रात लगभग 3 बजे एक गिट्टी लदा तेज रफ्तार हाईवा अनियंत्रित होकर पलट गया। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। हाईवा के ड्राइवर तथा खलासी बाल-बाल बच गए हैं।थाना प्रभारी मनीष कुमार के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ड्राइवर तथा खलासी सुरक्षित हैं तथा हाईवा को सुरक्षित उठा लिया गया है।

बासुकीनाथ में श्रद्धालुओं के साथ बच्चों की भी सेहत का ख्याल, 1138 को दी गई पोलियो ड्रॉप

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के तीसरे दिन अपराह्न 04 बजे तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में संचालित 19 चिकित्सा शिविरों में कुल 8129 श्रद्धालुओं ने निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्राप्त की। सभी शिविरों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं आवश्यक दवाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।इसके अतिरिक्त, पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 1138 बच्चों को ओपीवी (ओरल पोलियो वैक्सीन) की खुराक दी जा चुकी है। यह कार्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से सतत रूप से जारी है, ताकि मेला क्षेत्र में आने वाले सभी बच्चों को आवश्यक प्रतिरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।जिला प्रशासन श्रद्धालुओं की सेवा एवं स्वास्थ्य-सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। मेला अवधि तक सभी चिकित्सा शिविर प्रतिदिन सक्रिय रहेंगे एवं बासुकीनाथ आने वाले श्रद्धालुओं को आवश्यक सेवाएं प्रदान करते रहेंगे।

खुलेआम किया जा रहा नकली व फर्जी लांटरी का अवैध कारोबार

दुमकाःगोपीकांदर प्रखंड के खरौनी बाजार, कुशचिरा, दुर्गापुर और प्रखंड मुख्यालय गोपीकांदर में दिन के उजाले में लांटरी का अवैध कारोबार तेजी से पैर पसार रहा है। सूत्रों के अनुसार इस प्रतिबंधित लांटरी का कारोबार स्थानीय युवकों के अलावा पाकुड़िया, राजदहा, अमरापाड़ा और काठीकुंड क्षेत्रों के एजेंटो के द्वारा किया जा रहा है।इन एजेंटों द्वारा अवैध लांटरी लाकर प्रखंड क्षेत्र में बेचा जा रहा है। इन लोगों ने पूरे गोपीकांदर प्रखंड को अपनी गतिविधियों का केंद्र बना लिया है। सबसे बड़ी बात यह है कि प्रखंड प्रशासन इन पर कारवाई करने में पूरी तरह से नाकाम है। इस अवैध कारोबार ने कई गरीबो की मेहनत की कमाई छीन ली है। रातो रात करोड़पति बनने के लालच में गरीब अपनी मेहनत की कमाई अवैध लौटरी के पीछे गंवा रहे है, और यह धंधा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। बावजूद इसके पुलिस प्रशासन इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी या तो इस गोरखधंधे की जानकारी से अनजान है या तो फिर जानबूझकर इसे नजर अंदाज कर रहे हैं। ज्ञात हो कि कुछ महिने पहले दुमका के उपायुक्त को राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा ट्यूटर के माध्यम से जिले में चल रहे अवैध लांटरी को बंद कर कारवाई करने का निदेश दिया गया था, लेकिन प्रशासन इस पर नकेल कसने में विफल साबित हो रहा है।

चुनाव आयोग का खुलासा, बिहार की मतदाता सूची में नेपाल म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के नागरिकों के नाम

पटना, (ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के विदेशी नागरिकों के नाम शामिल पाए गए हैं। दरअसल घर-धर जाकर किए जा रहे सत्यापन के दौरान यह बात भी सामने आई है कि इन विदेशी नागरिकों के पास वोटर आई कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज भी हैं। इस खुलासे ने न केवल प्रशासन को, बल्कि सियासी हलकों में भी हलचल पैदा कर दी है। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि ऐसे अवैध मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। आयोग के मुताबिक, एसआईआर अभियान का मकसद ही फर्जी और गैरकानूनी मतदाताओं को पहचान कर सूची से हटाना है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, 1 अगस्त 2025 के बाद उचित जांच के पश्चात ऐसे नामों को 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने संकेत दिया है कि फाइनल लिस्ट के साथ इन विदेशी मतदाताओं की संख्या भी सार्वजनिक की जाएगी। फिलहाल मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आई कार्ड की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आपको बता दें कि बांग्लादेश और नेपाल की सीमा से सटे बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया को सीमांचल नाम से पुकारा जाता है।

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण पूरी तरह बदल गई डेमोग्राफी

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण इस इलाके की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गई है। 1951 से 2011 तक देश की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी जहां चार प्रतिशत बढ़ी है, वहीं सीमांचल में यह आंकड़ा करीब 16 प्रतिशत है। किशनगंज बिहार का ऐसा जिला है, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि सरकारी दस्तावेज में अवैध घुसपैठियों के भारतीय नागरिक के रूप में उनका नाम-मुकाम भी दर्ज हो जा रहा। इसी आधार पर वे तमाम योजनाओं के हकदार भी बन जा रहे हैं। सीमांचल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का दबदबा इस कदर बढ़ गया है कि वहां के हिंदू पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। सीमांचल कहलाने वाले बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जिलों में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के कारण बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय बदलाव हुए हैं, जिनके कारण इन इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं।

सीमांचल में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक

बिहार के किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया जिलों में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक है। कुछ लोग मानते हैं कि अधिक संख्या में आधार कार्ड बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए बनाए गए हैं। उनका दावा है कि स्थानीय नेताओं और कट्टरपंथी समूहों ने इसमें मदद की है। हाल ही में हुई जातिगत जनगणना से पता चला है कि किशनगंज में मुस्लिम आबादी 68 फीसदी, अररिया में 50 फीसदी, कटिहार में 45 फीसदी और पूर्णिया में 39 फीसदी हो गई है। केंद्र सरकार सीमांचल में हो रहे इन बदलावों को लेकर चिंतित है। रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के इन जिलों में मुसलमानों की आबादी करीब 40 से बढ़कर करीब 70 फीसदी हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमांचल के कई ऐसे जिले हैं, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो गए और बाद में प्रताड़ना से तंग आकर वहां से पलायन कर गए। अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड के रामपुर गांव के हिंदू पलायन कर दोगांछी गांव चले गए। यहां हिंदुओं की आबादी थोड़ी अधिक है।

बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में

बहरहाल बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आईडी की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है।

पटना में कानून-व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल व्यवसायी के बाद अब भाजपा नेता की हत्या

पटना,(ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना में अपराध बेलगाम होता नजर आ रहा है। एक हफ्ते में दो हाई-प्रोफाइल हत्याओं ने न सिर्फ आम लोगों में दहशत फैला दी है, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहले व्यवसायी गोपाल खेमका, और अब भाजपा नेता सुरेंद्र केवट की हत्या ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।जानकारी अनुसार 52 वर्षीय सुरेंद्र केवट की हत्या शनिवार रात करीब 9 बजे बिहटा-सरमेरा स्टेट हाईवे के किनारे शेखपुरा गांव के पास की गई। वे खेत से सिंचाई का पंप बंद कर बाइक से लौट रहे थे, तभी दो बाइक सवार बदमाशों ने उन पर करीब से चार गोलियां दागीं। गंभीर रूप से घायल केवट को पटना एम्स ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हालांकि उनके पास भाजपा में कोई औपचारिक पद नहीं था, लेकिन वे पुनपुन प्रखंड में एक सक्रिय पार्टी कार्यकर्ता के रूप में जाने जाते थे। वे पशु चिकित्सक और किसान भी थे। हत्या के पीछे राजनीतिक रंजिश या व्यक्तिगत दुश्मनी की आशंका से इनकार नहीं किया जा रहा है।

पुलिस जांच में जुटी, लेकिन भरोसे में सेंध?

पीपरा थाना प्रभारी आरके पाल ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी सर्विलांस के माध्यम से जांच की जा रही है। लेकिन सवाल यह है कि राजधानी जैसे संवेदनशील इलाके में लगातार दो हत्याएं होने के बावजूद अपराधी बिना किसी भय के वारदात को अंजाम दे रहे हैं।

तेजस्वी यादव का तीखा हमला

पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने इस घटना पर एनडीए सरकार को घेरा। उन्होंने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, और अब पटना में एक भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या! क्या कहें, और किससे? मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य की सबको चिंता है, लेकिन भाजपा के दो निकम्मे उपमुख्यमंत्री क्या कर रहे हैं? उन्होंने भाजपा के नेतृत्व और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भूमिका पर भी सवाल उठाए और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली को भ्रष्ट भुंजा-डीके पार्टी कहकर आलोचना की।

कानून-व्यवस्था या लापरवाही?

इन दो हत्याओं ने साफ कर दिया है कि पटना में आम से लेकर खास तक कोई सुरक्षित नहीं है।

संक्षिप्त ख़बरें

राजद विधायक विभा देवी ने लगाए आरोप पैसा लेकर टिकट बेच रहे तेजस्वी यादव!

पटना, (ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरोप प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। ताजा मामला बिहार के पूर्व मंत्री राजबल्लभ यादव की पत्नी और राजद विधायक विभा देवी का है जिन्होंने अपने ही नेता तेजस्वी यादव पर नीतीश सरकार के विश्वासमत के दौरान पैसे का खेल करने और लोकसभा चुनाव में टिकट बेचे जाने का गंभीर आरोप लगाया है। विभा देवी ने आरोप लगाया कि जब सरकार बनाने-बिगाड़ने का खेल चल रहा था, तब तेजस्वी के साथ रहने वाले उनके कुछ करीबी नेताओं ने उनसे भारी धनराशि की मांग की थी। वह यह रकम नहीं दे सकीं। इसके बावजूद उन्होंने और विधायक प्रकाश वीर ने पार्टी नहीं छोड़ी। जबकि कई नेताओं ने उन्हें पाला बदलने का प्रलोभन दिया था। उन्होंने कहा कि यही उनकी गलती थी कि वह तेजस्वी को गलत काम के लिए पैसा नहीं दे सकीं। विभा देवी ने कहा कि उनके पति राजबल्लभ प्रसाद वर्षों से जेल में हैं। उनके पास करोड़ों रुपये का इंतजाम करने का कोई जरिया नहीं था। फिर भी उन्होंने और प्रकाश वीर ने धर्म और कर्तव्य निभाते हुए तेजस्वी के साथ खड़े रहना चुना। इस दौरान तेजस्वी ने लोकसभा चुनाव की चर्चा शुरू की थी। तब राजबल्लभ प्रसाद ने साफ कहा था कि उनका परिवार अब राजनीति में सक्रिय नहीं रहेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि वह जेल में हैं, सजायाफ्ता हैं और उन्हें वोट देने का भी अधिकार नहीं है। राजबल्लभ प्रसाद ने लालू प्रसाद से कहा था कि अच्छे नेता बनने के लिए पांच गुण जरूरी होते हैं- झूठ बोलना, जनता को ठगना, भाई-भाई में लड़ाई कराना, घूस लेना और बड़े नेताओं की खुशामद करना। उन्होंने कहा कि इनमें से कोई गुण उनमें नहीं है। इसलिए वह राजनीति से दूर रहना चाहते हैं। राजद विधायक ने कहा कि तेजस्वी ने तब पूछा था कि नवादा लोकसभा सीट कैसे जीती जाएगी, क्योंकि इस बार वन टू वन फाइट है। इस पर राजबल्लभ प्रसाद ने कहा था कि ऐसा उम्मीदवार भेजिए जो इन पांचों गुणों में थोड़ा कम हो। ऐसे उम्मीदवार को वह पूरा समर्थन देंगे।

उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने किया श्रावणी मेले का उद्घाटन

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस)। सावन माह की पावन शुरुआत के साथ प्रसिद्ध श्रावणी मेला का शुभारंभ रविवार को डीएन उच्च विद्यालय मैदान में हुआ। उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विधिवत पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक आयोजन के साथ किया।कार्यक्रम से पहले उपमुख्यमंत्री बाबा गरीबनाथ मंदिर पहुंचे और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे उद्घाटन स्थल पर पहुंचे, जहां भारी संख्या में श्रद्धालु, प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि पहले से मौजूद थे। उद्घाटन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। साथ ही, मेले से जुड़ी स्मारिका का विमोचन भी किया गया, जिसमें श्रावणी मेले का इतिहास, परंपरा और महत्व को दर्शाया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा, कि श्रावणी मेला बिहार की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। बाबा गरीबनाथ की कृपा से यह मेला श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र बना है और प्रशासन इसके सफल आयोजन के लिए कटिबद्ध है।प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, जिनमें पेयजल, चिकित्सा शिविर, ट्रैफिक कंट्रोल, सीसीटीवी निगरानी, और आपातकालीन हेल्पलाइन शामिल हैं। श्रावणी मेला मुजफ्फरपुर ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर बिहार के लिए एक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। सावन भर चलने वाले इस मेले में बाबा गरीबनाथ के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

मधुबनी जिला में नल जल की हालात बेहद खराब, स्वच्छ पानी की व्यवस्था करे जिला प्रशासन : मनोज

जल प्रबंधन में फ्लॉप है सरकार

मधुबनी, (ईएमएस)। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के मधुबनी जिला सचिव मनोज कुमार यादव और जिला सचिव मंडल सदस्य दिलीप झा ने मधुबनी जिला में जल संकट पर प्रेस बयान जारी किया है। जिला सचिव मनोज कुमार यादव ने कहा कि लोगों को स्वच्छ पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। सरकार के प्राथमिकता में नल जल योजना पंचायत में दम तोड़ रहा है। कहीं भी सम्पूर्ण रूप से नल जल योजना नहीं चल पा रहा है। जल संकट को दूर करने के लिए कोई ठोस नीति नीतीश कुमार के पास नहीं है। जल संरक्षण पर सरकार गंभीर नहीं है। जल प्रबंधन के लिए तत्काल ठोस कदम सरकार को उठाना चाहिए। यह सरकार जल ही जीवन है उसको भूल गया है। यह गंभीर चिंता का विषय है। पानी की मांग लगातार बढ़ रही है और मिठे पानी की आपूर्ति सीमित बन कर रह गई है। मधुबनी जिला में जल का भारी संकट है। जिला प्रशासन मिठे पानी की व्यवस्था अविलंब करे और नल-जल योजना जहां बंद है वहां अविलंब चालू कराए. सीपीएम जिला सचिव मंडल सदस्य दिलीप झा ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जल जीवन के हर पहलू को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि हर चार लोगों में से एक को स्वच्छ पानी तक नसीब नहीं हो रहा है। राज्य में डबल इंजन की सरकार लोगों के लिए स्वच्छ जल पिने के लिए व्यवस्था नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि जल प्रदुषण एक बड़ी समस्या बन गया है।

पूर्व पशुपालन मंत्री की पुण्यतिथि 14 को

मधुबनी, (ईएमएस)। बिहार के पूर्व पशुपालन मंत्री स्व.राजकुमार महासेठ की सातवीं पुण्यतिथि 14 जुलाई को मधुबनी शहर के गिलेशन बाजार स्थित उनके आवासीय परिसर में मनाई जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए राष्ट्रीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय महासचिव नागेंद्र राउत ने बताया कि पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में पूर्व मंत्री व नगर विधायक समीर कुमार महासेठ, राष्ट्रीय वैश्य महासभा के दर्जनों लोग, समाज सेवकों, बुद्धिजीवियों, कलाकारों व विभिन्न दलों के नेता व कार्यकर्ताओं शामिल होंगे। राष्ट्रीय महासचिव ने बताया कि पूर्व पशुपालन मंत्री राजकुमार महासेठ की प्रतिमा स्थापित करने की पहल चल रही है।

आरके कॉलेज से बुबना उद्यान तक के सड़क निर्माण की मांग सदन में उठेगा : विधायक

9 वर्षों की मेहनत रंग लाया सिंघानिया चौक से गांधी चौक तक के सड़क निर्माण का मार्ग प्रशस्त

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी शहर की बहुप्रतीक्षित आरके कॉलेज से बुबना उद्यान तक की सड़क निर्माण की स्वीकृति मिल गयी है। लेकिन इसके निर्माण की अन्य प्रक्रियाएं अब तक शुरू नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी मुद्दे को लेकर नगर विधायक समीर कुमार महासेठ आगामी विधानसभा सत्र में सवाल उठायेंगे। पूर्व उद्योग मंत्री सह विधायक समीर कुमार महासेठ ने रविवार को अपने आवासीय कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि इस सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर है। जिससे पूरे शहर की यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। आमलोगों के साथ ही जिले के बाहर से आने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। विधायक श्री महासेठ ने बताया कि इस सड़क की स्वीकृति मिलने के बावजूद कार्य आरंभ नहीं होना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि पिछली विधानसभा बैठक में उन्होंने सिंघानिया चौक से गांधी चौक तक सड़क की जरूरत और विलंब पर सवाल उठाया था। जिसके बाद विभाग ने रविवार को निविदा का प्रकाशन कराया है। इससे शहरवासियों को एक उम्मीद जगी है। इस सड़क के निर्माण के लिए पिछले 9 वर्षों से वे प्रयत्नशील थे। आखिरकार वह सड़क अब बनेगी इसकी आस अब जग गयी है। विधायक ने कहा कि भाजपा नेताओं को जनहित के कार्यो से मतलब नहीं है। इस दौरान उन्होंने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि स्टेशन चौक से निधि चौक तक बन रही सड़क की राह में जो अड़चनें आ रही हैं, उसे दूर करने में भाजपा नेता कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि भाजपा नेता केवल बयानबाजी में लगे रहते हैं और विकास, महंगाई, भ्रष्टाचार व बेरोजगारी जैसे मुद्दों से उनका कोई लेना-देना नहीं है।विधायक ने बताया कि शहर के विकास के लिए करीब 200 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत हो चुकी हैं। उनके क्रियान्वयन की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने एनडीए सरकार की जनविरोधी नीति व विकास कार्यों की उपेक्षा किये जाने का आरोप लगाया। कहा बारिश नहीं होने से सुखाड़ की हालत है। लेकिन भाजपा नेता चुप्पी साध रखा है। उन्होंने किसानों के लिए सिंचाई व अन्य व्यवस्था किए जाने की मांग की। प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने डीएम को सौंपे गए 42 बिंदुओं वाले पत्र का भी जिक्र किया। विधायक ने कहा कि जिला में लॉ एंड आर्डर की स्थिति अत्यंत खराब हो गयी है। मधवापुर में डायल 112 की गाड़ी से दो शराब तस्कर की टक्कर मारकर मौत की घटना पुलिस को कटघरे में खड़ा करती है। लदनियां में चार वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म व हत्या की घटना समेत जिले भर में आपराधिक घटना में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।

बिहार में खेत से लौट रही महिला की गोली मारकर हत्या, आरोपी फरार

पटना,(ईएमएस)। बिहार के नालंदा में एक वृद्ध महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतका पटना के एक अस्पताल में कार्यरत थी और उसकी पहचान सुशीला देवी (60) के रूप में हुई है। यह घटना नूरसराय पुलिस थाने के अंतर्गत डोइया गांव में शनिवार सुबह करीब 10 बजे घटी। जब सुशीला देवी अपने खेत से लौट रही थीं।जानकारी के मुताबिक एसडीपीओ ने बताया कि महिला के बेटे के मुताबिक हमलावरों ने घात लगाकर उसके सिर में गोली मारी। उसे तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। उन्होंने कहा की शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि घटना के पीछे का कारण कोई पुराना संपत्ति विवाद हो सकता है। आगे की जांच की जा रही है। इस बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बढती आपराधिक घटनाओं पर चिंता जताई है।

खेमका हत्याकांड: ऑडियो रिकॉर्डिंग मिली, एसटीएफ आरोपियों से कर रही पूछताछ

हत्या की वजह जमीन विवाद, आरोपी के घर से मिले दस्तावेजों की कर रही जांच

पटना,(ईएमएस)। बीते 4 जुलाई की रात पटना के गांधी मैदान क्षेत्र में उद्योगपति गोपाल खेमका की उनके अपार्टमेंट के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में एसटीएफ और पटना पुलिस ने मास्टरमाइंड अशोक साव और शूटर उमेश यादव को गिरफ्तार किया है। जांच में पता चला है कि हत्या की वजह जमीन विवाद था, लेकिन वह कौन सी जमीन थी यह अभी पता नहीं चल सका है।बता दें अशोक साव के उदयगिरी अपार्टमेंट स्थित फ्लैट से पुलिस ने जमीन के कई कागजात, एक 9 एमएम पिस्टल, 17 गोलियां और 6.5 लाख रुपए नगद बरामद किए हैं। एसटीएफ ने अशोक से पूछा कि वह कौन सी जमीन थी, जिसके लिए गोपाल खेमका की हत्या की गई। एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में अशोक और खेमका के बीच जमीन को लेकर तीखी बहस और गाली-गलौज सामने आई है, जो जांच का आधार बनी है। पुलिस को शक है कि इस साजिश में चार-पांच अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं।बिहार डीजीपी ने बताया कि अशोक का आपराधिक रिकार्ड है, जिसमें मनोज कमलिया और संतोष टिबड़ेवाल हत्याकांड में भी उसका नाम आ चुका है। गोपाल खेमका हत्याकांड में पटना पुलिस अब अशोक साव के मोबाइल, व्हाट्सएप चैट और बरामद दस्तावेजों की जांच कर रही है, ताकि जमीन विवाद की वजह और संलिप्त व्यक्तियों का पता लगाया जा सके। इस हत्याकांड ने पटना के कारोबारी समुदाय में दहशत पैदा कर दी है।पुलिस सूत्रों के मुताबिक अशोक ने इस हत्या की साजिश रची और इसे अंजाम देने के लिए सुपारी दी थी।

बिहार में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की तैयारी

पटना, (ईएमएस)। बिहार में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बिहार पर्यटन विभाग और केंद्र सरकार मिलकर हेलीकॉप्टर सेवा शुरू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बिहार पर्यटन विभाग इस महीने कैबिनेट में हेलीकॉप्टर सेवा का प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। स्वीकृति मिलने पर सेवा जल्द ही शुरू हो सकती है। शुरुआत में दो 5-सीटर हेलीकॉप्टर उपलब्ध होंगे। जो पर्यटकों को प्रमुख स्थलों तक ले जाएंगे। हेलीपैड पर्यटन स्थलों के नजदीक बनाए जाएंगे, ताकि यात्रा और भी सुगम हो जाए। इस सेवा से पर्यटक एक दिन में दो पर्यटन स्थलों की सैर भी कर सकेंगे, जिससे समय की काफी बचत होगी। हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से देश और विदेश के पर्यटकों को बिहार के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर हवाई मार्ग से करने का अवसर मिलेगा। विशेष रूप से यह सेवा विदेशी पर्यटकों और समय की कमी वाले यात्रियों के बीच काफी लोकप्रिय होगी।बताया जा रहा है कि पहले चरण में यह सेवा पटना से गया, बोधगया, राजगीर और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के लिए शुरू होगी। इसके बाद इसे अन्य पर्यटन स्थलों जैसे नालंदा, वैशाली और सासाराम तक भी विस्तारित किया जा सकता है। हालांकि बिहार में पहले से ही गया जी और राजगीर के बीच हेलीकॉप्टर सेवा संचालित हो रही है। जिसे 2023 में शुरू किया गया था ।

माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज हुआ जर्जर, कई जगह आए क्रैक्स

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस)। मालगाड़ी के टकराने से टूटा माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज कई जगहों से जर्जर हो गया है। अभियंताओं की टीम ने निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ से इसका आडिट कराने की अनुशंसा की है। बता दें 1970 में इस पुल का निर्माण कराया गया था। रेलवे और पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाया गया यह पुल काफी अहम है। 2013 में एक मालगाड़ी के टकराने से यह पुल बीच से टूट गया था। 2014-15 में मरम्मत के बाद इस पर फिर परिचालन शुरू हो गया था।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुल की स्थिति का अभियंताओं की टीम ने एक जुलाई को निरीक्षण किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पांच सौ मीटर लंबे और करीब 7.5 मीटर चौड़े इस पुल के पाए का प्लास्टर झड़ रहा है। इसके अलावा इसके कैप का कंक्रीट भी झड़ रहा है। इससे इसका छड़ दिख रही है। इसमें जंग लग गया है। सुपरस्ट्रक्चर स्लैब के 100 फिट भाग का आरसीसी भी डैमेज पाया गया। इसके छड़ में भी जंग लग गया है। पुल की रेलिंग में क्रैक्स पाए गए हैं। इसे देखते हुए इस ओवरब्रिज की स्थिति अच्छी नहीं है। इसकी जल्द ही मरम्मत कराना जरूरी है।

भैरवा श्रावणी मेला में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से हुआ ब्रीफिंग

सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर हर हाल में पहुँचने का निर्देश

विधि व्यवस्था संधारण एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर दिए कई महत्वपूर्ण टिप्स

संपूर्ण मेला परिसर में ड्रोन कैमरे से होगी निगरानी

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिले के डीएम आनंद शर्मा एवं एसपी योगेंद्र कुमार ने नगर भवन मधुबनी में भैरवा श्रावणी मेला में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त रूप से संबोधित किया। उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को ससमय अपने प्रतिनियुक्ति स्थल पर हर हाल में पहुँचने का निर्देश दिया। डीएम-एसपी ने कहा कि वे स्वयं सभी प्रतिनियुक्ति स्थल पर पहुँचकर विधिव्यस्था का जायजा लेंगे। प्रतिनियुक्ति स्थल से अनुपस्थित पाए जाने पर कड़ी करवाई की जाएगी। डीएम व एसपी ने अपने संबोधन में विधि व्यवस्था संधारण एवं भीड़ प्रबंधन को लेकर उपस्थित दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की मंशा रखने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने एवं उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने चिन्हित सभी संवेदनशील स्थलों एवं कांवरियों के गुजरने वाले मार्गों पर विशेष रूप से निगरानी रखे जाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था संधारण एवं मेला आयोजन को सफल बनाने को लेकर सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील 268 स्थानो पर 536 दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियो को प्रतिनियुक्त किया गया है। साथ ही काफी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है । सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी बरते जाने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि असामाजिक तत्वों द्वारा अफवाहों को फैलाने के प्रयास को रोका जा सके। उन्होंने कहा है कि जैसे ही कोई आप्पतिजनक एवं अफवाह फैलाने,सामाजिक समरसता को बिगाड़ने वाले पोस्ट नजर आता है। तो तुरंत अपने वरीय अधिकारियो को सूचित करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि छोटी-छोटी घटनाओं को भी पूरी गंभीरता से लेकर उसपर संज्ञान लें, तथा उसकी सूचना अपने वरीय अधिकारियों को भी दे। उन्होंने कहा कि विधि व्यवस्था संधारण के लिए अनुमंडल स्तर पर अनुमंडल नियंत्रण कक्ष की भी स्थापना की गई है। रोस्टर के हिसाब से अधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा दल, विद्युत आपूर्ति,गश्ती दल आदि के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेला के दौरान सभी महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे एवं वीडियो ग्राफी द्वारा कड़ी नजर रखी जायेगी। वही सादे लिबास में भी पुलिस बल की भी तैनाती की गई है। संपूर्ण मेला परिसर में ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाएगी। निर्धारित क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं डीजे पर पूर्ण रूप से रोक रहेगी तथा इसका सख्ती से अनुपालन करवाने का निर्देश भी दिया गया है। पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार ने कहा कि असामाजिक एवं उपद्रवी तत्वों पर विशेष निगरानी रहेगी। साथ ही सीसीएल मीडिया पर जिला साइबर टीम 24 घंटे निगरानी करेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति से निपटने को लेकर तेज तर्रार अधिकारियों से युक्त क्विक रिस्पॉन्स टीम का भी गठन किया गया है। अपर समाहर्ता मुकेश रंजन एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रश्मि विधिव्यवस्था के वरीय प्रभारी होंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार,अपर समाहर्ता मुकेश रंजन, अपर समाहर्ता आपदा संतोष कुमार, एसडीपीओ मुख्यालय रश्मि, एडीएम लोक शिकायत राजेश कुमार,एडीएम विभागीय जाँच नीरज कुमार, डीपीआरओ परिमल कुमार सहित सभी एसडीओ, एसडीपीओ, थानाध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

सावन 2025: उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने किया श्रावणी मेले का उद्घाटन

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस)। सावन माह की पावन शुरुआत के साथ प्रसिद्ध श्रावणी मेला का शुभारंभ रविवार को डीएन उच्च विद्यालय मैदान में हुआ। उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने विधिवत पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक आयोजन के साथ किया। कार्यक्रम से पहले उपमुख्यमंत्री बाबा गरीबनाथ मंदिर पहुंचे और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। इसके बाद वे उद्घाटन स्थल पर पहुंचे, जहां भारी संख्या में श्रद्धालु, प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि पहले से मौजूद थे। उद्घाटन समारोह में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। साथ ही, मेले से जुड़ी स्मारिका का विमोचन भी किया गया, जिसमें श्रावणी मेले का इतिहास, परंपरा और महत्व को दर्शाया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा, कि श्रावणी मेला बिहार की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। बाबा गरीबनाथ की कृपा से यह मेला श्रद्धालुओं के आस्था का केंद्र बना है और प्रशासन इसके सफल आयोजन के लिए कटिबद्ध है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, जिनमें पेयजल, चिकित्सा शिविर, ट्रैफिक कंट्रोल, सीसीटीवी निगरानी, और आपातकालीन हेल्पलाइन शामिल हैं। श्रावणी मेला मुजफ्फरपुर ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर बिहार के लिए एक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। सावन भर चलने वाले इस मेले में बाबा गरीबनाथ के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने रोजगार मेले में 100 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने नगालैंड के दीमापुर में आयोजित रोजगार मेले के दौरान 100 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने इस अवसर को सिर्फ एक भर्ती प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए, बताया कि 107 नियुक्ति पत्र व्यक्तिगत रूप से वितरित किए गए और 239 ईमेल के जरिए भेजे गए। इसके लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की लुमडिंग डिवीजन का आभार। रीजीजू ने कहा कि रोजगार मेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवा सशक्तिकरण और तेज़ भर्ती प्रक्रिया के विजन को साकार करता है। उन्होंने बताया कि देशभर में एक साथ 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र विभिन्न सरकारी विभागों में दिए जा रहे हैं, जिनमें रेलवे, डाक सेवा, बैंक, शिक्षा, श्रम एवं रोजगार, और गृह मंत्रालय जैसे विभाग शामिल हैं। उन्होंने कहा, कि पहले सरकारी भर्ती में 5 से 7 साल तक लग जाते थे। अब हर 3-4 महीने में रोजगार मेले आयोजित कर स्वीकृत पदों को समय पर भरा जा रहा है। इस अवसर पर रीजीजू ने नए कर्मचारियों से अपनी नौकरी को 'राष्ट्र निर्माण' का माध्यम मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, कि चाहे आप लोक सेवा में हों या वर्दी में, आप देश की सेवा कर रहे हैं। हर जिम्मेदारी आत्मनिर्भर भारत में योगदान देती है।

अगले साल से 20 दिन में हो सकेगी हज यात्रा, 10000 लोगों को मिलेगी यह सुविधा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सेंट्रल हज कमेटी ने अगले साल हज पऱ जाने वाले लोगों के लिए 20 दिन में हज यात्रा पूरी करने का विकल्प तैयार किया है। पहली बार 20 दिन में हज यात्रा की सुविधा मिलने जा रही है। यह सुविधा केवल 10000 लोगों को ही मिलेगी। कम समय की हज यात्रा में काबा शरीफ के लिए केवल 20 दिन की अवधि तय की गई है। इस योजना में जाने वाले हज यात्रियों के खर्चे में कोई कमी नहीं आएगी। हज यात्रियों का चयन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। वर्तमान में हज यात्रा में सामान्यतः 40 से 45 दिन लगते हैं। जिन लोगों के पास समय कम होता है। वह हज यात्रा पर नहीं जा पाते हैं। उनके लिए यह एक अच्छा विकल्प है। शार्ट हज यात्रा मे तीन दिन मदीना में जियारत करने का मौका मिलेगा। 6 दिन मक्का में अरकान के सभी काम पूरे करने के लिए होंगे। मक्का में 11 दिन और मदीना में तीन दिन ठहरने की सुविधा प्राप्त होगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दोनों प्रकार के हज यात्रियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई निश्चित की गई है। शार्ट हज के लिए यात्री 7 एयरपोर्ट से हज यात्रा में जाने वाले यात्रियों को सुविधा प्राप्त होगी।

खून की जांच के लिए नैनो मशीन, खून यूरिन खाद्य पदार्थ और पानी की जांच

रायपुर (ईएमएस)। रवि शंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की रिसर्च टीम द्वारा एक ऐसी नैनो स्मार्ट मशीन बनाई गई है। जिसमें खून, यूरिन, खाद्य पदार्थ और पानी की जांच आसान तरीके से की जा सकेगी। इस मशीन का वजन सिर्फ 187 ग्राम है। इसकी लागत भी 5000 रूपये से कम है। कम लागत की सटीक परिणाम देने वाली इस मशीन को अब गांव गांव में लगाया जा सकता है। इस मशीन को प्रोफेसर कमलेश कुमार और अरुण पटेल द्वारा तैयार किया गया है। गांव में अब आसानी से जांच हो सकेगी। इस मशीन में यूवी विजिबल स्पेक्ट्रोफोटो मीटर की तरह है। यह मशीन 50 किलो की होती है। अब मात्र 187 ग्राम की मशीन से खून पेशाब खाद्य पदार्थ पानी एवं प्रोटीन की जाँच और उसकी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

ईरान के रास्ते लाहौरी नमक की तस्करी कांडला पोर्ट में चार कंटेनर रोजाना की आवक

नई दिल्ली (ईएमएस)। पहलगाम के आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान का लाहौरी नमक अब ईरान के रास्ते तस्करी के माध्यम से भारत लाया जा रहा है। भारत सरकार ने पाकिस्तान से आयात पर रोक लगा रखी है। जिसके कारण अब तस्करी के माध्यम से आ रहा है। भारत में सेंधा नमक का उपयोग बड़े पैमाने पर उपवास और औषधि के रूप में किया जाता है। लाहौरी नमक अब ईरान के रास्ते से कांडला पोर्ट से होते हुए भारत पहुंच रहा है। रोजाना 4 से 5 कंटेनर भारत आ रहे हैं। पहलगाम की घटना के बाद जब आयात बंद कर दिया गया था। उसके बाद से नमक के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ गए थे। ईरान के रास्ते जो सेंधा नमक आ रहा है। वह 2600 रूपये से लेकर 3300 प्रति क्विंटल में बिक रहा है। तस्करी से नमक आने के कारण अब इसकी कीमतें बढ़ गई है।

तेलंगाना में निकाय चुनाव में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण, अध्यादेश जारी

हैदराबाद,(ईएमएस)। तेलंगाना सरकार ने 2018 में विधानसभा से पारित एक अधिनियम में संशोधन करके स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़े वर्गों को 42 फीसदी आरक्षण देने के प्रावधान वाला अध्यादेश जारी किया है। राज्य मंत्रिमंडल ने 10 जुलाई को अध्यादेश जारी करने का फैसला लिया था। अध्यादेश जारी करने के लिए शनिवार को धन्यवाद देने आए पिछड़ा वर्ग संघों के नेताओं को संबोधित करते हुए सीएम ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में कांग्रेस ने पिछड़े वर्गों की आकांक्षाओं को पूरा किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक आधिकारिक विज्ञप्ति में सीएम रेड्डी के हवाले से कहा गया है कि कांग्रेस सरकार ने राहुल गांधी द्वारा भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दिए गए वचन के मुताबिक राज्य में जाति सर्वेक्षण भी पूरा कर लिया है।

माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज हुआ जर्जर कई जगह आए क्रैक्स

मुजफ्फरपुर,(ईएमएस)। मालगाड़ी के टकराने से टूटा माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज कई जगहों से जर्जर हो गया है। अभियंताओं की टीम ने निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ से इसका आडिट कराने की अनुशंसा की है। बता दें 1970 में इस पुल का निर्माण कराया गया था। रेलवे और पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाया गया यह पुल काफी अहम है। 2013 में एक मालगाड़ी के टकराने से यह पुल बीच से टूट गया था। 2014-15 में मरम्मत के बाद इस पर फिर परिचालन शुरू हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुल की स्थिति का अभियंताओं की टीम ने एक जुलाई को निरीक्षण किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पांच सौ मीटर लंबे और करीब 7.5 मीटर चौड़े इस पुल के पाए का प्लास्टर झड़ रहा है। इसके अलावा इसके कैप का कंक्रीट भी झड़ रहा है। इससे इसका छड़ दिख रही है। इसमें जंग लग गया है। सुपरस्ट्रक्चर स्लैब के 100 फिट भाग का आरसीसी भी डैमेज पाया गया। इसके छड़ में भी जंग लग गया है। पुल की रेलिंग में क्रैक्स पाए गए हैं।

भारतीय सेना के देशी श्वान में राजापलयाम और रामपुर हाउंड भी हुए शामिल

इनका पतला शरीर, चुस्ती, फूर्ति और आक्रामकता विदेशी श्वानों से अलग

मेरठ,(ईएमएस)। अब भारत की पारंपरिक श्वान नस्लें फिर चर्चा में हैं। इनमें भी ऐसी नस्लें जो एक समय शाही परिवारों की सुरक्षा करती थी, अब देश की रक्षा और सुरक्षा में भारतीय सेना के फौजी श्वान दस्ते में शामिल होकर अपना गौरव वापस ले रही हैं। आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान देती भारतीय सेना की फोर्स मल्टीप्लायर, आरवीसी सेंटर एंड कालेज ने इस ओर कदम बढ़ाया है। मुधोल हाउंड और चिप्पीपराई जैसी भारतीय श्वान नस्लों के सफल प्रशिक्षण के बाद अब राजापलयाम और रामपुर हाउंड हो भी सेना में शामिल किया गया है।

रामपुर हाउंड को नवाब अहमद अली खान बहादुर ने अफगान हाउंड और इंग्लिश ग्रेहाउंड के प्रजनन से स्वदेसी नस्ल तैयार कराई थी जिसे रामपुर हाउंड नाम दिया गया। नवाब अली ने जंगली पशुओं से सुरक्षा और शिकार के लिए शिकारी कुत्तों का दल तैयार किया था। केंद्र सरकार ने 2005 में रामपुर हाउंड पर डाक टिकट जारी किया था। मध्य प्रदेश पुलिस ने इस प्रजाति को अपने डाग स्क्वाड में शामिल किया है। देशी श्वानों की इन चारों प्रजातियों की खूबियां ही इन्हें फौजी श्वान बनने के लिए योग्य बनाती हैं। इनका दुबला-पतला शरीर लेकिन बेहद चुस्ती, फूर्ति और आक्रामकता इन्हें विदेशी श्वानों से पूरी तरह अलग करती हैं। इनमें सूंघने की शक्ति, खोजी प्रवृत्ति इन्हें गार्ड और असाल्ट दोनों श्रेणी में खास बनाती हैं। स्वभाव में मुधोल हाउंड वफादार और रिजर्व है तो चिप्पीपराई स्वतंत्र और शांत रहता है।

राजापलयाल साहसी और क्षेत्र को कंट्रोल करने वाला है तो रामपुर हाउंड सतर्क और अपनों के प्रति स्नेह का स्वभाव रखता है। प्रशिक्षण के दौरान इनकी रफ्तार वाहनों के पीछे दौड़ते हुए बहुत अच्छी मापी गई है। आरवीसी ने स्थापना दिवस पर मुधोल हाउंड की रफ्तार दिखाई भी थी जिसमें वह पलक झपकते ही घुड़सवारी के लिए इस्तेमाल होने वाली बाधाओं को लंबी छलांग में पार करते हुए निकल गया। अन्य तीनों प्रजातियों की खूबियों को अभी तक सेना से बाहर प्रदर्शित नहीं किया गया है।

सेना के स्वदेशी फौजी श्वानों के दस्ते का पहला फौजी मुधोल हाउंड कर्नाटक के बागलकोट जिले के मुधोल क्षेत्र का है। इसकी ऊंचाई 66 से 74 सेमी और वजन 20 से 28 किलो होता है। चिप्पीपराई तमिलनाडु के पेरियार लेक, विरुधुनगर, मदुरै व शिवगंगा जिले में ज्यादा पाई जाती है। इसकी ऊंचाई 61 से 66 सेमी और वजन 15 से 20 किलो होता है। राजापलयाम भी तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के राजापलशम शहर का है और उसी पर इसका नाम भी पड़ा। इसकी ऊचाई 64 से 76 सेमी और वजन 25 से 30 किलो होता है। इनसे अलग रामपुर हाउंड यूपी के रामपुर का श्वान है। इसकी ऊचाई भी 64 से 86 सेमी और वजन 27 से 30 किलो तक रहता है। यह सभी बेहद अनुशासित होते हैं जिसके कारण इनके प्रशिक्षण बेहतर हो पा रहे हैं।

आरवीसी सेंटर एंड कालेज के डॉग फैकल्टी में श्वानों की नई प्रजातियों को ब्रीडिंग से ट्रेनिंग यानी प्रजनन से प्रशिक्षण तक परखा जाता है। जन्म के कुछ समय बाद से अनुशासनात्मक प्रशिक्षण, फिर सामान्य प्रशिक्षण और उसके बाद विशेषज्ञता प्रशिक्षण पूरा होने के बाद श्वानों को फौजी दलों के साथ प्रशिक्षित कर ऑपरेशन के लिए तैयार किया जाता है।

ओडिशा कॉलेज में छात्रा ने खुद को लगाई आग, सेक्शुअल हैरेसमेंट से परेशान थी

एचओडी गिरफ्तार प्रिंसिपल सस्पेंड

भुवनेश्वर,(ईएमएस)। ओडिशा के बालेश्वर जिले में फकीर मोहन कॉलेज की बीएड सेकंड ईयर की छात्रा ने सेक्शुअल हैरेसमेंट से तंग आकर कॉलेज कैंपस में खुद को आग लगा ली। यह दिल दहला देने वाली घटना शनिवार दोपहर करीब 1 बजे हुई और कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई है। छात्रा को बचाने की कोशिश में एक अन्य छात्र भी झुलस गया। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां छात्रा की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। पीड़ित छात्रा और अन्य छात्राओं ने इंटीग्रेटेड बीएड डिपार्टमेंट के एचओडी समीर कुमार साहू पर मानसिक और शारीरिक शोषण के

आरोप लगाए थे। आरोप है कि साहू ने एक छात्रा से फिजिकल होने की मांग तक की थी। 30 जून को आधिकारिक शिकायत प्रिंसिपल के पास दी गई थी, जिसके बाद कॉलेज में प्रदर्शन भी हुआ था।

प्रिंसिपल का बयान

इस मामले में कॉलेज के प्रिंसिपल दिलीप कुमार घोष ने कहा, कि छात्रा शनिवार को मुझसे मिलने आई थी। मैंने उसे 20 मिनट तक समझाने की कोशिश की, लेकिन वह बोली अब और इंतजार नहीं कर सकती। कुछ देर बाद पता चला कि उसने खुद को आग लगा ली है। प्रिंसिपल ने बताया कि छात्राओं की शिकायत के बाद इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (आईसीसी) बनाई गई थी, जिसने 7 दिन में रिपोर्ट दी थी। लेकिन कुछ छात्र तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

इन पर हुई कड़ी कार्रवाई

इस मामले में एचओडी समीर कुमार साहू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ओडिशा सरकार ने कॉलेज प्रिंसिपल दिलीप घोष को भी सस्पेंड कर दिया है। इसी के साथ प्रिंसिपल को बिना अनुमति शहर छोड़ने से रोक दिया गया है।

छात्रा कैंपस में केरोसीन लेकर पहुंची और खुद पर डालकर आग लगा ली। पास मौजूद एक छात्र ने बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी घायल हुआ। यह सब कॉलेज की निगरानी कैमरों में रिकॉर्ड हो गया है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

जेल में बंद मजीठिया ने कोर्ट से की बैरक बदलने की मांग, आज होगी सुनवाई

चंडीगढ़, (ईएमएस)। आय से अधिक संपत्ति मामले में शिरोमणि अकाली दल के नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया जेल में बंद हैं, लेकिन अब उन्होंने मोहाली की कोर्ट में एक याचिका दायर की है। यह याचिका उन्होंने बैरक बदलवाने के लिए लगाई है। मजीठिया ने याचिका में कहा है कि वह पूर्व मंत्री और विधायक रह चुके हैं और उन्हें ऑरेंज कैटेगरी में रखा जाना चाहिए। इसलिए उन्हें उन कैदियों से अलग रखा जाए जो अंडर ट्रायल हैं या जिन्हें सजा हो चुकी है।

कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को नोटिस भेजा है और अगली सुनवाई सोमवार को होगी। फिलहाल मजीठिया 19 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में रहेंगे। इससे पहले जब उन्हें न्यू नाभा जेल भेजा गया था, उस समय पंजाब सरकार की तरफ से दावा किया गया था कि मजीठिया की बैरक में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, ताकि उनकी सुरक्षा से किसी भी तरह का खिलवाड़ न हो।

वहीं, सरकार ने साफ किया था कि जेल में मजीठिया को सामान्य कैदियों की तरह ही सुविधाएं दी जाएंगी। किसी भी तरह से उन्हें वीआईपी सुविधाएं नहीं मिलेंगी। बता दें साल 2021 में कांग्रेस सरकार के दौरान बिक्रम सिंह मजीठिया पर ड्रग तस्करी से जुड़ा मामला दर्ज हुआ था। 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद उन्होंने सरेंडर किया, जिसके बाद कोर्ट ने उन्हें पटियाला जेल भेज दिया था। वहां वे करीब छह महीने तक रहे, लेकिन उस दौरान उन्होंने बैरक बदलने जैसी कोई याचिका नहीं दी थी। अब जबकि उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस चल रहा है। टीम गोरखपुर से संबंधित दस्तावेजों का सारा रिकॉर्ड अपने कब्जे में ले लिया है। ये रिकॉर्ड करीब 10,000 से ज्यादा पन्नों का है।

इंडोनेशिया में ड्रग तस्करी के आरोप में तीन भारतीयों की मौत की सजा बरकरार

भारत ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली,(ईएमएस)। इंडोनेशिया की हाईकोर्ट ने ड्रग तस्करी के मामले में तीन भारतीय नागरिकों की मौत की सजा को बरकरार रखा है। इस फैसले को लेकर भारत ने गहरी चिंता जताई है और कहा है कि इस मामले में सबूतों की निर्विवाद और निष्पक्ष जांच नहीं हुई।

कौन हैं दोषी ठहराए गए भारतीय?

इंडोनेशिया में मौत की सजा पाए भारतीय नागरिकों में राजू मुथुकुमारन, सेल्वदुरई दिनाकरन और गोविंदसामी विमलकंदन के नाम शामिल हैं। इन तीनों को 14 जुलाई 2024 को इंडोनेशिया के रियाउ द्वीप के पास गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि वे ड्रग तस्करी में शामिल थे और नशीले पदार्थों के साथ पकड़े गए थे। बाद में टांजुंग बालई करिमुन डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने इन्हें दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी, जिसे हाईकोर्ट ने भी 20 जून 2025 को बरकरार रखा।

भारत ने जताई आपत्ति

इंडोनेशिया में भारत के राजदूत संदीप चक्रवर्ती ने मामले पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा कि भारत को इंडोनेशिया की न्याय व्यवस्था पर भरोसा है, लेकिन इस मामले में सबूतों की पूरी तरह से जांच नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मौत की सजा सिर्फ रेयर ऑफ द रेयरेस्ट मामलों में दी जानी चाहिए और यह मामला उस श्रेणी में नहीं आता। चक्रवर्ती ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय दूतावास इन तीनों नागरिकों को कानूनी मदद उपलब्ध करा रहा है और उच्च स्तर पर मामला राजनयिक माध्यमों से उठाया जा रहा है।

यह मामला ऐसे समय आया है जबकि इंडोनेशिया अपने ड्रग कानूनों के लिए दुनिया भर में बदनाम है।

कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक, यह बच्चों के विकास में रुकावट पैदा कर रहा : धनखड़

कोटा,(ईएमएस)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के खिलाफ है। यह कल्चर खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे देखने में असमर्थ है।

मीडिया रिपोर्अ के मुताबिक रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री यहां मौजूद मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा कि हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है।

उन्होंने कोचिंग सेंटरों की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना की और कहा कि विज्ञापन और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई करते हैं। यह पैसे का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगे लेकिन हमारी आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञान-दान में विश्वास रखते हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए।

राधिका यादव मर्डर केस में नया खुलासा : इंस्टाग्राम अकाउंट में लिखा था- सब कुछ किसी कारण से होता है

फ्रेंड की स्टोरी से हुआ खुलासा, पिता के दबाव में डिलीट किए थे सोशल मीडिया अकाउंट

गुरुग्राम,(ईएमएस)। 25 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के बाद केस में हर दिन नए पहलू उजागर हो रहे हैं। अब राधिका का इंस्टाग्राम अकाउंट सामने आया है, जिससे उसकी सोशल मीडिया एक्टिविटी और मानसिक स्थिति को लेकर अहम संकेत मिल रहे हैं।

राधिका की दोस्त हिमांशिका राजपूत की एक इंस्टाग्राम स्टोरी से पता चला है, कि राधिका का इंस्टा अकाउंट प्राइवेट मोड में है। उसमें 69 फॉलोअर्स हैं और उसने 68 लोगों को फॉलो किया था। हालांकि पोस्ट्स देखने लायक नहीं हैं, लेकिन बायो में स्पेनिश कहावत "टूडो पासा पोरअल्गो" यानी सब कुछ किसी कारण से होता है। लिखी है, जो शायद राधिका की आंतरिक स्थिति और संघर्ष का संकेत देती है।

सोशल मीडिया पर क्या हुआ?

राधिका ने पहले अपने सोशल अकाउंट्स को कई बार डिएक्टिवेट और रीएक्टिवेट किया था।

को-एक्टर इनामुल के मुताबिक, राधिका जब तनाव में होती थी तो इंस्टा बंद कर देती थी।

पिता दीपक यादव ने खुद कबूल किया कि उन्होंने राधिका पर दबाव डाला था कि वह सोशल मीडिया से दूर रहे।

फ्रेंड्स और परिवार के बयान में अंतर

फ्रेंड हिमांशिका ने कहा, वह अपने पिता की मर्जी से जीने को मजबूर थी। उसे शॉर्ट्स पहनने, लड़कों से बात करने तक पर टोका जाता था।

वहीं दीपिका की मां मंजू यादव ने बताया कि दीपक यादव बेटी और मुझ पर अक्सर शक करता था। वहीं, पिता दीपक यादव का कहना है कि मैं पिछले 15 दिनों से डिप्रेशन में था। बेटी मेरी काउंसलिंग करती थी। मैंने ही उससे सोशल मीडिया हटवाया।

मानसिक दबाव और आज़ादी की चाह

जानकारी अनुसार कोच अजय यादव से चैट में राधिका ने कहा था, मैं खुलकर जिंदगी जीना चाहती हूं, लेकिन बहुत पाबंदियां हैं। वह ऑस्ट्रेलिया या दुबई जाकर 1-2 महीने की छुट्टी चाहती थी, लेकिन पिता ने मना कर दिया था।

जानें मामला क्या है?

गुरुग्राम के सेक्टर-57 में 10 जुलाई को राधिका की हत्या उसके ही पिता दीपक यादव ने गोली मारकर कर दी थी। उन्होंने खुद पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बेटी को मार डाला। राधिका पेशे से जूनियर इंटरनेशनल टेनिस खिलाड़ी थीं और हाल ही में एक म्यूजिक वीडियो "कारवां" में भी नजर आई थीं।

इन सवालों के जवाब आने हैं अभी बाकी

क्या राधिका लगातार मानसिक शोषण का शिकार थी? क्या पिता के व्यवहार को लेकर पहले कभी पुलिस को शिकायत दी गई थी? क्या यह महज़ गुस्से या अवसाद की हरकत थी, या पूर्वनियोजित नियंत्रण की परिणति? इस मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आज़ाद सोच रखने वाली बेटियों को पारिवारिक पाबंदियों के चलते कितनी कीमत चुकानी पड़ती है।

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

इंटरनेट की दुनिया में जापान की लंबी छलांग, पीटाबाइट स्पीड से डेटा ट्रांसफर

इंटरनेट की स्पीड की बात करते हैं, तो भारत में 100 एमबीपीएस या अधिकतम 1 गीगाबाइट पर सेकंड को सबसे तेज स्पीड मान लिया जाता है। जापान ने इस पैमाने को ध्वस्त कर दिया है। जापान ने हाल ही में 1 पेटाबाइट प्रति सेकंड की स्पीड से डेटा ट्रांसफर करने की एक ऐसी तकनीकी क्रांति को जन्म दिया है जो ना केवल अभूतपूर्व है बल्कि विज्ञान और शोध के क्षेत्र में एक चमत्कारिक घटना के रूप में देखी जा रही है। जापान की इस सफलता से इंटरनेट की दुनिया में एक नया कीर्तिमान बनने जा रहा है, जो सोच से भी ज्यादा है। यह उपलब्धि जापान के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और कई अंतरराष्ट्रीय शोध संस्थानों के साथ मिलकर हासिल की है। पारंपरिक ऑप्टिकल फाइबर में एक की जगह 19 कोर का प्रयोग करके 10,800 किलोमीटर की दूरी तक इंटरनेट के माध्यम से डेटा ट्रांसफर करके यह कीर्तिमान स्थापित किया गया है। नेटफ्लिक्स लाइब्रेरी, विकिपीडिया के करोड़ों पेज या 8के के वीडियो डेटा को एक सेकंड से भी कम समय में डाउनलोड किया जा सकता है। यह स्पीड, भारत की औसत इंटरनेट स्पीड से 1 करोड़ 60 लाख गुना ज्यादा है। अमेरिका से 35 लाख गुना तेज है। इसकी कल्पना मानव समाज ने अभी नहीं की थी। जो जापान ने करके बता दिया है। यह तकनीक की चरम सीमा है। वैश्विक स्तर पर इस उपलब्धि का प्रभाव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, मेडिकल साइंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान एआई तकनिकी जैसे क्षेत्र अब सभी सीमाओं से मुक्त हो जाएंगे। रीयल टाइम क्लाउड प्रोसेसिंग, होलोग्राफिक कम्युनिकेशन और ब्रेन-मशीन इंटरफेस जैसे भविष्य के अवसर वर्तमान के दरवाजे पर खड़े दिख रहे हैं। मानव मस्तिष्क की सोच से भी कई गुना तेज गति से अब सिग्नल प्राप्त किए जा सकते हैं। कोड किए जा सकते हैं, डिकोड किए जा सकते हैं। जापान की इस सफलता ने डिजिटल दुनिया में एक नई क्रांति को जन्म दिया है। इस स्पीड के पीछे कई तरह की चुनौतियां हैं। अभी तक जो शोध और नवाचार हो रहे थे। जापान ने दिखा दिया है, तकनीक में कोई शॉर्टकट अथवा संपूर्णता नहीं होती है। जापान ने डिजिटल तकनीकी को लेकर सारी दुनिया के देशों को और वैज्ञानिकों को एक नई चुनौती दी है। कुछ महीने पहले चीन ने 10 जी की इंटरनेट सेवा का सफल परीक्षण किया था, तब इसे बहुत बड़ी सफलता माना जा रहा था, लेकिन जापान ने चीन से कई गुना अधिक सफलता अर्जित कर इंटरनेट की दुनियां में चीन को पछाड़ दिया है। जापान के इस मॉडल से कल्पनाओं का लोक बहुत बड़ा हो गया है। अभी बहुत कुछ सीखने की चुनौती सामने आ गई है। इंटरनेट की यह स्पीड मानव क्षमता की पराकाष्ठा है। यह सफलता बताती है, भविष्य उनका है, जो कल्पनाओं के आधार पर विज्ञान, नवाचार की सोच को संकल्प के साथ दोड़ना जानते हैं। फिलहाल, इस रेस में जापान सबसे आगे बढ गया है। जापान की इस सफलता से अब कंप्यूटर हार्डवेयर सॉफ्टवेयर तथा संचार माध्यमों को लेकर आमूल-चूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल तकनीकी में भारी बदलाव आएंगे। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के सामने एक बड़ी चुनौती आ गई है। इस सफलता के बाद मानव सभ्यता तथा मानव क्षमता में बड़े परिवर्तन देखने को मिलेंगे। जापान ने जो सफलता अर्जित की है उसके कारण सभी क्षेत्रों में परिवर्तन देखने को मिलेगा। डिजिटल तकनीकी और सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से यह कहा जाता था कि पूरा विश्व एक गांव के रूप में बदल गया है। भविष्य में यदि यह भी कहा जाए कि सारा ब्रह्मांड एक विलेज में बदल गया है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। जापान की वर्तमान सफलता को देखते हुए, अब यह कहा जा सकता है कि मानव ने देवत्व की क्षमता को प्राप्त कर लिया है। मानव जो सोचता है उसे हासिल कर पाने में कोई बाधा नहीं रही। वहीं एक खतरा यह भी दिखने लगा है, जब-जब मानव के पास असीमित शक्तियां आ जाती हैं उनका सृजन के लिए काम और विध्वंस के लिए ज्यादा उपयोग होता है। यह अभी होता हुआ दिख रहा है। रूस और यूक्रेन, गाजा और इजरायल, ईरान और इजरायल के बीच जिस तरह के युद्ध लंबे समय से चल रहे हैं उसमें तकनीकी का जिस तरह से इस्तेमाल हो रहा है उसमें विध्वंस ज्यादा हो रहा है सृजन कम हो रहा है। डिजिटल तकनीकी और संचार माध्यमों की गतिशीलता हमारे मानव जीवन को बड़ी तेजी के साथ प्रभावित कर रही है। हमें कई तरह से शक्ति संपन्न बना रही है। इसके कारण महत्वाकांक्षा भी तेजी के साथ बढ़ रही है। यही आगे चलकर विध्वंस का कारण बनती है। तकनीकी की सफलता कहीं हमें पागलपन की ओर ना पहुंचा दे, इसके लिए सजग रहने की जरूरत है।

पंजाबी अखबारों की राय : पंजाब में तेजी से बिगड़ रही कानून-व्यवस्था

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पंजाब में तेजी से बिगड़ती कानून-व्यवस्था, महाराष्ट्र में उद्धव और राज ठाकरे का गठबंधन और बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण और उस पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है। सूबे की कानून व्यवस्था पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून अपने संपादकीय पंजाब में बढ़ता अपराध में लिखता है- अबोहर के व्यापारी संजय वर्मा की दिनदहाड़े हत्या और मोगा के एक क्लीनिक में अभिनेत्री तानिया के पिता की गोली मारकर हत्या ने एक तरह से यह उजागर कर दिया है कि किस तरह संगठित अपराध राज्य में आपराधिक गतिविधियों को आसानी से अंजाम दे रहा है। अखबार लिखता है शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी, नशे की लत व जल्दी पैसे कमाने का लालच कई पंजाबी युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहा है। सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार और गैंगस्टरों का महिमामंडन आग में घी डालने का काम कर रहा है। पंजाब में आपराधिक-आतंकवादी गठजोड़ अब स्थानीय नहीं रहा; यह अंतर्राष्ट्रीय, तकनीकी रूप से सक्षम और वैचारिक रूप से अस्थिर हो गया है। यह संकट जितना लंबा चलेगा, पंजाब के भविष्य को पटरी पर लाना उतना ही मुश्किल होता जाएगा। जालंधर से प्रकाशित पंजाबी जागरण लिखता है- पंजाब पिछले कुछ समय से आपराधिक गतिविधियों में बढ़ोतरी के कारण सुर्खियों में है। अबोहर में हुई एक घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी है। लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े एक समूह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के ज़रिए इस घटना की जिम्मेदारी ली है। ऐसा नहीं है कि राज्य में इस तरह की यह पहली घटना है। यह घटना आम बात है। अबोहर की घटना ने पंजाब में जबरन वसूली के बढ़ते मामलों पर भी प्रकाश डाला है। जालंधर से प्रकाशित अजीत लिखता है— आजकल पूरे राज्य में लूटपाट का बोलबाला है। अबोहर की घटना के बाद सरकार एक बार फिर विपक्षी दलों के निशाने पर आ गई है। विपक्ष खासकर कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से विधानसभा में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर विशेष बहस की मांग की है। जालंधर से प्रकाशित रोजाना पंजाब टाइम्स लिखता है— वर्ष 2023-24 की रिपोर्टों के अनुसार, पंजाब मंप जबरन वसूली और धमकियों से जुड़े मामलों में वृद्धि देखी गई है। पंजाब पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जून 2022 से फरवरी 2023 तक जबरन वसूली और धमकी के 278 मामले दर्ज किए गए, जो मार्च 2023 से दिसंबर 2023 तक बढ़कर 307 हो गए। यह वृद्धि समाज और पुलिस प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। अखबार लिखता है, सिद्धू मूसेवाला की हत्या ने संगठित अपराध की गंभीरता को उजागर किया, लेकिन इसके ख़िलाफ़ कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई। जबरन वसूली की घटनाओं ने पंजाब के व्यापारियों और छोटे उद्योगपतियों में भय का माहौल पैदा कर दिया है। कई व्यापारी और कलाकार धमकियों के कारण अपना व्यवसाय या पेशा छोड़ने की सोच रहे हैं। इसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। चंडीगढ़ से प्रकाशित रोजाना स्पोक्समैन लिखता है, इस साल अब तक चंडीगढ़ में हत्या के 15 मामले दर्ज किए गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि तेजी से हो रहे शहरीकरण, अन्य कारकों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश और बिहार से पंजाब और चंडीगढ़ की ओर युवा पीढ़ी के बढ़ते पलायन के कारण भी गंभीर और घातक अपराधों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। जिन व्यवसायों में स्थानीय लोगों की विशेषज्ञता है, उनमें बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने जैसी मांगें राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उठने लगी हैं। पंजाब और चंडीगढ़ को भी अब इस दिशा में कुछ सार्थक कदम उठाने की ज़रूरत है। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण और इस बाबत सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्देशों पर चंडीगढ़ से प्रकाशित पंजाबी ट्रिब्यून लिखता है- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को जारी रखने की अनुमति दे दी है, लेकिन साथ ही उसने चुनाव आयोग से एक बहुत ही प्रासंगिक प्रश्न पूछा हैः अभी क्यों?

अधिकारों और गरिमा से लैस श्रमशक्ति का निर्माणः ईएलआई योजना की भूमिका

हिरण्मय पंड्या

भारत सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकृत की गई बहुप्रतीक्षित रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना देश की श्रमशक्ति के लिए एक स्वागत योग्य राहत है। एक मजदूर संगठन (ट्रेड यूनियन) के तौर पर, हम इसे एक ऐसे दीर्घकालिक मांग के रूप में देखते हैं जोकि आखिरकार साकार हो रही है। यह एक ऐसी सक्रिय नीति है जो रोजगार सृजन, कौशल विकास और औपचारिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। हम इस अनूठी पहल की शुरुआत करने के लिए सरकार की सराहना करते हैं। इससे 3.5 करोड़ से अधिक श्रमिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इन श्रमिकों में 1.9 करोड़ से अधिक पहली बार काम करने वाले श्रमिक भी शामिल हैं। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) इस योजना को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में श्रमिकों को प्राथमिकता देने की सरकार के इरादे की पुष्टि के रूप में देखता है।

ईएलआई योजना एक ऐसे व्यापक रोजगार सहायता ढांचे का हिस्सा है, जो पिछले वर्ष शुरू की गई सरकार की इंटर्नशिप एवं कौशल विकास योजनाओं जैसी मौजूदा पहलों का पूरक है। कुल मिलाकर इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विशेष रूप से नौकरी की सुलभता और सामाजिक सुरक्षा कवरेज के मामले में ऐतिहासिक रूप से पिछड़े श्रेणी 2 और श्रेणी 3 वाले शहरों के युवाओं के लिए रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना, औपचारिक रोजगार की राह तैयार करना तथा श्रम सुरक्षा को मजबूत करना है।

कर्मचारियों के खातों में सीधे योगदान देकर, यह योजना नियोक्ताओं के लिए औपचारिकीकरण की लागत को कम करती है और युवाओं व पहली बार काम करने वाले कर्मियों को औपचारिक श्रमशक्ति का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित करती है। इससे पेंशन, स्वास्थ्य सेवा और अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा लाभों की सुलभता सुनिश्चित होती है। इसके अलावा, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को अतिरिक्त सहायता प्रदान करके, यह योजना रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सभी इलाकों और समुदायों में समान आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का वादा भी करती है। यह योजना न केवल श्रमिकों के लिए एक नया अवसर पेश करती है, बल्कि सम्मानजनक, स्थिर और समावेशी रोजगार की दिशा में एक सार्थक बदलाव को भी दर्शाती है।

श्रमशक्ति में प्रवेश और औद्योगिक संबंधों को ठोस बनाना

ईएलआई योजना का सबसे सराहनीय पहलू यह है कि यह औपचारिक रोजगार और वित्तीय साक्षरता से जुड़े 15,000 रुपये तक के प्रत्यक्ष प्रोत्साहन के जरिए नौकरियों में प्रवेश करने वाले नए लोगों को सशक्त बनाने पर केन्द्रित है। कई लोगों के लिए, यह अनौपचारिक से हटकर अधिकार-आधारित व गरिमापूर्ण रोजगार की दिशा में बढ़ते हुए अनुबंधों, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर सुरक्षा से लैस कामकाज के व्यवस्थित माहौल से उनका पहला परिचय है। बीएमएस लंबे समय से श्रमिकों के सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले ऐसे बदलावों की हिमायत करता रहा है।

औपचारिकीकरण केवल वेतन-भुगतान से संबंधित अनुपालनों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नियोक्ता-कर्मचारी के बीच के संबंधों की प्रकृति को भी मौलिक रूप से बदल देता है। सुरक्षा और सम्मान पाने वाले कर्मचारी अधिक योगदान देते हैं, लंबे समय तक टिके रहते हैं और भरोसे का निर्माण करते हैं। यह कर्मचारियों के लिए पेंशन, चिकित्सा संबंधी लाभ, भविष्य निधि से जुड़ी बचत और जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता की सुलभता सुनिश्चित करता है। यह योजना ट्रेड यूनियन के साथ सार्थक जुड़ाव, संस्थागत शिकायत निवारण और कार्यस्थल से जुड़े विवादों में कमी लाने की गुंजाइश बनाती है। इस दृष्टि से, ईएलआई योजना का आशय केवल रोजगार सृजन से ही नहींहै, बल्कि पारस्परिक सम्मान एवं साझा विकास पर आधारित एक अपेक्षाकृत अधिक न्यायसंगत एवं सहभागी कामकाज की दुनिया को आकार देने से भी है।

कौशल निर्माण, गतिशीलता और सतत रोजगार

ईएलआई योजना की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यह भारत के कौशल एवं रोज़गार के व्यापक ढांचे के अनुरूप ढली हुई है। इससे ऐसा रोजगार सुनिश्चित होता है जो टिकाऊ और सशक्त दोनों हो। वित्तीय साक्षरता, अप्रेन्टिसशिप कार्यक्रमों, आईटीआई सुधारों और भर्ती से जुड़े कौशल (प्लेसमेंट लिंक्ड स्किलिंग) को जोड़कर, यह योजना कौशल हासिल करने से लेकर गरिमापूर्ण काम पाने तक का एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त करती है। इसका ध्यान केवल नौकरी में प्रवेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने और करियर में प्रगति पर भी केन्द्रित है। इससे युवा श्रमिकों को औपचारिक श्रम बाजारों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है। खासकर, महामारी के बाद की अनिश्चितताओं और तेजी से बदलते तकनीकी बदलावों की पृष्ठभूमि में। इससे दीर्घकालिक रोज़गार और विकास सुनिश्चित होता है।

राष्ट्रीय प्रगति की साझा जिम्मेदारी

ईएलआई योजना सही साधन प्रदान करती है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि यूनियन, राज्य और अन्य संगठनों जैसे सभी हितधारक इसके साथ किस प्रकार जुड़ते हैं। यह योजना ट्रेड यूनियनों को नए औपचारिक श्रमिकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों और अपने कार्यस्थलों को आकार देने में सार्थक रूप से भाग ले सकें। रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यस्थल पर मजबूत लोकतंत्र, बेहतर श्रम-प्रबंधन संवाद और समस्याओं के समाधान में सहयोगात्मक रवैये को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

भविष्य में, ईएलआई योजना भारत के विकास से जुड़े दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हम विकसित भारत@2047 के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य विकास या औद्योगिक विस्तार से परे जाकर एक कुशल, संरक्षित, प्रेरित तथा अर्थव्यवस्था में औपचारिक रूप से समन्वित श्रमशक्ति का निर्माण करना होना चाहिए।

ईएलआई योजना इसी दृष्टिकोण के अनुरूप है और यह एक ऐसे भविष्य की नींव रखती है जहां युवा सशक्त और औद्योगिक संबंध सहयोगात्मक हों। बीएमएस इस दूरदर्शी कदम की सराहना करता है और श्रमिकों एवं राष्ट्र की बेहतरी के लिए इसके प्रति अपना रचनात्मक समर्थन व्यक्त करता है।

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

प्रहलाद सबनानी

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराईल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजर अन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुक्सान इन्हीं देशों को अधिक होने जा रहा है है क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाने वाले हैं। भारत तो वैसे भी पिछले लम्बे समय से आत्मनिर्भर होने का लगातार प्रयास कर रहा है एवं कई क्षेत्रों में भारत आज आत्मनिर्भर बन भी गया है। अतः भारत की निर्भरता अन्य देशों पर अब कम ही होती जा रही है। भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता है। भारत को हाल ही में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का भी पता लगा है। एक अनुमान के अनुसार, यह भंडार इतने विशाल हैं कि आगामी 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति होती रहेगी। इसी प्रकार, भारत में कर्नाटक स्थित कोलार स्वर्ण खदानों में भी एक बार पुनः खुदाई का कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। आरम्भिक अनुमान के अनुसार, प्रतिवर्ष लगभग 750 किलोग्राम स्वर्ण की आपूर्ति भारत को इन खदानों से हो सकती है। पूरे विश्व में आज केवल भारत ही युवा देश की श्रेणी में गिना जा रहा है क्योंकि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयुवर्ग में हैं तथा लगभग 40 प्रतिशत आबादी 15 से 35 वर्ष के आयुवर्ग में शामिल हैं। अतः एक तरह से भारत आज विश्व के लिए श्रम का आपूर्ति केंद्र बन गया है। लम्बे समय से रूस एवं यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बाद जब इन देशों में आधारभूत सुविधाओं को पुनर्विकसित करने का कार्य प्रारम्भ होगा तो इन्हें भारतीय श्रमिकों एवं इंजीनियरों की आवश्यकता पड़ने जा रही है, एक अनुमान के अनुसार अकेले रूस द्वारा में लगभग 10 लाख भारतीयों की मांग की जा सकती है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हम्मास तथा ईरान के बीच युद्ध की समाप्ति के पश्चात इन देशों में भी बुनियादी ढांचे को पुनः मजबूत करने का कार्य जब प्रारम्भ होगा तो इन देशों को भी भारतीय नागरिकों की आवश्यकता पड़ेगी। इजराईल, जापान सिंगापुर एवं ताईवान आदि देशों द्वारा तो पूर्व में भी भारतीय इंजिनीयरों की मांग की जाती रही है। अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देशों में तो डॉक्टर एवं इंजीनियरों की भारी मांग पूर्व से ही बनी हुई है। अतः आज भारत पूरे विश्व में डॉक्टर, इंजीनियर तथा श्रमिक उपलब्ध कराने के मामले बहुत आगे है। अतः भारत की इस ताकत की अनदेखी आज कोई भी देश नहीं कर सकता है।

हिन्दू राष्ट्रवादियों की आंख में खटक रहे हैं संविधान की उद्देशिका में धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद

राम पुनियानी

आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले आरएसएस के दूसरे सबसे बड़े नेता हैं। हाल में उन्होंने 1975 में देश में आपातकाल लागू किए जाने के संदर्भ में कहा कि धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद ये दोनों शब्द आपातकाल के दौरान भारतीय संविधान की उद्देशिका में जोड़े गए थे। चूंकि ये शब्द डॉ. अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान के मूल मसविदे की उद्देशिका का हिस्सा नहीं थे इसलिए इन्हें हटाया जाना चाहिए। हिन्दुत्ववादियों की ओर से इस तरह की मांग पहली बार नहीं हो रही है। सन 2014 में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद के पहले गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2015) के अवसर पर सरकार ने एक विज्ञापन जारी किया, जिसमें छपे उद्देशिका के चित्र से ये दोनों शब्द गायब थे। बहाना यह बनाया गया कि नवंबर 1949 को जारी संविधान के अंतिम मसविदे में ये शब्द नहीं थे। इस मुद्दे पर खूब बहस-मुबाहिसे हुए और अदालतों में याचिकाएं दायर कर यह मांग की गई कि संविधान से इन शब्दों को हटाया जाए। संविधान को अंगीकृत किए जाने की 75वीं वर्षगांठ (25 नवंबर, 2014) के पहले इसी मांग को लेकर कई याचिकाएं दायर की गईं। उच्चतम न्यायालय ने इन सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अदालत का कहना था कि इन दोनों शब्दों को जोड़ने पर केवल इस आधार पर आपत्ति नहीं की जा सकती कि जिस समय संविधान को अंगीकृत किया गया था उस समय उद्देशिका में ये दोनों शब्द शामिल नहीं थे। इन दोनों मूल्यों ही नहीं हिन्दू राष्ट्रवादी तो पूरे संविधान के खिलाफ हैं। संविधान सभा में बहसों के दौरान कई नेताओं ने यह आशंका जाहिर की थी कि धर्मनिरपेक्षता को कमजोर किए जाने के प्रयासों के खिलाफ सावधान रहने की जरूरत है। एक उदाहरण सरदार पटेल का है। उन्होंने कहा था, ''मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि भारत के इस संविधान, स्वतंत्र भारत के इस संविधान, एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के इस संविधान, में साम्प्रदायिक आधार पर कोई प्रावधान शामिल कर इसे विरूपित नहीं किया जाएगा।'' जहां तक संविधान का प्रश्न है, होसबोले के तर्क में कोई खास दम नहीं है क्योंकि संविधान के प्रावधानों में ये दोनों मूल्य शामिल हैं। अनुच्छेद 25 अंतर्रात्मा और आस्था की स्वतंत्रता की गारंटी और अपने धर्म का पालन और प्रचार करने की आजादी देता है। इस अनुच्छेद के खंड (2) (क) में ''धर्मनिरपेक्ष शब्द का प्रयोग किया गया है। चुनावी मजबूरियों के चलते भाजपा एक साथ कई अलग-अलग स्वरों में बात करती रही है।

उसने शुरूआत गांधीवादी समाजवाद से की थी। 1985 में उसने गांधीवादी समाजवाद को छोड़कर जातिगत ऊँच-नीच पर आधारित एकात्म मानववाद का वरण कर लिया। भाजपा द्वारा सन 2012 में अपने जिस संविधान का निर्माण किया गया, उसमें कहा गया है कि, ''पार्टी विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान तथा समाजवाद, पंथ-निरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांतों के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखेगी तथा भारत की प्रभुसत्ता, एकता और अखण्डता को कायम रखेगी।'' आरएसएस-भाजपा का मूल एजेण्डा हिन्दू राष्ट्र का निर्माण है जो मनुस्मृति द्वारा शासित होगा। 26 जनवरी 1950 को भारत के संविधान के लागू होने के पहले ही आरएसएस के मुखपत्र आर्गनाईजर ने अपने एक संपादकीय में संविधान की कड़ी निंदा की। 30 नवंबर 1949 को आर्गनाईजर ने लिखा, ''भारत के नए संविधान के बारे में सबसे खास बात यह है कि इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जिसे भारतीय कहा जाए। इसमें न भारतीय कानून हैं, न भारतीय संस्थाएं हैं, न शब्दावली और पदावली हैं।'' मतलब यह कि भारत के संविधान निर्माताओं ने मनुस्मृति को नजरअंदाज किया है। इसी तरह हिन्दू राष्ट्रवाद के प्रमुख चिंतक वी.डी. सावरकर ने लिखा, "मनुस्मृति वह शास्त्र है जो हमारे हिंदू राष्ट्र के लिए वेदों के बाद सबसे अधिक पूजनीय है और जो प्राचीन काल से ही हमारी संस्कृति-रीति-रिवाजों, विचारों और व्यवहार का आधार बन गया है। सदियों से इस पुस्तक ने हमारे राष्ट्र की आध्यात्मिक और दैवीय यात्रा के लिए संहिताबद्ध किया है। आज भी करोड़ों हिंदू अपने जीवन और व्यवहार में जिन नियमों का पालन करते हैं, वे मनुस्मृति पर आधारित हैं। आज मनुस्मृति हिंदू क़ानून है। यही मूल है।" ख्वी.डी. सावरकर. ''विमेन इन मनुस्मृति'' सावरकर समग्र (सावरकर के लेखन का हिन्दी में संकलन) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, खंड-4, पृष्ठ 415, सन 1990 के दशक में तीन प्रमुख वक्तव्यों और कार्यवाहियों से आरएसएस की हिन्दू राष्ट्र के लक्ष्य के प्रति गहरी और पूर्ण प्रतिबद्धता जाहिर हुई। सन 1993 में तत्कालीन सरसंघचालक रज्जू भैया ने कहा कि ''आधिकारिक दस्तावेज मिली-जुली संस्कृति की बात करते हैं। मगर हमारी संस्कृति निश्चित तौर पर मिली-जुली नहीं है...इस देश में एक अनूठी सांस्कृतिक एकता है। अगर किसी देश को अपना अस्तित्व बनाए रखना है तो उसमें कई भाग नहीं हो सकते। इससे पता चलता है कि संविधान में बदलाव की जरूरत है। भविष्य में हमें ऐसा संविधान अपनाना चाहिए जो भारत के आचार-विचारों और उसके गुणों से मेल खाता हो।'' सन 1998 में भाजपा एनडीए के रूप में सत्ता में आई। उसने सबसे पहले जो काम किए उनमें शामिल था संविधान की समीक्षा के लिए वेंकटचलैया आयोग की नियुक्ति। सरकार की ओर से कहा गया कि संविधान पुराना हो चला है और उसमें सुधारों की जरूरत है। आयोग ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की मगर उसका इतना जबरदस्त विरोध हुआ कि उसकी सिफारिशों को लागू करने का विचार त्याग दिया गया। इस सबके बावजूद सन 2000 में जब के. सुदर्शन आरएसएस के सरसंघचालक बने तो उन्होंने फिर कहा कि भरतीय संविधान पश्चिमी मूल्यों पर आधारित है और उसे हटाकर उसकी जगह हिन्दू पवित्र ग्रंथों (अर्थात मनुस्मृति) पर आधारित संविधान लागू किया जाना चाहिए। कई भाजपा नेता भी यही बात समय-समय पर कहते रहते हैं। कर्नाटक के अनंत कुमार हेगड़े ने कहा था कि उनकी पार्टी संविधान को बदलने के लिए ही सत्ता में आई है। सन 2024 के आम चुनाव के पहले ''अबकी बार 400 पार'' के नारे के संदर्भ में कई भाजपा नेताओं ने कहा था कि पार्टी को लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटों की जरूरत इसलिए है ताकि वो संविधान को बदलने के अपने इरादे को अमलीजामा पहना सके।

ऋषभ की तुलना गिलक्रिस्ट से किया जाना सही नहीं : अश्विन

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की तुलना ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट से नहीं की जा सकती है। अश्विन ने कहा कि ये दोनो ही अलग-अलग तरह के खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि ऋषभ को अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। उन्होंने कहा कि हालातों के अनुसार खेलने के कारण ये विकेटकीपर बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विजेताओं में से एक के रूप में उभरा है। वह तब अच्छा प्रदर्शन करते हैं जब सबसे टीम को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में शतक बनाने की उनकी क्षमता ने टीम को कई बार कठिन हालातों से उबरने और मैच को पलटने में कई बार मदद की है। इसके अलावा अश्विन ने ये भी कहा है कि इस क्रिकेटर की तुलना एडम गिलक्रिस्ट से नहीं होनी चाहिए।

ऋषभ ने लीड्स के हेडिंग्ले में दोनों पारियों में शतक लगाये और वह एंडी फ्लावर के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे विकेटकीपर बने थे। लीड्स में इतिहास रचने के बाद उन्होंने बर्मिंघम में दूसरी पारी में 58 गेंदों पर 65 रनों की तेज पारी खेली, जिससे भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचने में मदद मिली। वह सेना देशों (ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका) में 2000 रन बनाने वाले पहले एशिया विकेटकीपर हैंने। अश्विन ने कहा है कि इस क्रिकेटर को टीम को और भी ज्यादा देने के लिए टीम की जरूरतों के हिसाब से खेलना चाहिए।

अश्विन ने कहा, मैं ऋषभ को अपनी क्षमता हासिल करते देखना चाहता हूं। हम चाहते हैं कि वह हमारा मनोरंजन करे। वह ऐसा कर सकता है और जरूरत पड़ने पर संयम भी दिखा सकता है। वह अब कोई नया खिलाड़ी नहीं है। मैं उसे उसके मानकों पर खरा उतरना चाहता हूं। उसकी तुलना अक्सर तेज गति से बल्लेबाजी करने के लिए एडम गिलक्रिस्ट से होती है। हालांकि, अश्विन का कहना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। वह एडम गिलक्रिस्ट जैसा नहीं है, कई लोग उसकी तुलना गिलक्रिस्ट से करते हैं। उसका डिफेंस इतना अच्छा नहीं था। ऋषभ का डिफेंस बेहतरीन है। उसकी तुलना गिलक्रिस्ट से नहीं, बल्कि कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों से की जानी चाहिए।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, चौथ, सोमवासरे, घनिष्ठा नक्षत्रे, आद्र योगे, वव करणे, कुंभ की चंद्रमा श्री गणेश चौथ व्रत चंद्रोदय 9.29 रात्रि सोमवार व्रत रिक्ता दोष तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम तथा फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, लकड़ी का व्यापारी, आरा मशीन वाला, दरवाजा, खिड़की, चौखट निर्माणकर्ता तथा जंगल का ठेकेदार तथा धनी होगा।

मेष राशि :- नेत्र पीड़ा, यात्रा विवाद, कष्ट, पारिवारिक समस्या बनी रहेगी, समय का ध्यान रखें।

वृष राशि :- मित्र कष्ट, यात्रा के योग बनेंगे, भय, लाभ, सामाजिक कार्य में सावधानी रखें, अवरोध होगा।

मिथुन राशि :- धन का व्यय होगा, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य संतोषप्रद रहेगा, कार्य ध्यान से करें।

कर्क राशि :- यात्रा सखुवर्धक होगी, भूमि लाभ से हर्ष, अस्थिरता व अशांति का वातावरण रहेगा।

सिंह राशि :- शत्रु भय, प्रवास, विरोध होगा, चोटादि से बचें, कार्य पर ध्यान दें, समय का ध्यान अवश्य रखें।

कन्या राशि :- चिन्ता, विरोध, चोटादि भय, समय पर कार्य निपटाने का प्रयास करें, धैर्य रखें।

तुला राशि :- सुख-सफलता के योग बनेंगे, निर्माण कार्य होगा, प्रवास योग, शुभ कार्यों का विरोध होगा।

वृश्चिक राशि :- आंशिक नेत्र पीड़ा, अपयश, कारोबार में उथल-पुथल रहेगी, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

धनु राशि :- व्यापार में विवाद की स्थिति बनेगी, चिन्ता कष्टप्रद रहेगी, शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि :- धन लाभ, स्थानंतरण के योग हैं, नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, समय का लाभ लें।

कुंभ राशि :- भय, विवाद, चिन्ता, कष्ट, आंशिक लाभ के योग, जमीन-जायजाद का कर्ज चुकाना होगा।

मीन राशि :- संतान सुख, प्रवास, धन लाभ, इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, पारिवारिक लोगों से सावधान रहें।

गांगुली लाये भारतीय क्रिकेट में बदलाव

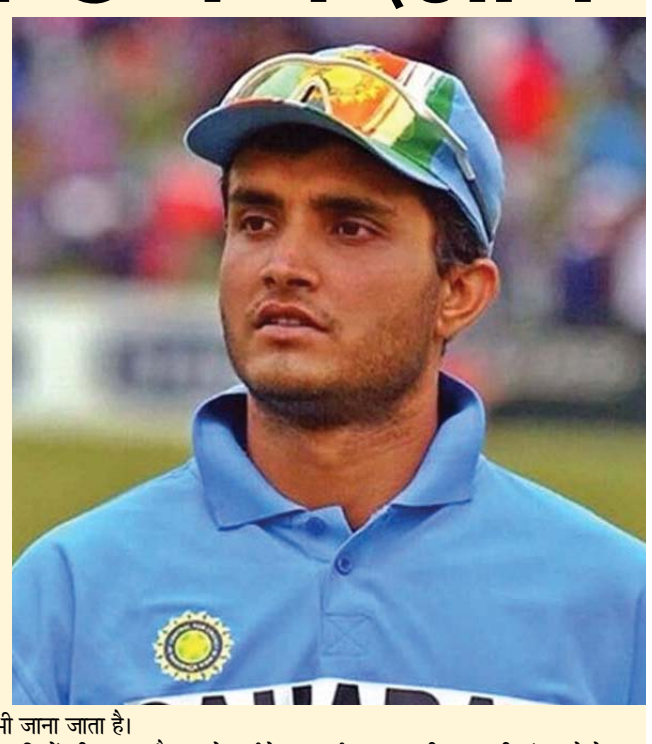

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ऐसे कप्तान रहे हैं जिन्होंने भारतीय क्रिकेट को बदलकर रख दिया। गांगुली ने ही टीम को आक्रामक बनाकर लड़ना सिखाया। इसी का परिणाम है कि अब टीम विदेशी धरती पर भी किसी भी प्रकार के हालात में निडर होकर खेलती है। गांगुली को जब साल 2000 में भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। तब टीम फिक्सिंग के आरोपों से जूझ रही थी। 83 की विश्व विजेता होने के बावजूद कमजोर टीमों में गिनी जाती थी। विदेशों में जीत तो भारतीय टीम के लिए सपना हुआ करती थी। तभी गांगुली कप्तानी संभालते हैं और अपनी नेतृत्व क्षमता से भारतीय क्रिकेट का चेहरा ही बदल देते हैं। गांगुली को बंगाल टाइगर, दादा, प्रिंस ऑफ कोलकाता जैसे नामों से भी जाना जाता है।

गांगुली की सबसे बड़ी खूबी खिलाड़ियों की परख और उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना थी। कप्तानी संभालने के बाद गांगुली ने उन खिलाड़ियों को अवसर दिया जिन्होंने आगे चलकर भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर पहुंचाया। इनमें स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह, जहीर खान, आशीष नेहरा, गौतम गंभीर, महेन्द्र सिंह धोनी और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम हैं। इन सभी को अवसर देने में गांगुली की अहम भूमिका थी।

गांगुली की कप्तानी में भारत ने निडर होक क्रिकेट खेलना शुरू किया। इस वजह से टीम को टेस्ट और एकदिवसीय दोनों ही प्रारुपों में बड़ी सफलता मिली गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेश में जीतना सीखा। नेटवेस्ट ट्रॉफी 2002 के फाइनल में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराया. भारत ने टेस्ट में विदेश में अपना प्रभाव जमाना और जीतना गांगुली के दौर में ही सीखा. गांगुली 2005 तक कप्तान रहे. पांच साल के अपने कार्यकाल में फिक्सिंग के आरोपों का सामना करने वाली टीम को उन्होंने दुनिया की मजबूत क्रिकेट टीम बना दिया। गांगुली ने धोनी को दिनेश कार्तिक पर प्राथमिकता दी थी। इसके बाद धोनी न सिर्फ भारत के सर्वश्रेष्ठ और सफलतम कप्तान बने। इसके बाद गांगुली जब बीसीसीआई अध्यक्ष थे, तब विराट की जगह रोहित शर्मा को कप्तान बनाने का फैसला उन्होंने ही लिया था।

आईसीसी से 60 ओवरों के बाद गेंद बदलने की मांग उठी

इंग्लैंड की गेंद बनाने वाली कंपनी ड्यूक्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मांग की है कि टेस्ट क्रिकेट में 60 ओवर के बाद ही नई गेंद मिलनी चाहिये। अभी 80 ओवरों के बाद ही गेंद बदली जाती है। ड्यूक्स गेंद हाल ही में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में आयोजित दो अलग-अलग टेस्ट सीरीज में शिकायत के बाद जांच के दायरे में आई है, जिसके बाद इस गेंद कंपनी ने सुझाव दिया है कि आईसीसी को वर्तमान 80 ओवर के स्थान पर 60 ओवर के बाद दूसरी नई गेंद लाने पर विचार करना चाहिए। भारत और इंग्लैंड की बीच जारी टेस्ट सीरीज में काफी एक्शन और बड़े स्कोर वाले मुकाबले देखने को मिले हैं। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी दूसरे टेस्ट में मिली जीत के बाद इस गेंद पर सवाल उठाये थे। शुभमन ने कहा था कि पिच से भी ज्यादा, गेंद नरम हो रही है और बहुत जल्दी खराब हो रही है जिससे खेलना कठिन हो रहा है। अगर आपको पता है कि किसी भी तरह की मदद के लिए सिर्फ 20 ओवर बचे हैं और फिर आपको बाकी दिन रक्षात्मक होकर बिताना है, सिर्फ यह सोचना है कि रन कैसे रोकें, तो खेल अपना महत्व खो देता है।

इस को लेकर ड्यूक्स कंपनी का कहना है कि गेंद की आलोचना करना चलन में आ गया है। कंपनी का कहना है कि जब भी गेंदबाजों को परेशानी आती है और विकेट नहीं मिलते तो वह गेंद को दोष देने लगते हैं। कप्तानों ने यह आदत बना ली है। कई बार गेंदबाज अंपायरों पर दबाव बनाने गेंद की शिकायत करते हैं। 1980 से ये नियम है कि 80 ओवर के बाद आपको नई गेंद फील्डिंग टीम के कप्तान के कहने पर मिल जाएगी।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में लगातार गेंद बदलने की मांग होती रही है। इसी कारण ऋषभ पंत को आईसीसी ने फटकार लगायी थी। लीड्स में अंपायरों द्वारा गेंद बदलने के लिए टीम के अनुरोध को ठुकरा दिये जाने के बाद उन्होंने गुस्से में गेंद को पटक दिया था। यहां तक कि मैच के आखिर दिन, भारत की ओर से गेंद बदलने का पहला अनुरोध 14वें ओवर में आया, जिसके बाद कई बार ऐसी अपील की गई। आखिरकार 28वें ओवर में अंपायरों ने नरम रुख अपनाया और गेंद बदली गई। इतना ही नहीं, गेंद बदलने के लिए इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में अंपायरों से अनुरोध किया। इंग्लैंड ने 16वें ओवर से ही गेंद की स्थिति के बारे में अंपायरों से शिकायत करनी शुरू कर दी थी। चार असफल अनुरोधों के बाद 56वें ओवर में गेंद को बदला गया, जिसमें अधिकारियों ने उस गेंद को खेलने के लिए अनुपयुक्त करार दिया, जिसकी कोई निश्चित परिभाषा नहीं है।

उधर, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने गेंद को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने कहा था कि कभी भी 70 ओवर पुरानी इतनी नरम गेंद से उन्होंने गेंदबाजी नहीं की है। इंग्लैंड, आयरलैंड और वेस्टइंडीज में टेस्ट मैच ड्यूक्स से खेले जाते हैं। ये गेंद तेज गेंदबाजों के लिए फायदेमंद रही है। कंपनी का कहना है कि मैच सपाट पिचों पर मैच खेले गए हैं। इसी कारण गेंद खराब हुई है।

बल्लेबाज और खिलाड़ी जितने शक्तिशाली हैं, वे गेंद को इतनी जोर से मार रहे हैं कि वह इतनी तेजी से स्टैंड्स से टकराती है कि कभी-कभी इसका आकार बिगड़ जाता है। ऐसे मामलों में, अंपायर के पास आकार की जांच करने के लिए आईसीसी द्वारा दिया गया एक गेज होता है।

ड्यूक्स गेंद को गेंदबाजों के अनुकूल माना जाता है और अब जब एक पारी में पांच या छह शतक बन रहे हैं, तब भी हर कोई गेंद को दोष दे रहा है।

खेल नीति में बदलाव से भारतीय फुटबॉल को मिलेंगी नई प्रतिभाएं

खेल नीति में बदलाव से भारतीय फुटबॉल को मिलेंगी नई प्रतिभाएं : एआईएफएफ प्रमुख भारतीय फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे ने विदेशों मे रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों को देश की ओर से खेलने की अनुमति दिये जाने को एक सही कदम बताया है। चौबे ने कहा कि इससे भारतीय फुटबॉल टीम को लाभ होगा और उसे अच्छी प्रतिभाएं मिलेंगी। उन्होंने इसकी राह में आने वाली बाधाओं को भी दूर किये जाने की जरुरत बतायी है। गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय खेल नीति को एक जुलाई को कैबिनेट की मंजूरी मिल गयी थी। इसके अब विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के खिलाड़ियों के पास देश से खेलने का अवसर हैं। वहीं अब तक केवल भारतीय पासपोर्ट रखने वाले खिलाड़ी ही देश का प्रतिनिधित्व कर सकते थे। चौबे ने कहा, ''जब राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन की बात आती है तो खेल नीति में प्रवासी प्रतिभाओं तक अब हमारी पहुंच बनेगी। मुझे खुशी है कि नीति में इसका संदर्भ शामिल है।'' उन्होंने कहा, ''यह सकारात्मक बयान है। एआईएफएफ फीफा और सरकार के साथ मिलकर राष्ट्रीय टीम को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करना जारी रखेगा।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को टीम से जोड़ने की मांग उठी है। साथ ही कहा कि मलेशिया, हांगकांग, सहित कई देशों ने अपनी टीमों में दोहरी नागरिकता वाले खिलाड़ियों को शामिल किया है।'' वहीं साल 2008 में प्रवासियों को देश का प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया गया था जिससे देश के मिलने वाली कई प्रतिभाएं उससे जुड़ नहीं पायीं। खेलो भारत नीति में कहा गया है कि खेल भारतीय प्रवासियों और देश के बीच संबंध बेहतर बनाने का जरिया बन सकता है।

एशियाई चैंपियनशिप पर रहेंगी मनु की नजरें

ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर का लक्ष्य अब कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में जीत दर्ज करना रहेगा। 16 से 30 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट में केवल मनु ही दो व्यक्तिगत स्पर्धा में भाग लेंगी। वहीं निशाने बाजी महासंघ ने सात से 15 सितंबर तक चीन के निंगबो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए सीनियर टीम की घोषणा भी कर दी है। इस प्रमुख एशियाई प्रतियोगिता के लिए सीनियर टीम में 35 निशानेबाज हैं जो तीन मिश्रित टीम सहित 15 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। मनु इसमें महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा करेंगी। ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन और ओलंपियन राही सरनोबत भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं सीनियर टीम में वापसी करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में पुरुष एयर राइफल के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और ओलंपियन अंजुम मौदगिल, ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी और केनान चेनाई भी शामिल हैं। ईशा सिंह, मेहुली घोष और किरण अंकुश जाधव दोनों सीनियर टीम में हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ द्वारा घोषित अन्य टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाले आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप और जूनियर एशियाई चैंपियनशिप के लिए हैं। जो सीनियर प्रतियोगिता के साथ ही होगी!

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां भारत में 'फुटवियर' क्षेत्र में करेंगी निवेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का गैर-चमड़ा फुटवियर उद्योग विदेशी निवेश के एक नए अवसर की ओर बढ़ रहा है। ताइवान और वियतनाम की प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश को इच्छुक हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के एक अधिकारी ने बताया कि इन देशों की कंपनियां भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से नीति और लॉजिस्टिक सहयोग जरूरी होगा। इन कंपनियों को चीन से सोल, सांचे, मशीनरी और कपड़े जैसे उत्पाद आयात करने पड़ते हैं। ऐसे में भारत सरकार को इनके आयात को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। अधिकारी ने बताया कि भारत का फुटवियर निर्यात 2024-25 में 5.75 अरब डॉलर रहा और 2025-26 तक इसे 7 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 20 फीसदी भारतीय निर्यात जाता है, इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी आते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की वकालत करते हुए कहा कि वर्तमान 18.5 फीसदी शुल्क को कम कर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार से फुटवियर क्षेत्र के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू करने की मांग भी की। ग्रोमोर इंटरनेशनल लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु में पहले ही कुछ ताइवानी कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में किफायती श्रम बल को देखते हुए यहां भी निवेश की भारी संभावना है। विदेशी तकनीक के सहयोग से घरेलू उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

2024-25 में 70 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई। 2021-22 में यह 15.7 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 38.58 अरब डॉलर हो गया यानी 32.46 फीसदी की सालाना वृद्धि दर। यह भारत को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत निर्यातक बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

हुडको ने एमपी सरकार के साथ 1 लाख करोड़ का करार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीयूडीसीएल) के साथ 1 लाख करोड़ का मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) साइन किया है। इस करार के तहत हुडको अगले पांच वर्षों में राज्य में हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा कंपनी कंसल्टेंसी और निर्माण कार्य में भी सहयोग करेगी। इस समझौते पर हस्ताक्षर समारोह हाल ही में इंदौर में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और हुडको के सीएमडी संजय कुलश्रेष्ठ मौजूद थे। यह करार शहरी विकास को गति देने और नागरिक सुविधाएं बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। हुडको ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 728 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट इंटरेस्ट इनकम में 26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। एयूएम में 35 फीसदी की वृद्धि और ग्रॉस एनपीए घटकर 1.67 फीसदी हो गया। कंपनी ने 1.05 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। शुक्रवार को बीएसई पर हुडको का शेयर 230.65 पर बंद हुआ, जिसमें 0.28 फीसदी की मामूली गिरावट रही।

ट्रंप ने मेक्सिको और ईयू पर लगाया 30 फीसदी टैरिफ

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से मेक्सिको यूरोपीय यूनियन (ईयू) से आने वाले सभी सामानों पर 30 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह फैसला दोनों पक्षों के बीच कई हफ्तों तक चली व्यापारिक बातचीत के विफल रहने के बाद लिया गया। ट्रंप ने इस जानकारी को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए साझा किया। इससे पहले ट्रंप जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा और ब्राजील जैसे देशों पर भी टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही है।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ, शेयरों में आया 5 फीसदी उछाल

बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई।

इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है। बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपए घटकर 20,22,901.67 करोड़ पर आ गई। इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपए घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ से घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपए पर आ गया। देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रही। इसी तरह एसबीआई की बाजार हैसियत 2,989.75 करोड़ रुपए घटकर 7,21,555.53 करोड़ रह गई।

बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर (ईएमएस)। मॉग के मुकाबले आवके सुस्त रहने से आलौच्य सप्ताह के दौरान अनाज मंडी में मूंग में बाजार तेजी के रहे। चना मजबूती पर रहा। खाद्य तेलों में मामूली लटक रही। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में नारियलों में बाजार मजबूती पर रहे।

किराना :- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार सामान्य देखा गया। श्रावण मास की शुरूआत हो चुकी है। फलिहारी जिंसों और पूजन सामग्री में पूछपरख अच्छी देखी गयी। शक्कर में लेवाली वाली बात नहीं है। बाजार 4100-4125 रू. क्वटिल के आस-पास ही बने रहे। खोपरा गोला में माल की अक्षत से भावों में तेजी कायम रही। समीक्षा सप्ताह के दौरान खोपरा गोला 340-380 रू. प्रति किलो पर मजबूत बने रहे। साबूदाना में खेंरची मॉग मजबूत रही। थोक मॉग बेदम देखी गयी। आलौच्य सप्ताह के दौरान साबूदाना पूर्वस्तर पर बना रहा। कालीमिर्च में बाजार 770-800 रू. प्रति किलो के बीच मजबूत रहे। सौंफ में लेवाली धीमी पड़ने लगी है। अचार मसाला वालों की पूछपरख ठंडी पड़ने से बाजार नरमी के देखे गये। सौंफ में बाजार क्वालिटीनुसार 110-360 रू. प्रति किलो पर कमजोर नजर आयी। नारियलों में पूछपरख अच्छी है। आवकें सकीमत है। जिसके चलते भावों में तेजी कायम रही। अन्य किराना जिंसों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे।

तेल तिलहन :- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। सींगदाना तेलों में गुजरात लाइन पर बिकवाली है। जिसका असर स्थानीय बाजार पर भी देखा गया। समीक्षा अवर्धा में सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1410-1430 रू. प्रति 10 किलो पर देखा गया। सोया व कपास्या तेलों में 5-10 रू. प्रति 10 किलो तक बाजार हल्के पड़े और सोया तेल रिफाइंड माल 1180-1205 रू. प्रति 10 किलो के दायरे में बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 4200-4250 रू. प्रति क्वटिल के बीच बना रहा। सरसो व रायडा पूर्वस्तर पर बना रहा।

दाल दलहन :- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में चने में मिलों की लेवाली कायम रही, चने में अच्छे मालों में 6000-6050 रू. प्रति क्वटिल के बीच मजबूत बने रहे। तुअर निमाड़ी मालों में पछपरख से बाजार 6000-6500 रू. प्रति क्वटिल पर मजबूत बने रहे। मूंग में नये मालों की आमद सामान्य है। दाल निर्माताओं की लेवाली बनी रहने से बाजार 100-200 रू. प्रति क्वटिल की तेजी दर्ज हुई।

आलौच्य सप्ताह के दौरान मूंग में क्वालिटीनुसार बाजार 7400-7600 रू. प्रति क्वटिल पर बना रहा। मसूर में पूछपरख ठंडी रहने से बाजार 50-100 रू. प्रति क्वटिल की नरमी दर्ज हुई और मसूर में बाजार 6000-6050 रू. प्रति क्वटिल पर कमजोर रहे।

एनएलसी इंडिया लिथियम आपूर्ति के लिए रूस की कंपनी संग करेगी साझेदारी

- माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चल रही चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड अफ्रीका के माली देश में स्थित लिथियम खदान में हिस्सेदारी के लिए रूस की एक सरकारी कंपनी के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। यह कदम भारत द्वारा स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए लिथियम जैसे रणनीतिक खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार एनएलसी इंडिया और रूस की कंपनी के बीच माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चर्चा चल रही है। भारत सरकार का उद्देश्य लिथियम के घरेलू उत्पादन के साथ-साथ विदेशी स्रोतों को भी सुरक्षित करना है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के निर्माण में निर्बाध आपूर्ति बनी रहे।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंपनियों का जलवा

मुंबई (ईएमएस)। भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही। वहीं लिस्टेड एफएमसीजी ब्रांड्स की वॉल्यूम ग्रोथ गांवों में 5.1 फीसदी रही, जो कि शहरों के 2.1 फीसदी के मुकाबले कहीं अधिक है।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंपनियों का मार्केट कैप 2.07 लाख करोड़ घटा

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली (ईएमएस)। पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल सबसे अधिक नुकसान में रहीं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये रह गया। जून तिमाही के कमजोर नतीजों के कारण टीसीएस के शेयर में शुक्रवार को करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन भी 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार पूंजीकरण में 44,048.2 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 18,818.86 करोड़ रुपये घटकर 6,62,564.94 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में 11,954.25 करोड़ रुपये की कमी आई, जिससे इसका मूल्य 5,83,322.91 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 15,20,969.01 करोड़ रुपये रह गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये पर पहुंचा। इस गिरावट के बीच, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस ने बढ़त दिखाई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये हो गया, जिसके साथ उसके शेयर में लगभग 5 प्रतिशत की तेजी आई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन भी 5,033.57 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

व्यापार वार्ता, तिमाही नतीजे और मुद्रास्फीति आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अहम रहने वाला है, जिसमें निवेशकों की नजर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और प्रमुख मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाक्रमों के साथ-साथ वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। एक वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते निवेशक सतर्क हैं। जब तक इस वार्ता से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता, बाजार में सकारात्मक रुख बनना मुश्किल है। इसके अलावा कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे भी बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, विप्रो और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट देखी गई, जो निराशाजनक नतीजों की शुरुआत और वैश्विक व्यापार शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण हुई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि 14 जुलाई को जारी होने वाले थोक मूल्य सूचकांक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार के लिए निर्णायक रहेंगे। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रास्फीति और चीन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। उनका कहना है कि तिमाही नतीजों के चलते कुछ शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार वार्ता की अनिश्चितता बाजार पर दबाव बनाए रख सकती है। निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने और प्रमुख घटनाक्रमों पर नजर बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन के दामों में मजबूती, सावन में मांग बढ़ी

कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए

नई दिल्ली (ईएमएस)। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतों में सुधार और सावन के मौसम में बढ़ी मांग के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मजबूती देखने को मिली। हालांकि, सोयाबीन तिलहन की कीमतें कमजोर मांग के चलते गिरावट के साथ बंद हुईं। बाजार सूत्रों के अनुसार सावन के मौसम में पारंपरिक तौर पर खाद्य तेलों की मांग बढ़ती है, जिससे घरेलू बाजार में तेल-तिलहन के दाम सुधरे। खासतौर पर कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। सरकार के पास मौजूद सरसों के स्टॉक को संभलकर बेचना होगा, क्योंकि नई फसल आने में अभी 7-8 महीने का समय बचा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार को स्टॉकिस्टों के बजाय तेल मिलों को सरसों बेचनी चाहिए ताकि वे पेराई के बाद तेल को बाजार में उतारने की गारंटी दें। सोयाबीन डी-आयल्ड केक के दाम ऊंचे होने से उसकी मांग कमजोर रही, जिससे सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार रहा क्योंकि इसकी कीमतें आयातकों के लागत से कम हैं और सरसों- सूरजमुखी तेल की तुलना में सस्ती हैं। मूंगफली के दाम एमएसपी से करीब 15 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन निर्यात की उम्मीद और व्रत के कारण मूंगफली तेल की मांग बढ़ी है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 7,050-7,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल का भाव 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन दाने और लूज के दाम गिरावट के साथ 4,350-4,400 रुपये और 4,050-4,150 रुपये पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन और तेल के दामों में भी सुधार दर्ज हुआ। सरकार को खाद्य तेलों के खुदरा दामों पर नियंत्रण के लिए एक पोर्टल बनाने पर विचार करना चाहिए, जिससे एमआरपी की जानकारी पारदर्शी हो और कीमतों में तेजी को रोका जा सके।

अरुणाचल प्रदेश में 18,000 मेगावाट पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम

2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। अरुणाचल प्रदेश में कुल 18,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं में से 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) को, 5,097 मेगावाट की पांच परियोजनाएं सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) को और 3,800 मेगावाट की दो परियोजनाएं एनएचपीसी को आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि पहले ये परियोजनाएं निजी कंपनियों को दी गई थीं, लेकिन वे विभिन्न कारणों से शुरू नहीं हो सकीं। इसलिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों को इन्हें संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर पुरानी योजनाएं रद्द कर दीं और केंद्र सरकार से कहा कि पनबिजली जैसे बड़े निवेश वाले क्षेत्र में केवल सरकार को ही पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन के साथ बेसिन-आधारित समझौते किए। इनमें से लोअर सुबनसिरी परियोजना 2,000 मेगावाट क्षमता की है, जो अगले साल से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी। इसके अलावा, 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना 2032 तक चालू होने की उम्मीद है, जिसमें देश का सबसे ऊंचा बांध भी शामिल होगा।

इमरान की रिहाई के लिए शुरू हुआ देशव्यापी आंदोलन, 5 अगस्त को होगा चरम पर

लाहौर,(ईएमएस)। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने एक देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत कर दी है। लाहौर में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में इस आंदोलन का औपचारिक ऐलान किया जा चुका है।खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गांदापुर ने इसे आंदोलन की आधिकारिक शुरुआत बताया और कहा कि आगामी 5 अगस्त को यह आंदोलन अपने चरम पर पहुंचेगा। उन्होंने कहा, हर बड़ा आंदोलन लाहौर से शुरू होता है और यह आंदोलन भी पूरे देश में फैलकर सरकार को झुकने पर मजबूर करेगा। लाहौर में सीएम गांदापुर के साथ पीटीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान और पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता मलिक अहमद खान भचर मौजूद रहे। इससे पहले इस्लामाबाद में हुई एक बैठक में पंजाब विधानसभा से निलंबित 26 विधायकों की स्थिति और आंदोलन की रणनीति पर भी चर्चा की गई।गांदापुर ने कहा कि पाकिस्तान की सत्ता पर लंबे समय से सेना का अघोषित नियंत्रण है, और अब एक गैर-आधिकारिक मार्शल लॉ चलाया जा रहा है। उन्होंने इमरान खान की गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया और कहा कि देश के हर प्रांत में, स्थानीय मुद्दों को आधार बनाकर प्रदर्शन किए जाएंगे। लाहौर में आंदोलन के ऐलान के बाद पंजाब पुलिस ने शाहदरा मोड़ और आसपास के इलाकों में छापेमारी शुरू कर दी है। अब तक पीटीआई के 5 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। पार्टी ने इसे विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश करार दिया है।गौरतलब है कि 16 जनवरी 2024 को पाकिस्तान की एक अदालत ने इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार केस में दोषी करार देते हुए क्रमशः 14 और 7 साल की सजा सुनाई थी। आरोप था कि इमरान ने प्रधानमंत्री रहते हुए बुशरा बीबी के अल-कादिर ट्रस्ट को लाभ पहुंचाने के लिए 50 अरब पाकिस्तानी रुपए की सरकारी जमीन सस्ते में बेची थी। इस मामले में नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) ने दिसंबर 2023 में इमरान, बुशरा और छह अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हालांकि, इमरान पहले से ही तोशाखाना मामले में अडियाला जेल में बंद हैं, जिसमें उन्हें मूल्यवान उपहारों की गलत बिक्री के आरोप में सजा मिली थी।

सियासी हलचल तेज

पीटीआई के इस आंदोलन के साथ पाकिस्तान की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। विपक्ष इसे लोकतंत्र और न्याय के लिए संघर्ष बता रहा है, वहीं सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इसे राजनीतिक अशांति फैलाने की कोशिश मान रही हैं। आने वाले हफ्ते, खासतौर पर 5 अगस्त, इस राजनीतिक टकराव के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं।

रूस की चेतावनीः अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया न बनाएं नॉर्थ कोरिया विरोधी सैन्य गठबंधन

प्योंगयांग,(ईएमएस)। रूस ने अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया को कड़ा संदेश देते हुए नॉर्थ कोरिया के खिलाफ किसी भी तरह के सैन्य गठबंधन से बचने की चेतावनी दी है। यह बयान रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने नॉर्थ कोरिया के तटीय शहर वॉनसान में दिया, जहां वे तीन दिवसीय राजकीय दौरे पर पहुंचे हुए हैं।लावरोव ने नॉर्थ कोरियाई नेता किम जोंग उन और विदेश मंत्री चोई सोन हुई से मुलाकात की। बातचीत के बाद मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया की बढ़ती सैन्य गतिविधियां क्षेत्र में तनाव बढ़ा रही हैं और यह किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है।उन्होंने कहा, हम साफ तौर पर चेतावनी देते हैं कि इन संबंधों को किसी के खिलाफ गठबंधन बनाने के लिए इस्तेमाल न किया जाए, चाहे वह नॉर्थ कोरिया हो या रूस।

नॉर्थ कोरिया की परमाणु नीति को रूस का समर्थन

लावरोव ने नॉर्थ कोरिया की परमाणु नीति का समर्थन करते हुए कहा कि प्योंगयांग की यह नीति उसके वैज्ञानिकों की मेहनत और आत्मनिर्भरता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि रूस नॉर्थ कोरिया की सुरक्षा चिंताओं को समझता है और उनकी महत्वाकांक्षाओं का सम्मान करता है।

यूक्रेन युद्ध में भी साथ-साथ

रूसी मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने कोरियाई नेताओं से यूक्रेन युद्ध को लेकर भी बात की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, नॉर्थ कोरिया ने रूस को सैनिकों और हथियारों की आपूर्ति की है, और बदले में रूस ने उसे आर्थिक व सैन्य सहयोग दिया है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसियों का दावा है कि नॉर्थ कोरिया रूस को युद्ध में मदद देने के लिए 25 से 30 हजार और सैनिक भेजने की योजना बना रहा है। पिछले वर्ष उसने लगभग 11 हजार सैनिक भेजे थे।

रूस-नॉर्थ कोरिया रक्षा संधिः "एलायंस"

बीते साल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नॉर्थ कोरिया दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच एक नई रक्षा संधि हुई, जिसे किम जोंग उन ने एलायंस नाम दिया है। इस समझौते के तहत, अगर किसी तीसरे देश ने रूस या नॉर्थ कोरिया पर हमला किया, तो दोनों देश मिलकर जवाब देंगे।

संक्षिप्त ख़बरें

यूक्रेन ने कर्नल की हत्या का लिया बदला, तीन दिन में मार गिराए रूसी एजेंट

कीव,(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी युद्ध अब खुफिया मोर्चे पर और भी ज़्यादा तीखा होता जा रहा है। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी एसबीयू (सुरक्षा सेवा) ने रविवार को दो रूसी एजेंटों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। आरोप है कि ये एजेंट कीव में एसबीयू कर्नल इवान वोरोनिच की हत्या में शामिल थे। यह कार्रवाई हत्या के महज तीन दिन के भीतर की गई, जिसे यूक्रेन द्वारा लिया गया तेज और सटीक बदला माना जा रहा है।एसबीयू के मुताबिक, रविवार को कीव क्षेत्र में रूसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) के एजेंटों को पकड़ने की कोशिश की जा रही थी। इसी दौरान दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें एजेंट मारे गए। एसबीयू ने अपने बयान में बताया कि हत्या में शामिल एक पुरुष और एक महिला एजेंट की पहचान हुई थी। ऑपरेशन के दौरान उन्होंने गोली चलाई, जिसके जवाब में सुरक्षा बलों ने उन्हें मार गिराया।हालांकि, एजेंसी ने मारे गए एजेंटों की संख्या और पहचान को सार्वजनिक नहीं किया है। बयान के अनुसार, यह ऑपरेशन रूसी गुप्तचर नेटवर्क को ध्वस्त करने और भविष्य में यूक्रेनी अधिकारियों पर संभावित हमलों को रोकने के लिए किया गया। दरअसल यह मामला गुरुवार को कीव में एसबीयू कर्नल इवान वोरोनिच की हत्या करने से जुड़ता है।

9/11 हमले के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद की याचिका खारिज, अब सैन्य अदालत में खुलेआम चलेगा ट्रायल

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका की अपील अदालत ने 9/11 के मुख्य साजिशकर्ता खालिद शेख मोहम्मद की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने फांसी की सजा से बचने के लिए उम्रकैद की सजा दिए जाने की गुहार लगाई थी। यह याचिका खालिद और उसके दो साथियों ने मिलकर दायर की थी, जिसे अदालत ने 2-1 के बहुमत से खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद अब मामला खुले ट्रायल की ओर बढ़ेगा, जो ग्वांतानामो बे की सैन्य अदालत में चलेगा।

दरअसल जुलाई 2024 में अमेरिकी सरकार और खालिद शेख मोहम्मद के बीच एक डील की बात सामने आई थी। इस डील के तहत, खालिद अपने गुनाह कबूल कर लेता और बदले में उसे मौत की सजा नहीं दी जाती, बल्कि उम्रकैद में बदला जाता। इससे करीब 20 साल से लंबित मुकदमा समाप्त हो सकता था। हालांकि, पीड़ितों के परिजनों ने इस सौदे का तीव्र विरोध किया और ट्रायल की मांग की।याचिका समझौते के दो दिन बाद ही तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि "इतिहास के सबसे बड़े आतंकी हमले में सौदा करना उचित नहीं है। पीड़ितों, सैनिकों और अमेरिकी जनता को यह अधिकार है कि वे न्याय होते देखें।"खालिद शेख मोहम्मद पर अमेरिका में 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों की साजिश रचने और उसे अंजाम तक पहुंचाने का गंभीर आरोप है। उस दिन अल-कायदा के आतंकवादियों ने चार विमानों को हाईजैक कर लिया था। दो विमानों को न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, एक को पेंटागन और एक को पेंसिलवेनिया के एक खेत में गिराया गया था। इन हमलों में करीब 3,000 लोगों की जान चली गई थी।अब ग्वांतानामो बे में सैन्य अदालत के तहत खालिद शेख मोहम्मद और उसके साथियों पर खुला ट्रायल चलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह ट्रायल अमेरिकी न्याय प्रणाली, आतंकवाद विरोधी नीति और पीड़ितों के अधिकारों की पारदर्शिता को दिखाने का एक बड़ा मंच बन सकता है।

ताइवान के एयरस्पेस में 9 चीनी विमानों की घुसपैठ, जापान ने जताई गंभीर चिंता

ताइपे,(ईएमएस)। ताइवान और चीन के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। रविवार को ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी कि सुबह 6 बजे तक उसके एयर डिफेंस आइडेंटिफिकेशन ज़ोन में चीन के 9 सैन्य विमान घुस आए। इसके साथ ही क्षेत्र में 7 चीनी नौसैनिक जहाज और 1 सरकारी पोत की मौजूदगी भी दर्ज की गई। यह चीनी गतिविधियां बीते कुछ महीनों में देखे गए सबसे आक्रामक सैन्य मूवमेंट्स में से एक हैं।ताइवान की सेना ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए लड़ाकू विमान, युद्धपोत, और तटीय मिसाइल सिस्टम तैनात किए। ताइवान के राष्ट्रपति लाई छिंग-ते ने चीन पर निशाना साधते हुए कहा, कि बीजिंग सैन्य धमकियों के जरिए ताइवान को हड़पने की कोशिश कर रहा है। लेकिन सत्ता परिवर्तन या राजनीतिक बदलाव से यह खतरा कम नहीं होने वाला। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि चीन जानबूझकर सैन्य दबाव और बहाने बनाकर क्षेत्रीय अस्थिरता पैदा कर रहा है, जिससे पूरी दुनिया की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।इधर, ताइवान स्ट्रेट की स्थिति को लेकर जापान ने भी चिंता जताई है। जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने एशियान बैठक के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात में कहा कि ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता बनाए रखना पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए जरूरी है। जापान बलपूर्वक यथास्थिति में किसी भी तरह के बदलाव का कड़ा विरोध करता है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना केवल ताइवान-चीन के बीच का मामला नहीं, बल्कि पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता पर असर डालने वाला है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश पहले ही ताइवान के समर्थन में रणनीतिक साझेदार बन चुके हैं। इस प्रकार की गतिविधियों से आने वाले दिनों में जियोपॉलिटिकल तनाव और गहराने की संभावना है।

शिवमोग्गा जेल में छापे के दौरान कैदी ने निगल लिया मोबाइल, सर्जरी कर निकाला गया

जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, पुलिस जांच शुरू

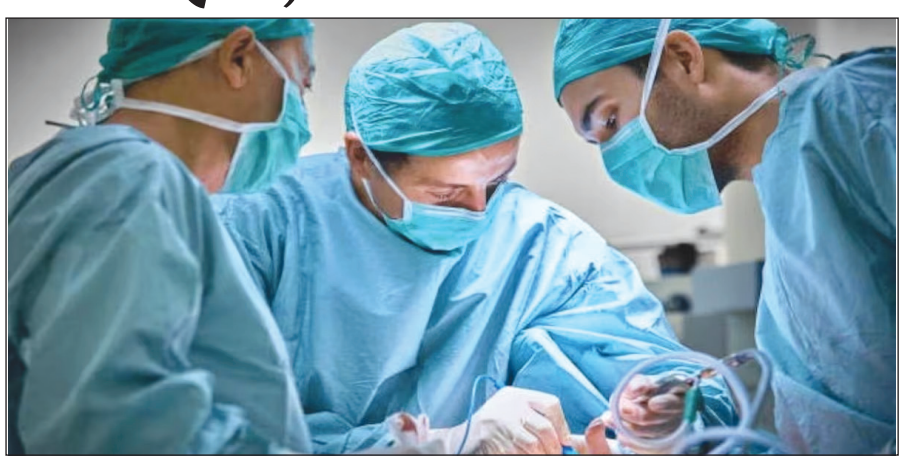

शिवमोग्गा,(ईएमएस)। शिवमोग्गा केंद्रीय कारागार में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें छापेमारी के दौरान एक कैदी ने मोबाइल फोन निगल लिया। इस घटना ने जेल परिसर की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।जानकारी के अनुसार, जेल में अचानक हुई छापेमारी के दौरान दौलत उर्फ गुंडू (30 वर्ष) नामक एक कैदी, जो एक आपराधिक मामले में 10 साल की सजा काट रहा है, ने मोबाइल फोन को छिपाने के इरादे से उसे निगल लिया। इसके बाद उसने पेट में तेज दर्द की शिकायत की, जिसे गंभीरता से लेते हुए जेल प्रशासन ने उसे 24 जून को मैकगैन सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

एक्स-रे में खुलासा, ऑपरेशन कर निकाला गया मोबाइल

अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा किए गए एक्स-रे में साफ दिखाई दिया कि उसके पेट में मोबाइल फोन फंसा हुआ है। दो दिन बाद, 26 जून को सर्जनों ने सर्जरी कर सफलतापूर्वक फोन निकाल लिया। डॉक्टरों ने बताया कि निगला गया डिवाइस 'केचाओडा' ब्रांड का मोबाइल फोन था।

सुरक्षा में चूक या मिलीभगत?

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कैदी ने पुलिस छापेमारी के दौरान पकड़े जाने के डर से मोबाइल निगल लिया था। इस घटना ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि कड़ी निगरानी के बावजूद मोबाइल फोन जैसे प्रतिबंधित वस्तुएं जेल के भीतर कैसे पहुंच रही हैं?सूत्रों के अनुसार, कुछ जेल कर्मचारियों की मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है। जेल अधीक्षक रंगनाथ पी. ने इस संबंध में तुंगानगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है और अब इस मामले की जांच पुलिस के साथ-साथ जेल विभाग द्वारा भी की जा रही है। हालांकि यह घटना 24 जून की है, लेकिन अब सार्वजनिक होने के बाद शिवमोग्गा सेंट्रल जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लग रहे हैं।

कारोबारी की हत्या मामले को लेकर छात्रों में आक्रोश, ढाका में हुआ उग्र प्रदर्शन

ढाका, (ईएमएस)। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक कबाड़ कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या के खिलाफ छात्रों में खासा रोष देखा गया है। शनिवार को तो सैकड़ों छात्र सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार लगातार बढ़ती भीड़ हिंसा को रोकने में विफल रही है।जहां तक कारोबारी की हत्या का मामला है तो यह घटना बुधवार को पुराने ढाका के मिटफोर्ड अस्पताल के सामने घटी थी, जहां लाल चंद सोहाग नामक एक कबाड़ व्यापारी को जबरन वसूली करने वाले गिरोह ने बेरहमी से पीट-पीटकर मार डाला थ। इस वीभत्स घटना का वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें देखा गया कि हमलावरों ने कंक्रीट के स्लैब से हमला किया और व्यापारी की मौत के बाद जश्न मनाते हुए नाचते भी दिखे। घटना से पूरे देश में जनता और छात्र समुदाय में गहरा आक्रोश फैल गया।

पाकिस्तान ने लगाई थी युद्धविराम की गुहार, पीसीआई रिपोर्ट से हुआ खुलासा

रिपोर्ट में डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावे को भी किया गया खारिज

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। भारत के साथ बीती मई में चार दिनों तक चले सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी सेना ने भारत के सामने युद्धविराम की गुहार लगाई थी। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। पाकिस्तान-चाइना इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए पाकिस्तान के डीजीएमओ ने ही अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क किया था। इस तरह इसने डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता के दावे को खारिज कर दिया है।रिपोर्ट में पांच बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है। जिसमें दावा किया गया है हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रणनीति को ट्रंप के मध्यस्थता प्रयासों ने नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान से एक तरह व्यवहार किया और कश्मीर पर मध्यस्थता की पेशकश की। इस रुख ने क्षेत्रीय स्थिरता के रूप में चीन की भूमिका को बढ़ाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन दक्षिण एशिया में अमेरिकी प्रभुत्व बनाए रखने में विफल रहा।रिपोर्ट में अमेरिका और नाटो को अप्रत्यक्ष रूप से चीनी हथियारों की धमकी दी गई है। कहा गया कि अमेरिका और नाटो को चीन के साथ तकनीकी अंतर के बारे में अपनी धारणाओं का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान में इस्तेमाल होने वाली चीनी सैन्य प्रणालियां पश्चिमी तकनीकों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।इसमें अमेरिका का अपने सहयोगी भारत का समर्थन करने के बजाय ट्रंप का एक्स पर मध्यस्थता करने की घोषणा करने को एक कूटनीतिक चूक बताया गया है। इसमें कहा गया कि पाकिस्तान की तारीफ करके और कश्मीर पर मध्यस्थता की पेशकश करके अमेरिका ने अनजाने में चीन का प्रभाव बढ़ा दिया है। इसने ट्रंप की वैश्विक नेता के रूप में छवि को कमजोर किया है।रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 10 मई को पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष से सीधे सैन्य स्तरीय संवाद के लिए संपर्क किया था। हालांकि, यह रिपोर्ट इस्लामाबाद में लोगों को नाराज कर सकती है, लेकिन इसने साफ कर दिया है कि युद्धविराम की मांग पाकिस्तान की तरफ से की गई थी। शायद पाकिस्तान ने भारतीय हमले में भारतीय नुकसान के चलते यह फैसला लेने को मजबूर हुआ। यह रिपोर्ट ऑपरेशन सिंदूर और कश्मीर में तीसरे पक्ष की भागीदारी न होने के भारतीय बयान को और मजबूत करती है।

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के सभी कदमों का करते रहेंगे समर्थन

किम जोंग-उन ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से की मुलाकात

सोल,(ईएमएस)। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात में यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध में रूस के सभी कदमों के समर्थन किया। मीडिया रिपोर्ट में कोरियन एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि किम जोंग ने यह टिप्पणी शनिवार को लावरोव के साथ बैठक में की। इससे एक दिन पहले रूसी मंत्री अपने उत्तर कोरियाई समकक्ष के साथ दूसरे दौर की रणनीतिक वार्ता के लिए उत्तर कोरिया गए थे।रिपोर्ट में बताया गया है कि किम और लावरोव ने पिछले साल जून में प्योंगयांग में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ किम की शिखर वार्ता के दौरान हुए समझौतों के ईमानदारी से क्रियान्वयन पर चर्चा की थी। इसके अलावा, दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और विकसित करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। किम जोंग-उन ने कहा कि रूस और उत्तर कोरिया के बीच हुए रक्षा समझौते के तहत, यूक्रेन संकट के मूल कारणों से निपटने के लिए रूसी नेतृत्व के सभी कदमों का बिना शर्त समर्थन और प्रोत्साहन करेगा।किम ने कहा कि दोनों देश अपने गठबंधन के स्तर के अनुरूप सभी रणनीतिक मुद्दों पर समान विचार साझा करते हैं और यह दोनों देशों के बीच स्थापित उच्च रणनीतिक स्तर को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक लावरोव ने कूटनीतिक क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच रणनीतिक संचार की तारीफ की। इसके साथ ही रणनीतिक और सामरिक सहयोग को और मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में ठोस कार्रवाई को तेज करने की अपनी मंशा व्यक्त की।उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की मुलाकात में दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का फैसला किया। लावरोव ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन का गर्मजोशी भरा संदेश किम को दिया, और किम ने भी पुतिन के लिए दोस्ताना संदेश भेजा। दोनों नेताओं ने जल्द ही सीधे संपर्क की उम्मीद जताई। दोनों देशों ने कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर एकसमान विचार रखते हैं और रणनीतिक संवाद को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करेंगे। लावरोव शुक्रवार को एक निजी विमान से उत्तर कोरिया के वोन्सान शहर पहुंचे, जहां किम और चोए के साथ उनकी मुलाकातें नई बनी कलमा बीच रिसॉर्ट में हुईं।

इजराइल ने राष्ट्रपति की बैठक में एंट्री और एग्जिट पॉइंट ब्लॉक कर किया था हमला

सीजफायर के बाद हुआ खुलासा, ईरानी खुफिया एजेंसियां कर रही जांच

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान और इजराइल के बीच सीजफायर के बाद अब सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। ये मिडिल-ईस्ट में तनाव को बढ़ा सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक खुलासा ईरान के राष्ट्रपति के हत्या की साजिश से जुड़ा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइल ने 15 जून को तेहरान में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेसेश्कियन, संसद अध्यक्ष और न्यायपालिका प्रमुख को एक साथ मारने की कोशिश की थी। इस हमले में ईरानी राष्ट्रपति को पैर में हल्की चोट आई, जबकि अन्य अधिकारी इमरजेंसी रूट से बच निकले। यह हमला ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की सीक्रेट बैठक को निशाना बनाकर किया गया था।रिपोर्ट में बताया गया है कि इजराइली मिसाइलों ने मीटिंग हॉल की तमाम एंट्री और एग्जिट पॉइंट ब्लॉक करने की कोशिश की। हमले में छह मिसाइलों या बमों का इस्तेमाल किया गया। बिल्डिंग के चारों ओर तबाही फैल गई, लेकिन अधिकारी आपातकालीन सुरंग से बाहर निकल गए। इस बीच बड़ा सवाल यह है कि इजराइल को इस गोपनीय बैठक की जानकारी कैसे लगी? क्या ईरान की लीडरशिप में कोई 'जासूस' मौजूद था जो इजराइल को अंदर की खबरें पहुंचा रहा था?ईरानी खुफिया एजेंसियां अब इस संदिग्ध लीक की जांच कर रही हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हमला उस रणनीति पर आधारित था, जिससे पहले हिजबुल्ला के प्रमुख हसन नसरल्ला को बेरुत में मार दिया था। राष्ट्रपति पेसेश्कियन ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्होंने हमें मारने की कोशिश की... लेकिन वे नाकाम रहे। उन्होंने यह बात एक इंटरव्यू में अमेरिकी पत्रकार से कही। इजराइल ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की।वहीं, दूसरा खुलासा इजराइली वायुसेना से जुड़ा है। रविवार को आई एक रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली ऑपरेशन के दौरान इजराइल का एक एफ-15 फाइटर जेट ईरानी सीमा में पहुंचते ही टेक्निकल फेलियर का शिकार हो गया। तकनीकी खराबी के चलते यह जमीन पर उतरने की कगार पर पहुंच गया। ये लड़ाकू विमान उस वक्त ईरान की सीमा के अंदर दाखिल हो चुका था, जब इसके फ्यूल टैंक में खराबी आ गई। रिपोर्ट के मुताबिक पायलट ने तुरंत खतरे की जानकारी दी और मिशन कंट्रोल को सतर्क किया। उस वक्त कोई रीफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट साथ नहीं था, ऐसे में आनन-फानन में एक वैकल्पिक विमान भेजने की योजना बनाई गई।जानकारी के मुताबिक हालात ऐसे बन गए थे कि एक बैकअप प्लान तक तैयार किया गया। अगर फ्यूल विमान समय पर नहीं पहुंचता, तो एफ-15 को किसी पड़ोसी देश में आपात लैंडिंग करनी पड़ती। हालांकि रिपोर्ट में उस देश का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है। पायलट को ईंधन भरवाकर मिशन पूरा किया गया। किसी तरह की जान-माल की हानि की खबर नहीं है।

अहमदाबाद विमान हादसे की शुरुआत रिपोर्ट की समीक्षा कर रही यूके की एएआईबी

लंदन,(ईएमएस)। ब्रिटेन की एयर एक्सीडेंट्स इन्वेस्टिगेशन ब्रांच ने रविवार को कहा कि वह हाल ही में अहमदाबाद विमान हादसे पर भारत की ओर से जारी शुरुआती रिपोर्ट की समीक्षा कर रही है। यह रिपोर्ट भारत की एएआईबी ने जारी की है, जो पिछले महीने टेक-ऑफ के कुछ ही देर बाद हुए क्रैश की शुरुआती जांच पर आधारित है। इस हादसे में 242 में से सिर्फ एक व्यक्ति की जान बची थी, बाकी सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स की मौत हो गई थी। इस हादसे में 52 ब्रिटिश नागरिकों की भी मौत हुई थी, इसलिए यूके की एएआईबी भी इस जांच प्रक्रिया का हिस्सा है।ब्रिटेन की एएआईबी ने भारत की शुरुआती जांच रिपोर्ट का स्वागत किया है। यह रिपोर्ट उस विमान हादसे से जुड़ी है जिसकी जांच भारत की एएआईबी कर रही है। यूके एएआईबी ने कहा है कि यह रिपोर्ट अब तक सामने आई तथ्यों का सार है। फिलहाल इस 15 पन्नों की रिपोर्ट का डिटेल में रिव्यू किया जा रहा है और भारत की एएआईबी के साथ लगातार संपर्क में है। ब्रिटेन की एएआईबी को इस जांच में 'एक्सपर्ट' का दर्जा दिया गया है। इंटरनेशनल प्रोटोकॉल्स के तहत जांच से जुड़ी कोई भी ऑफिशियल जानकारी सिर्फ भारतीय एजेंसियां ही जारी कर सकती हैं।रिपोर्ट में पता चला है कि हादसे से कुछ सेकेंड पहले दोनों इंजनों के फ्यूल कंट्रोल स्विच "रन" पोजिशन से अचानक "कटऑफ" में चले गए थे और यह बदलाव एक सेकेंड के अंदर हुआ। इसके बाद प्लेन नीचे की और आया हो क्रैश हो गया। 12 जून को हुए एयर इंडिया हादसे में जिन ब्रिटिश परिवारों ने अपने करीबी खोए हैं, वे अब जांच प्रक्रिया में खुद के लिए एक्सपर्ट रिप्रेजेंटेशन की मांग कर रहे हैं। ये परिवार लंदन की लीगल फर्म से सलाह ले रहे हैं, जो 20 से ज़्यादा परिवारों की तरफ से केस देख रही है।हादसे की शुरुआती जांच रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एजेंसी एफएए ने एक स्पेशल बयान जारी किया था, जो सिर्फ सलाह के तौर पर था, जरूरी नहीं था। इसी वजह से एयर इंडिया ने जांच नहीं करवाई थी। इस पर परिवारों को चिंता है कि कहीं सुरक्षा मानकों में कोई ढिलाई तो नहीं बरती गई। अब जब जांच का फोकस एक खास पॉइंट पर है, तो 90 फीसदी थ्योरीज़ और स्पेकुलेशंस खत्म हो सकते हैं। इस हादसे में कुल 53 ब्रिटिश नागरिकों में से सिर्फ एक व्यक्ति बचा था जो कि चमत्कार था।

शेफाली के अर्धशतक के बाद भी भारतीय महिला टीम पांचवें टी20 में हारी, सीरीज 3-2 से जीती

लंदन (ईएमएस)। शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बाद भी भारतीय महिला क्रिकेट टीम मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में हार गयी हालांकि ये सीरीज भारतीय टीम ने 3-2 से जीती। भारतीय टीम ने सीरीज के पहले दो और चौथा मैच जीता जबकि मेजबान टीम ने तीसरा और पांचवां मुकाबला अपने नाम किया। इसी के साथ ही हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड की धरती पर पहली बार 2 से अधिक मैचों की टी20 सीरीज जीतने में सफल रही है। अंतिम मुकाबले में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाये। इसके बाद मेजबान टीम ने ये लक्ष्य मैच की अंतिम गेंद पर हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और जेमीमा रोड्रिग्स शुरुआत में ही आउट हो गयीं। इसेक बाद शेफाली ने 41 गेंदों पर 75 रनों रन बनाकर पारी को संभाला पर अन्य कोई बल्लेबाज टिक नहीं पायी। मेजबान टीम की ओर से 168 के टारगेट का पीछा करते हुए सोफिया डंकले ने 46 जबकि डेनिएल व्याट-हॉज ने 56 रन बनाये। इन दोनो ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर 101 रन बनाये। पहले 10 ओवर में ही इंग्लैंड ने तेजी से रन बना लिए पर बीच में विकेट गिरने से मैच रोमांचक हो गया।

स्टार्क ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने

जमैका (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां अपने 100 वें टेस्ट मैच में विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। स्टार्क ने दिन-रात के इस मैच के पहले ही दिन वेस्टइंडीज के केवलोन एंडरसन को 3 रनों पर ही बोल्ड कर अपने ही देश के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का रिकार्ड तोड़ दिया। स्टार्क इस विकेट के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरे सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बन गये हैं।

इस सूची में सबसे आगे 948 लेकर ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा हैं। वहीं 719 विकेट लेकर स्टार्क दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं ब्रेट ली 718 विकेट के साथ ही तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। स्टार्क से पहले दुनिया भर के सिर्फ 10 तेज गेंदबाज ही 100 टेस्ट खेल पाए हैं। इतना ही नहीं वह ऑस्ट्रेलिया के लिए 100 टेस्ट मैच खेलने वाले केवल 16वें खिलाड़ी भी बने हैं।

इस मैच में शमार जोसेफ की कप्तानी में वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 225 रन पर ही आउट करने के बाद एक विकेट पर 16 रन बनाये। पहले . दिन का खेल खत्म होने पर सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग आठ जबकि कप्तान रोस्टन चेज तीन रन बनाकर खेल रहे थे। ।ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच में शमार जोसेफ के सामने टिक नहीं पायी। शमर ने 33 रन देकर चार विकेट लिए जबकि जस्टिन ग्रीव्स ने 56 रन पर तीन विकेट और जेडन सील्स ने 59 उन पर तीन विकेट लिए। इससे पूरी टीम 70.3 ओवर में 225 रन पर आउट हो गयी।

आयुष के शतक से भारतीय अंडर 19 टीम का विशाल स्कोर

लंदन (ईएमएस)। कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक से भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने यहां मेजबान इंग्लैंड अंडर 19 के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट मैच के पहले दिन 7 विकेट पर 450 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इस मैच में उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी असफल रहे और केवल 14 रन ही बना पाये।

आयुष ने 115 गेंदों पर 14 चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाये। उन्होंने विहान मल्होत्रा 67 रनों के साथ दूसरे विकेट के लिए 173 रन बनाये। इसके आउट होने के बाद अभिज्ञान कुंडू ने 90 और राहुल कुमार ने 85 रन बनाये। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए सिर्फ 27.4 ओवर में 179 रन बनाये। कुंडू ने जहां 10 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं राहुल ने 14 चौके और एक छक्का लगा दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय अंबरीश 31 रन और हेनिल पटेल 6 रन बनाकर खेल रहे थे। इंग्लैंड की ओर से माइकल वॉन के बेटे आर्ची वॉन और आयुष म्हात्रे ने दो विकेट लिए।

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक चैम्पियनशिप में पुरुषों के वाटर पोलो मैच में खेलती हुई हुए चीन के वू होंगहुई।

9वीं बार दो टीमों ने बनाये बराबर रन

दो ही मैचों में निकले परिणाम

लॉर्ड्स (ईएमएस)। लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड दोनो ने ही पहली पारी में बराबर-बराबर रन बनाये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुएइंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक से 387 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम की ओर से केएल राहुल ने शतक लगाया जिससे भारतीय टीम भी पहली पारी में 387 रन ही बना पायी। कामयाब रही। यह पहली घटना नहीं। क्रिकेट इतिहास पर नजर डालें तो ये नौवीं बार है जब पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर रहा बराबर रहा है। इससे पहले 8 बार दोनो ही टीमों ने बराबर रन बनाये हैं पर दो ही बार ऐसे में मैच का परिणाम निकला है। पहली बार ऐसा 1910 में दक्षिण अफ्रीका वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट मैच के दौरान हुआ था जब पहली पारी में दोनों टीमों ने बराबर रन बनाए थे। वहीं इस सूची में भारत का नाम पहले से शामिल है। कानपुर में 1958 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और बर्मिंघम में 1986 में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के साथ पहले भी ऐसा हुआ है। हालांकि इन दोनों मुकाबलों का अंत ड्रॉ के साथ हुआ था।

बराबर स्कोर के बाद भी जिन दो टीमों जिन को जीत मिली है, वह वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड की है। न्यूजीलैड टीम ने यह जीत 2015 में हासिल की थी। वहीं 2003 में वेस्टइंडीज ने जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए उस मुकाबले में दोनों टीमों ने पहली पारी में 240-240 रन बनाए थे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने मेजबानों को 417 रनों का लक्ष्य दिया था। यह आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ये हासिल किया हुआ सबसे बड़ा लक्ष्य है।

पहली पारी में दोनों टीमों के बराबर स्कोर और उनके मैच परिणाम

दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड, डरबन, 1910, ड्रॉ
भारत व वेस्टइंडीज, कानपुर, 1958, ड्रॉ
पाकिस्तान व न्यूजीलैंड, ऑकलैंड, 1973, ड्रॉ
वेस्टइंडीज व ऑस्ट्रेलिया, किंग्स्टन, 1973, ड्रॉ
इंग्लैंड व भारत, बर्मिंघम, 1986, ड्रॉ
वेस्टइंडीज व इंग्लैंड, सेंट जॉन्स, 1994, ड्रॉ
वेस्टइंडीज व ऑस्ट्रेलिया, सेंट जॉन्स, 2003, वेस्टइंडीज जीता
इंग्लैंड व न्यूजीलैंड, लीड्स, 2015, न्यूजीलैंड जीता

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आईपीएल से लेकर इंग्लैंड में मचाई धूम

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल 2025 से भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे महज़ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया है। आईपीएल से लेकर इंग्लैंड दौरे तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का ऐसा जलवा दिखाया कि विशेषज्ञ भी उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से करने लगे हैं। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 की नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने 14 साल और 23 दिन की उम्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में डेब्यू किया। पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन ठोक दिए।आईपीएल-2025 में वैभव ने 7 मैच खेले और 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला। उन्होंने 24 छक्के और 18 चौके जड़ते हुए दिखा दिया कि उम्र महज एक नंबर है। राजस्थान के बाद, वैभव को भारत की अंडर-19 टीम में इंग्लैंड दौरे के लिए चुना गया। वहां भी उन्होंने मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। पांच यूथ वनडे में उन्होंने 48, 45, 86, 143 और 33 रन की पारियां खेलीं। सबसे खास पारी रही चौथे वनडे में 143 रन की। उन्होंने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और 78 गेंदों पर 10 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 143 रन बनाए। इसी के साथ वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने नजमुल हसन शांतो का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने 14 साल और 100 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। इस मैच में उन्होंने विहान मल्होत्रा (129) के साथ 219 रन की साझेदारी कर भारत को 55 रन से जीत दिलाई।वैभव के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि उनमें सचिन तेंदुलकर की तकनीकी नजाकत और ब्रायन लारा जैसा अटैकिंग अंदाज नजर आता है। हालांकि कुछ कोच उन्हें पृथ्वी शॉ की गलतियों से सीखने की सलाह भी देते हैं। घरेलू क्रिकेट में भी वैभव ने रिकॉर्ड कायम किया। 13 साल 269 दिन की उम्र में लिस्ट-ए क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय बने। बिहार की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में मध्य प्रदेश के खिलाफ डेब्यू किया। वह आधुनिक युग में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वैभव ने 5 मैचों की 10 पारियों में 100 रन बनाए। छह लिस्ट-ए मैचों में 22 की औसत से 132 रन उनके नाम हैं। हालाँकि यह आंकड़े दिखाते हैं कि अभी उन्हें घरेलू क्रिकेट में और मेहनत करनी होगी। फिटनेस के लिए जरूरी यो-यो टेस्ट पास करना आधुनिक क्रिकेट का अहम हिस्सा है।

तीसरे टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर भड़के शुभमन

लॉर्ड्स (ईएमएस)। भारत और इंग्लैंड के बीच यहां जारी तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दौरान भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर उस समय भड़क गये जब वे समय बर्बाद करने तरह-तरह से खेल में बाधा डालते दिखे। शुभमन हमेशा शांत रहते हैं पर यहां उन्हें हस्तक्षेप करना ही पड़ा। तीसरे दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज जसप्रीत बुमराह के ओवर में कई प्रकार के नाटक कर रहे थे जिससे शुभमन ने ऐसा कुछ कहा कि इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट सफाई देते दिखे। ये मामला इंग्लैंड की दूसरी पारी के अंतिम ओवर का है। तब जैक क्रॉली की बुमराह और शुभमन से बहस हो गयी। मेजबान टीम ने भारतीय टीम को 387 रन पर आउट कर स्कोर बराबर करने के बाद स्टंप्स तक बिना कोई विकेट खोये 2 रन बनाए पर बुमराह के पहले ओवर के में ही तनावपूर्ण माहौल हो गया।

इस दौरान क्रॉली बल्लेबाजी कर रहे थे और अलग-अलग बातें कहकर ओवर को रोक रहे थ। इससे भारतीय टीम नारात हो गयी। इस बल्लेबाज ने ने दूसरी गेंद पर दो रन लिए पर उसके बाद समय बर्बाद करने उन्होंने तीसरी गेंद से पहले अपने स्टांस से हटकर साइट स्क्रीन की समस्या का हवाला दिया, इससे नाराज गिल ने गुस्से में चिल्लाते हुए कहा, "थोड़ी बल्लेबाजी करने की हिम्मत दिखाओ,"। गेंदबाजी कर रहे बुमराह इससे नाराज थे, उन्होंने निराशा में अपने मार्क पर वापसी पर शुभमन ने मेजबान टीम के बल्लेबाज को लेकर कड़ी बातें कह दी। जब क्रॉली ने बुमराह के ओवर में उनको रनअप पर आते देख रोका तो शुभमन ने आक्रामक प्रतिक्रिया दी। इसे देख नॉन स्ट्राइक पर खड़े बल्लेबाज डकेट ने शुभमन को सफाई देने शुरु कर दी क्योंकि डेकेट नहीं चाहते थे कि भारतीय खिलाड़ियों का गुस्सा और बढ़े।

शुभमन पर आचारसंहिता उल्लंधन के लिए हो सकती है कार्रवाई

लॉर्ड्स ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल पर इंग्लैंड के लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन के अंतिम ओवर में बहस करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कार्रवाई कर सकती है। इस मैच में भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली पर समय बर्बाद करने का आरोप लगाया था। इसी को लेकर शुभमन गिल नाराज हो गये और उन्होंने मेजबान टीम के खिलाफ टिप्पणी करने के साथ ही इशारे भी किए। यही नहीं उनकी . क्रॉली और बेन डकेट के साथ बहस भी हो गयी, इसे आचार संहिता का उल्लंघन माना जा रहा है। इस मैच के तीसरे दिन अंतिम ओवर में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाजों के साथ शुभमन की बहस हो गयी। इस मैच में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को पहली पारी में 387 रनों पर समेट दिया। इसके बाद इंग्लैंड जब दूसरी पारी में खेलने उतरी तो क्रॉली समय बर्बाद करने में लग गए. जिसका भारतीय टीम ने विरोध किया। भारतीय टीम के बल्लेबाज केएल राहुल ने दिन के खेल के बाद कहा कहा कि हम 2 ओवर करना चाहते थे जिससे कि विकेट लिया जा सके। वहीं क्रॉली ने जसप्रीत बुमराह की गेंद पर दस्ताने उतार कर हाथ में चोट लगने की बात कहते हुए फीजियो को बुलाया। इसी को लेकर शुभमन ने टिप्पणी कर दी और इसके बाद दोनो ही पिच पर आमने-सामने आ गये। मामला बढ़ता देखकर अंपायरों को हस्तक्षेप करना पड़ा।

ज्यूरिच में यूईएफए महिला यूरो कप फुटबॉल में खेलती हुई फुटबॉलर।

भारत की नीरू निशानेबाजी विश्व कप शॉटगन चरण के फाइनल में पहुंचीं

लोनाटो(ईएमएस)। भारत की नीरू ढांडा इटली के लोनाटो में जारी आईएसएसएफ विश्व कप अंतरराष्ट्रीय शॉटगन चरण के फाइनल में पहुंच गयी हैं। नीरु ने 50 शॉट के फाइनल में पहले 35 में से 30 निशाने लगाकर चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने गत वर्ष की विश्व कप विजेता इटली की एलेसिया इज्जी को शूट-ऑफ में (2-1) से हराकर छठा और अंतिम क्वालीफाइंग स्थान हासिल किया। वहीं नीरू एलिमिनेशन चरण में लाडा डेनिसोवा ऑफ द न्यूट्रल एथलीट्स और पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता सिल्वाना मारिया स्टैंको के साथ महिला ट्रैप में बराबरी पर रहने बाद बाहर हुईं। वहीं ऑस्ट्रेलिया की लेटिशा स्कैनलान ने 45 हिट के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले प्रसिद्ध ट्रैप कॉनकावर्डे रेंज में, नीरू ने 25 और 24 राउंड के शॉट लगाए, जिससे उनके पिछले 66 21, 23, 22 स्कोर में 115 अंक जुड़ गए। प्रीति रजक 114 अंक ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 23वें और 25वें राउंड में 66 अंक 20, 24, 22 अंक जोड़े पर एक अंक से फिसलकर वह आठवें स्थान पर रहीं। प्रगति दुबे 18, 18, 21, 19, 24 कुल 100 अंक के साथ पीछे रहीं। पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में, अनुभवी जोरावर सिंह संधू ने 24, 25, 24, 24, 24 ने अंतिम दो क्वालीफाइंग राउंड में एक-एक बर्ड गिराकर कुल 121 अंक बनाए, जिससे उन्हें अंतिम दो स्थानों के लिए कम से कम दो पूर्व ओलंपिक चैंपियनों के साथ पांच-तरफा शूट-ऑफ में उतरना पड़ा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के अनुसार दूसरे शॉट शॉट में बाहर होने वाले जोरावर पहले निशानेबाज रहे। वहीं लक्ष्य श्योराण ने 24, 22, 24, 23, 23 और जसविंदर सिंह ने 23, 24, 22, 23, 24 अंक हासिल किये और लीडरबोर्ड में निचले क्रम पर रहे।

डब्ल्यू डब्ल्यू ई रेसलर वेंडी के घर लगी आग से हुआ भारी नुकसान

सेन डियागो (ईएमएस)। डब्ल्यू डब्ल्यू ई की महिला रेसलर वेंडी रिक्टर को घर में आग लगने से उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है हालांकि राहत की बात ये रही कि वेंडी को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस मुश्किल घड़ी में उन्हें रेसलिंग जगत से सहयोग जरुर मिला है।टोनी स्टॉर्म और मर्सिडीज मोने जैसी स्टार रेसलर्स ने भी वेंडी का सहयोग किया। वेंडी इस साल रिंग में नहीं उतरीं पर उनके प्रशंसक आज भी उन्हें याद करते हैं। घर में आग लगने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से काफी नुकसान उठाना पड़ा। इस खबर के फैलते ही, उनके प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने उनकी सुरक्षा के लिए प्रार्थना करनी शुरू कर दी। राहत की बात यह है कि वेंडी इस हादसे में सुरक्षित और ठीक हैं। वहीं डेव डायनेस्टी ने बताया कि कॉलीफ्लावर एली क्लब वेंडी की मदद के लिए डोनेशन स्वीकार कर रहा है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026: अब तक 15 टीमों ने किया क्वालीफाई

इटली की ऐतिहासिक एंट्री, 5 टीमें अभी भी बाकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए अब तक कुल 20 में से 15 टीमों का चयन हो चुका है। इस लिस्ट में सबसे चौंकाने वाला नाम है इटली का। जिसने पहली बार किसी भी स्तर के क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया है। यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए नीदरलैंड्स के साथ इटली को भी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का टिकट मिल गया है। नीदरलैंड्स की टीम पहले भी इस टूर्नामेंट का हिस्सा बनती रही है, लेकिन इटली ने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की है, जिससे वर्ल्ड क्रिकेट में उत्साह की लहर है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका के पास है। इस कारण दोनों होस्ट नेशन को बिना क्वालीफायर खेले टूर्नामेंट का टिकट मिला है। इनके अलावा टी20 वर्ल्ड कप 2024 की टॉप-7 टीमों को भी सीधे एंट्री मिल गई है, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज शामिल हैं। वहीं तीन टीमों को उनकी ताजा आईसीसी टी20 रैंकिंग के आधार पर टूर्नामेंट का टिकट मिला है। ये टीमें हैं आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान।

कनाडा ने अमेरिका क्षेत्र के क्वालीफायर में जीत दर्ज कर 13वीं टीम के रूप में टी20 वर्ल्ड कप 2026 में प्रवेश किया था। इसके बाद अब इटली और नीदरलैंड्स ने यूरोप से क्वालीफाई करके 15 टीमों की सूची को लगभग पूरी कर दिया है। अब बचे हुए पांच स्थानों के लिए मुकाबला होगा, जिनमें से दो टीमों का चयन अफ्रीका क्वालीफायर से होगा, जबकि तीन अन्य टीमें एशिया और ईस्ट एशिया-पैसिफिक (ईएपी) क्वालीफायर्स के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी, जो इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा संस्करण होगा। बड़े देशों के साथ-साथ अब छोटी टीमें भी वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रही हैं, जिससे टी20 क्रिकेट और ज्यादा ग्लोबल बनता जा रहा है। इटली जैसी टीम की क्वालीफाई करना इस बात का प्रमाण है कि क्रिकेट अब पारंपरिक देशों की सीमा को पार कर नए क्षेत्रों में तेजी से फैल रहा है। आने वाले क्वालीफायर्स में बाकी 5 टीमों के नाम सामने आएंगे और तब टूर्नामेंट की तस्वीर पूरी तरह साफ होगी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने वाली टीमें- अफ़ग़ानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, इटली और नीदरलैंड हैं।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार डायमंड लीग में नीरज और अरशद में होगी प्रतिस्पर्धा

सिलेसिया (ईएमएस)। भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग भाला फेंक (डीएल) स्पर्धा में टक्कर होगी। पेरिस ओलंपिक के बाद ये दोनो के बीच पहला मुकाबला होगा और ऐसे में सभी की नजरें इस पर लगी रहेंगी। अरशद ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता था। नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता होने के साथ ही विश्व चैम्पियन भी हैं। चोपड़ा को हालांकि पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्व एथलेटिक्स के एक बयान में कहा गया है कि चोपड़ा और नदीम सिलेसिया डायमंड लीग में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने भी नीरज और अरशद के बीच इस मुकाबले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह नीरज के लिए पिछली हार का बदला लेने का अच्छा अवसर हो सकता है।आयोजकों ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग स्पर्धा के प्रतिभागियों की घोषणा करते हुए कहा, 'पोलैंड के प्रशंसकों को नीरज और अरशद नदीम के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।' आयोजकों ने कहा, 'अरशद यूरोपीय सर्किट में ज्यादा स्पर्धाओं में भाग नहीं लेते है ऐसे में उनके प्रदर्शन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वह रज वहीं चोपड़ा हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक खिलाड़ी बने हैं। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा, 'इस सत्र में वह 90 मीटर से अधिक थ्रो करने वाले इतिहास के 26वें खिलाड़ी बन गए हैं। वह निश्चित रूप से इसे और बेहतर करना चाहेंगे।' पुरुषों की भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के बीच मुकाबला सिलेसिया डायमंड लीग के मुख्य आकर्षणों में से एक होने वाला है। चोपड़ा ने पेरिस खेलों के बाद कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिसमें चार डायमंड लीग मीट, पोलैंड के चोरजो और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में दो अन्य शीर्ष-श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल है।

लंदन में ब्रिटेन के जूनियन कैव व लॉयड ग्लेसपूल युगल ट्रॉफी के साथ पोज देते हुए।

सावन की पहली सोमवारी को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने किया रुट लाइन निरीक्षण

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2025 के अंतर्गत सावन की पहली सोमवारी के मद्देनजर उपायुक्त अभिजीत सिन्हा एवं पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने सम्पूर्ण रुट लाइन का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस बल को विधि-व्यवस्था बनाये रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त द्वारा कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से मेला क्षेत्र की निगरानी की गई। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि किसी एक स्थान पर भीड़ एकत्रित न हो तथा सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी व पुलिस के जवान पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं को सुगमता एवं सुरक्षित तरीके से जलार्पण कराना हम सभी का प्राथमिक कर्तव्य है।रुट लाइन निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने श्रद्धालुओं से बातचीत की। श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए जिला प्रशासन एवं सरकार को धन्यवाद किया।

धनबाद राउंड टेबल 342 के नए चेयरमैन बने सूरज सारिया

धनबाद, धनबाद राउंड टेबल 342 का छठवां वार्षिक आमसभा,एजीएम समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संगठन के नए कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा की गई और औपचारिक रूप से उन्हें उनके पदभार सौंपे गए।सूरज सारिया को वर्ष 2025–26 के लिए चेयरमैन नियुक्त किया गया। सामाजिक कार्यों और संगठनात्मक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सूरज अब टेबल की कमान संभालेंगे और उन्होंने समाज सेवा को और प्रभावशाली बनाने का संकल्प लिया। नए कार्यकारिणी में रोहित अग्रवाल को वाइस चेयरमैन, अभिषेक गुप्ता को सेक्रेटरी, अंकित उपाध्याय को कोषाध्यक्ष,ट्रेजरर तथा अनूप गोयल को इमीडिएट पास्ट चेयरमैन घोषित किया गया। अनूप गोयल को उनके पिछले कार्यकाल में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए धन्यवाद व सम्मान दिया गया। एजीएम के दौरान सदस्यों और उनके परिवारों ने एक साथ मिलकर संगठन की उपलब्धियों को साझा किया और आने वाले वर्ष के लिए योजनाएं बनाईं। नई टीम ने शिक्षा के माध्यम से स्वतंत्रता के मूल उद्देश्य को आगे बढ़ाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्धता जताई।
कार्यक्रम का समापन उत्साह और जोश के साथ हुआ, जिसमें सभी सदस्यों ने नए चेयरमैन सूरज सारिया के नेतृत्व में एक सफल और सेवा-प्रधान वर्ष की कामना की।

विधायक ने कमल सेवा संस्थान के रजत जयंती समारोह कटोरिया काँवर पथ में लिया भाग, सेवा कार्यों को बताया समाज की आत्मा

धनबाद, धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक राज सिन्हा ने आज कमल सेवा संस्थान द्वारा कटोरिया काँवर पथ में आयोजित निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की।समारोह में श्री सिन्हा ने संस्थान द्वारा किए जा रहे निःस्वार्थ सेवा कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे सनातन संस्कृति का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने सेवा कार्य में लगे स्वयंसेवकों को मंच पर सम्मानित किया और संस्था की 25 वर्षों की सेवा यात्रा को समर्पण, श्रद्धा और कर्मयोग का संगम कहा ।विधयाक ने कहा की कमल सेवा संस्थान जैसे संगठन समाज की चुपचाप सेवा करते हैं, बिना किसी दिखावे के। कांवर यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं को राहत प्रदान करना कोई छोटा कार्य नहीं। मैं इस पुण्य कार्य से जुड़े हर व्यक्ति को धन्यवाद देता हूँ और आश्वस्त करता हूँ कि भविष्य में हर आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा की राजनीति में सेवा का भाव सबसे ऊपर होना चाहिए। अगर हम जनप्रतिनिधि होते हुए सेवा संगठनों को प्रोत्साहित न करें, तो हमारी भूमिका अधूरी रह जाती है।

24 दिन बाद झाड़ी में मिला दिल्ली पब्लिक स्कूल के म्यूजिक टीचर का शव

रांची(ईएमएस)।दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) के म्यूजिक शिक्षक माइकल घोष का क्षत-विक्षत शव रविवार को जोन्हा फॉल से करीब चार किलोमीटर दूर झाड़ी से बरामद किया गया है।वह 19 जून को झरने की तेज धारा में बह गए थे।इसके बाद से ही उनका कुछ पता नहीं चल पा रहा था।डीपीएस में म्यूजिक टीचर के रूप में काम करने वाले माइकल घोष मूल रूप से धनबाद के निवासी थे। वह रांची के अलकापुरी मुहल्ले में किराए के मकान में रहते थे।वह अपने दो साथी शिक्षकों पंकज श्रीवास्तव और ऋतिक सामंता के साथ जोन्हा फॉल घूमने गए थे। वहां एक ऊंचे चट्टान पर चढ़कर फोटो खिंचवाते समय फिसलकर पानी में गिर गए थे।घटना के बाद से ही प्रशासन के अलावा एनडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम उनकी खोजबीन में लगी हुई थी। जोन्हा थाने के प्रभारी हीरालाल शाह ने बताया कि शव की खोज के लिए लगातार दो दिन तक ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल किया गया।साथ ही करीब 10 किलोमीटर दूर तक तलाशी अभियान चलाया गया। स्थानीय ग्रामीण भी अपने स्तर से उनकी तलाश करने में जुटे थे।इसके बाद भी उनका कुछ पता नहीं चल पा रहा था।रविवार सुबह ग्रामीणों को झाड़ी में एक शव फंसा हुआ मिला। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और शव की पहचान माइकल घोष के रूप में की गई। एनडीआरएफ और प्रशासन के सर्च ऑपरेशन के विफल होने से माइकल घोष के परिजन मायूस थे। रविवार को शव बरामद होने के बाद उनके घर वालों को सूचना दी गई।

थाना दिवस पर नौ मामलों का हुआ निष्पादन

गढ़वा(ईएमएस)।रंका में रविवार को थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर डीएसपी रोहित रंजन सिंह, सीओ शिवपूजन तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि जमीन विवाद के कारण विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है। उक्त समस्या के समाधान के लिए जरूरी है कि उनका निदान भी स्थानीय स्तर पर हो। थाना दिवस पर नौ मामलों का निष्पादन दोनों पक्षों की सहमति से किया गया।

उपायुक्त ने किया शैक्षणिक संस्थानों का निरीक्षण

आरएस मोर, बीबीएम व एसएसएलएनटी कॉलेज में इंटीग्रेटेड डिजिटल लाइब्रेरी बनाने की योजना

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आरएस मोर कॉलेज गोविंदपुर, बीबीएम कॉलेज बलियापुर तथा सिंदरी कॉलेज का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि युवाओं को रोजगार मिले। इसके लिए उनके कौशल विकास एवं शिक्षित होना जरूरी है। जो भी संसाधनों की आवश्यकता होगी उसे चरणबद्ध तरीके से प्रशासन पूरा करेगा।

उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को कौशल विकास एवं पढ़ाई के संसाधन मुहैया कराने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं का निरीक्षण किया है। इसके लिए सभी कॉलेज में इंटीग्रेटेड डिजिटल कम लाइब्रेरी कम रीडिंग रूम बनाने की योजना है। डिजिटल लाइब्रेरी बन जाने से छात्र कंप्यूटर में भी पढ़ाई कर सकेंगे। छात्रों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करवाने के लिए एक प्रशिक्षण केंद्र खोलने की भी योजना है।

पहले चरण में आरएस मोर कॉलेज, बीबीएम कॉलेज एवं एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में इंटीग्रेटेड डिजिटल लाइब्रेरी बनाने की योजना है।

इसके बाद उपायुक्त ने बलियापुर पलानी में बनने वाले टेक्निकल यूनिवर्सिटी व साइंस सिटी के लिए चिन्हित भूमि का भ्रमण किया।

बी पी एच ओ धनबाद जिला द्वारा विशिष्ट सम्मान समारोह आयोजित

धनबाद, धनबाद के प्रजापति भवन भूंईफोड़ में एक विशिष्ट सम्मान समारोह का आयोजन भारतीय प्रजापति हीरोज आर्गेनाइजेशन धनबाद जिला द्वारा किया गया। सम्मान समारोह में कुम्हार प्रजापति समाज के संरक्षक राम पद कुमार, भूतपूर्व मुखिया,लटानी पंचायत एवं वरिष्ठ अधिवक्ता के पौत्र, प्रथम मयुर, सुपुत्र राकेश कुमार की बी टेक मेकानिकल इंजीनियरिंग, एन आई टी पटना के फ़ाइनल परीक्षा में प्रथम आने एवं एन पी सी आई एल में वैज्ञानिक पद पर नियुक्ति पत्र प्राप्त होने की उपलब्धि पर मयुर को सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह प्रथम मयुर के उज्जवल भविष्य के लिए एवं बी पी एच ओ में सम्मिलित होने वाले नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र देने हेतु कार्यक्रम समाज के मार्गदर्शक, समाजसेवी व लेखक हरे राम पंडित की अध्यक्षता में आयोजित की गई।इस कार्यक्रम में उपस्थित बी पी एच ओ के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव, प्रकाश कुमार, धनबाद जिला अध्यक्ष वृन्दावन कुमार, महासचिव अशोक कुमार प्रजापति,सह सचिव कुलदीप पंडित, कोषाध्यक्ष गुणाधर कुम्भकार, उपाध्यक्ष निर्मल कुमार, नवनियुक्त उपाध्यक्ष अजित पंडित, संगठन मंत्री माथुर कुंभकार, समाजसेवी राम बल्लभ कुमार, बासुदेव कुंभकार, कैलाश पंडित, सतेन्द्र कुमार, विभीषण कुमार,लालटू कुमार, अधिवक्ता दिनेश कुमार एवं नारी शक्तियों में आशा कुंभकार, साधना देवी, उषा देवी, मीना प्रजापति, भाजपा नेत्री भारती प्रजापति के साथ साथ सभी उपस्थित सम्मानित सदस्यों ने होनहार युवक को एवं नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित किया।

सीबीएसई क्लस्टर 3 झारखंड- बिहार बालक बालिका वॉलीबॉल टूर्नामेंट का तीसरा दिन

राजगंज, (धनबाद)बड्स गार्डेन स्कूल, दलूडीह राजगंज के चार वॉलीबॉल कोर्ट में चल रहे चार दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर 3 झारखंड बिहार वॉलीबॉल टूर्नामेंट में आज तीसरा दिन खेले गए मेचों के परिणाम इस प्रकार हैं ,अंडर 14 बालक वर्ग में खेले गए मुकाबले इस प्रकार हैं आर एन एस डीपीएस ने गुरु गोविंद पब्लिक स्कूल बोकारो को 26-24, 20-25, 15-13 से हराया डिवाइन पब्लिक स्कूल ने फाउंडेशन स्कूल बक्सर को 25-22, 25-15 सेहराया माय फ्लावर स्कूल पटना ने क्रिसेंट पब्लिक स्कूल को 19-25, 29-27, 15-12 से हराया सेंट स्टीफन स्कूल ने विद्या विहार रेजिडेंशियल स्कूल को 25-17, 25-13 से हराया अंडर-19 बालिका वर्ग में श्री अय्यप्पा बोकारो ने होली क्रॉस बोकारो को 25-11, 25-20 से हराया
हेरिटेज इंटरनेशनल ने संत करेंस सेकेंडरी को 18-25, 25-22, 15-12 से हराया अंडर-19 बालक वर्ग जेवीएम रांची ने गुरु नानक रामगढ़ को 25-15, 2519 से हराया स्वामी विवेकानंद स्कूल चिरकुंडा ने आर्मी पब्लिक स्कूल रामगढ़ को 19-25, 25-13, 15-10 से हराया विवेकानंद ने लाला लाजपत राय रांची को 25-17, 25-14 हराया अगला सभी मुकाबला वर्षा के कारण रोक दिया गया है, वर्षा छूटने के बाद बाकी बचे मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर सूरज प्रकाश लाल ,मैच ऑफिशल उत्तम राज, नीरज कुमार ,अमन , ज्ञान रंजन, अमित सिंह, नंदन कुमार, पूजा कुमारी, हर्ष, वी भारद्वाज ,निर्णायक की भूमिका निभाई।सीबीएसई से आए हुए टेक्निकल प्रभारी शुभम कुमार एवं सीबीएसई कोऑर्डिनेटर एवं विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद चौरसिया की देखरेख में सारे कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। मैच के कारण आसपास के दशकों में ग्राहकों में और बच्चों में काफी उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

कुमारधुबी कोलियरी में लूट की घटना के 40 घंटे बाद भी पुलिस को कोई सूचना नहीं

घटना के प्रति कोलियरी प्रबंधन पूरी तरह लापरवाह

चिरकुंडा, (धनबाद), ईसीएल मुगमा क्षेत्र के कुमारधुबी कोलियरी के फिल्टर प्लांट में शुक्रवार की देर रात अपराधियों ने कर्मियों को बंधक बनाकर लूट की घटना के 40 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी ईसीएल प्रबंधन द्वारा चिरकुंडा थाने न तो लिखित ना ही मौखिक कोई सूचना दी गई। इससे साफ जाहिर होता है कि घटना के प्रति ईसीएल प्रबंधन गंभीर नही है। कोलियरी प्रबंधन द्वारा घटनास्थल फिल्टर प्लांट में दो से तीन सीसीटीवी कैमरे लगा हुआ है। लेकिन सभी कैमरे खराब है। अगर सीसीटीवी कैमरा ठीक रहता तो घटना के संबंध में पता लग सकता। लेकिन ईसीएल प्रबंधन क्षेत्र में सुरक्षा के नाम पर केवल औपचारिकता निभा रही है। इससे साफ जाहिर होता है कि प्रबंधन गंभीर नही है। साथ ही नंबर टू पीट में दिन दहाड़े केबल चोरों द्वारा घटना को अंजाम दिया गया। लेकिन प्रबधन द्वारा आज तक स्थाई निदान नहीं कर सकी। इसके बावजूद कई बार प्रबंधन तो प्राथमिकी दर्ज तक नहीं कराते। जबकि घटनास्थल से थाने की दूरी महज डेढ से दो किलोमीटर है। फिर भी घटना की जानकारी ऑनलाईन की जाती है। वहीं सुरक्षा पदाधिकारी जान कुजुर का कहना था कि शनिवार को लिंक फेल की वजह से शिकायत नहीं कर सके। लेकिन थाने जाकर भी तो शिकायत कर सकते थे। लेकिन वे थाने जाने के बजाय लिंक आने का इंतजार करते रह गए। वहीं इस संबंध में कोलियरी अभिकर्ता से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया। लेकिन उन्होंने मोबाइल नहीं उठाया।

ज़िंदगी मोबाइल स्टूडियो का सरायढेला धनबाद में हुआ भव्य उद्घाटन

ग्राहकों के लिए आकर्षक लॉन्च ऑफर्स और प्रीमियम एक्सपीरियंस का वादा

धनबाद, झारखंड की नंबर 1 मोबाइल रिटेल चेन ज़िंदगी ने रविवार को धनबाद के सरायढेला स्थित मुख्य सड़क पर अपने प्रीमियम ज़िंदगी मोबाइल स्टूडियो का भव्य उद्घाटन किया । इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ अभियंता एवं समाजसेवी, विनय कुमार सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस प्रतिष्ठान के संचालक ने हिंदी दैनिक अखबार कोयलांचल संवाद के ब्यूरो चीफ, आर एन चौरासिया को बताया की यह अत्याधुनिक स्टोर ग्राहकों को स्मार्टफोन की लेटेस्ट रेंज, ट्रेंडी एक्सेसरीज़ और एक शानदार शॉपिंग माहौल प्रदान करेगा। ज़िंदगी का यह नया स्टूडियो न केवल टेक्नोलॉजी प्रेमियों के लिए वरदान है, बल्कि पूरी धनबाद की मोबाइल खरीदारी के अनुभव को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। उद्घाटन के अवसर पर विशेष छूट और फ्री गिफ्ट्स, 2 साल की वारंटी, मुफ्त ओ टी टी प्ले सब्सक्रिप्शन, ज़ीरो फाइनेंस सुविधा,क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर विशेष ऑफर्स, हर खरीदारी पर आकर्षक उपहार, लेटेस्ट ब्रांड्स की विस्तृत रेंज, एप्पल, नथिंग, वन प्लस, , मोटोरोला, वीवो, ओप्पो, गूगल पिक्सेल, मोबाइल एक्सेसरीज़, स्क्रीन गार्ड, कवर, स्मार्टवॉच, ईयरबड्स और बहुत कुछ इस प्रतिष्ठान में उपलब्ध है । विदित हो की ज़िंदगी की झारखंड में मजबूत उपस्थिति है, जिसमें धनबाद, बोकारो, गिरिडीह में स्टोर हैं और बहुत जल्द ही रांची में भी प्रीमियम स्टोर खोला जाएगा । उद्घाटन के अवसर पर अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे ।

राजकमल में प्रतिभा सम्मान समारोह

दिन रात किए गए परिश्रम का प्रतिफल है यह सम्मान : सुमंत कुमार मिश्र

प्रतिभावान श्रेष्ठ बने, उत्कृष्ट बने विनोद कुमार तुलस्यान,

भारत माता को भी प्रतिभावानों की जरूरत, नकुल शर्मा

धनबाद, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में रविवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया । जिसमें दसवीं और बारहवीं के वैसे भैया बहनों को सम्मानित किया गया । जिन्होंने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 90 और उससे अधिक अंक प्राप्त किया है। मुख्य अतिथि एवं अधिकारियों व प्राचार्य द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर भैयाओं ने स्वागत गान प्रस्तुत किए। विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने अतिथियों का परिचय कराया एवं कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर राज्य और देश में अपनी पहचान का मोहताज नहीं है ।आज के इस समारोह में हम वैसे भैया बहनों को सम्मानित कर रहे हैं, जिन्हें आगे देश चलाना है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्या विकास समिति झारखंड के द्वारा राज्य स्तरीय प्रतिभाओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम किया गया। उसमें सर्वाधिक बच्चे राजकमल के ही हैं ।इतना ही नहीं जिला स्तर पर उपायुक्त द्वारा दिए गए पुरस्कार में 10 में से पांच विद्यार्थी राजकमल के ही हैं। दिन-रात किए गए परिश्रम का प्रतिफल है यह सम्मान। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्या विकास समिति झारखंड के सचिव नकुल शर्मा ने कहा कि विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अंतर्गत चलने वाले विद्यालय नैतिकता एवं आध्यात्मिक शिक्षा देने का काम कर रही है। प्रतिभावान भैया बहनों में यह भावना सदा रहनी चाहिए कि वे विद्या भारती विद्यालय के विद्यार्थी हैं। प्रतिभावानों में देश बदलने की शक्ति है ।भारत माता को भी प्रतिभावानों की आवश्यकता है। देश के लिए प्रतिभावान अपने को समर्पित करें तभी हमारा देश अन्य देशों से आगे रहेगा। विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ने कहा कि आप प्रतिभावान विद्यार्थी श्रेष्ठ रहे, उत्कृष्ट बनें।अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्र रहे भले ही आपके आसपास दुर्जन हो लेकिन आप अपनी सज्जनता कभी ना छोड़े। दसवीं कक्षा में 90 एवं उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी संयम शर्मा, राघव कुमार आयुष गुप्ता, शौर्य मल्लिक ,अमर कुमार सिन्हा ,अदिति प्रिया, कनिका कुमारी, श्री कुमारी ,शुभ वर्मा, मयंक कुमार, अभिज्ञान आयुष एवं सृष्टि कुमारी को सम्मानित किया गया।12 वीं विज्ञान के विद्यार्थियों में आंचल अग्रवाल, कृति कुमारी, पिंकी कुमारी, मान्यता गुप्ता, तनीषा श्रीवास्तव, हर्षिता सिंह, अदिति दत्ता, रिया कुमारी , अतिका मरयम, शिवम कुमार, शीतल कुमारी, अर्चीसा साहू, साक्षी बर्नवाल एवं रुपाली कुमारी सम्मानित किए गए। 12वीं वाणिज्य में चारु अग्रवाल, शीतल अग्रवाल ,पूजा कुमारी, अंशु कुमार सिंह ,श्रेया कुमारी, कृष्ण किशोर खेतान, खुशी अग्रवाल, अपूर्वा गुप्ता, ऋषभ कुमार चौधरी, यशस्वी शर्मा एवं निधि अग्रवाल को सम्मानित किया गया। द्वादश कला में अंशिका कंठ, कृति कुमारी झा, आस्था सिसोदिया, अनामिका कोनार ,निधि राज, अर्पिता बारिक, प्रियंका सिंह एवं पम्मी कुमारी को सम्मानित किया गयाअंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, गणित, भौतिकी, रसायन, आईपी, फिजिकल एजुकेशन, अकाउंट्स, बी एसटी, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान और भूगोल विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिनमें मान्यता गुप्ता, तंजीला खान, सक्षम कुमार, शिवम कुमार, विनायक पांडे, कृष्ण किशोर खेतान, आंचल अग्रवाल ,हर्षिता सिंह, कृति कुमारी ,अंकित माजी ,आदित्य कुमार, सक्षम कुमार, चारु अग्रवाल, निधि अग्रवाल, पूजा कुमारी, अंशिका कंठ ,अनामिका कोनार, कृति कुमारी झा, निधि राज एवं अर्पिता बारीक के नाम शामिल है।विद्यालय के उपप्राचार्य मनोज कुमार ने आभार ज्ञापित किया । उन्होंने कहा कि विद्या विकास समिति झारखंड के सचिव नकुल शर्मा, विद्यालय के प्रबंधकारिणी समिति एवं समिति के सदस्य गणों के अलावा उन्होंने सम्मानित बच्चों, विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं आभार के पात्र हैं। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्राचार्य के कुशल निर्देशन से यह विद्यालय प्रतिदिन उत्तरोत्तर आगे बढ़ रहा है। मंच संचालन हिंदी के विभागाध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा ने किया।इस कार्यक्रम में विद्या विकास समिति झारखंड के सचिव नकुल शर्मा, विद्यालय के संरक्षक शंकर दयाल बुधिया ,अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ,उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार पटनिया, सहसचिव दीपक रुइया,कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर अग्रवाल के साथ-साथ विद्यालय समिति के सदस्य अरुणा भगानिया ,संजय मोर, सज्जन कुमार खरकिया के पी अजीत, गीता गुप्ता, हरे राम गुप्ता, प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, उप प्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्या लीला सिंह, प्रभारी पार्थ सारथी सरकार एवं 10 वीं एवं 12वीं के कक्षाचार्य उपस्थित थे।

धनबाद, महुदा,श्री श्री मंगल प्रभा जैन महाराज शिशु मंदिर कुमारडीह महुदा और जैन सराक संघ बेलट की और से मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डा० के० वि० उन्निथान महाविर कल्यान ट्रस्ट्र के निदेशक एवं संचालक मुम्बई अभय काका उपस्थित हुए । कार्यक्रम का संचालन शिशु मंदिर के प्राचार्य बिनय सराक ने किया । इस कार्यक्रम में मैट्रिक में पास हुए सभी सराक बच्चों को सम्मानित किया गया । मौके पर अतिथि द्वारा बच्चों को मैडल, मिठाई का डब्बा और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा. साहेब ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गाँव में बहुत सारी कठिनाइयां का सामना करते हुए आपने अच्छे अंक लाकर ये साबित कर दिया है कि आप किसी से कम नहीं हैं । महाविर कल्याण टस्ट्र आपके साथ पहले भी था और आगे भी शिक्षा पर कार्य करते रहेगें । मौके पर महाल संघ, बेलुजा संघ, पर्वतपूर संघ, कुमारडीह संघ, करमाटांड संघ के सदस्य, मनोज सराक, शक्तिवान भाजी, संतोष माजी बिक्रम माजी, मनोहर माजी, गोर्वधन माजी, पुरन सराक एवं बच्चों के अभिभावक उपस्थित थे ।

उपायुक्त ने डिस्ट्रिक्ट सीएम एसओई सहित अन्य संस्थानों का किया भ्रमण

शिक्षकों के लिए बनेगा प्रशिक्षण केंद्र

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने रविवार को डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस, डीपीआरसी भवन नावाडीह सहित अन्य संस्थानों का भ्रमण किया। डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस में उन्होंने क्लास रूम, स्टाफ रूम, स्टोर रूम, लैबोरेट्री, प्ले ग्राउंड सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया। साथ ही प्राचार्य से विद्यालय में क्या कमी है, उसकी जानकारी प्राप्त की।उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय में एक प्रशिक्षण केंद्र बनाया जाएगा। जिसमें जिले के सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने विद्यालय में साफ सफाई, अधूरी बाउंड्री वॉल का निर्माण, छात्रों को ईको क्लब की जानकारी देने, कॉपी एवं किताब पर कवर सुनिश्चित कराने, साफ पोशाक पहनकर आने, सभी क्लास रूम में पढ़ाई से संबंधित सामग्री रखने, प्रतिदिन नोटिस बोर्ड पर प्रेरणादायक संदेश लिखने सहित अन्य दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि विद्यालय को गतिविधियों से स्कूल आफ एक्सीलेंस और शिक्षा में धनबाद को पूरे राज्य में अव्वल बनाना है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का माहौल ऐसा बनाएं की बच्चों को आने का मन करे। इसके लिए लो कॉस्ट एवं हाई कॉस्ट पर काम किया जाएगा। शिक्षकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, अभिषेक झा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सुनिल कुमार सिंह, डीएमएफटी टीम लीडर, शैलेश तिवारी, एपीआरओ, आलोक कुमार मिश्रा व अन्य लोग मौजूद थे।

उपायुक्त ने किया आईआईटी आईएसएम का भ्रमण

इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए स्किल सेंटर बनाने पर की चर्चा

धनबाद, रविवार को जिले के विभिन्न संस्थानों के भ्रमण के अंतिम चरण में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आईआईटी, आईएसएम का भ्रमण किया। उपायुक्त ने आईआईटी, आईएसएम में इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए एक स्किल सेंटर के विकास पर प्रबंधन से विस्तृत चर्चा की। साथ ही संस्थान में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, एन.आई.ई.एल.आई.टी. प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने को लेकर वार्ता की। इसके बाद उपायुक्त ने आईआईटी आईएसएम के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया।

उपायुक्त ने किया बेलगड़िया टाउनशिप का निरीक्षण

तीन आंगनबाड़ी केंद्र का नया भवन निर्माण और पार्क का किया जाएगा सौंदरीकरण : उपायुक्त

बेलगड़िया टाउनशिप में बड़े पैमाने पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाने हेतु दिए कई दिशा निर्देश

टाऊनशिप स्थित विद्यालयों के आधारभूत संरचना, भवन मरम्मती एवं शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बेलगड़िया स्थित तालाब का किया जाएगा जीर्णोद्धार, टाऊनशिप के लोगों को मत्स्य पालन कर आजीविका से जोड़ा जाएगा : उपायुक्त

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार, जेआरडीए द्वारा निर्मित बेलगड़िया टाउनशिप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बेलगड़िया टाउनशिप अंतर्गत जेआरडीए के कार्यालय निर्माण, नया प्राथमिक विद्यालय झरिया विहार बेलगड़िया स्वास्थ्य उप केंद्र बेलगड़िया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय छाताटांड़ बेलगड़िया, आरएसपी कॉलेज बेलगड़िया टाउनशिप अंतर्गत निर्मित तालाब, पार्क निर्माण के लिए चिह्नित भूमि, बड़े स्तर पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर बनाने हेतु चिह्नित भूमि समेत अन्य परिसर का निरीक्षण किया। विद्यालयों के निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने भवन प्रमंडल को विद्यालय के बाउंड्री वॉल निर्माण, असेंबली स्टेज बनाने, किचन कम डाइनिंग शेड निर्माण, पूरे विद्यालय की मरम्मती, शौचालय निर्माण, पानी की बेहतर सुविधा समेत अन्य कार्य का प्रीमियम एस्टीमेट तैयार करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय में किसी भी प्रकार की कोई कमी ना हो विद्यालय का रिनोवेशन उत्कृष्ट हो। वहीं स्वास्थ्य उप केंद्र के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य उपकेंद्र की बिल्डिंग को नए स्तर से बनाने, जिसमें डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध हो और एएनएम और सीएचओ की भी नियुक्ति किया जा सके ऐसी आधारभूत संरचना तैयार करने हेतु निर्देशित किया। वही बेलगड़िया टाउनशिप स्थित तालाब के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने तालाब के जीर्णोद्धार कार्य हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही बेलगड़िया के निवासियों के लिए आजीविका हेतु इस तालाब में मछली पालन के उद्देश्य से कार्य करने हेतु जिला मत्स्य पदाधिकारी एवं कोऑपरेटिव सोसाइटी को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उपायुक्त ने आरएसपी कॉलेज के रिनोवेशन कार्य हेतु भवन प्रमंडल के अभियंता को दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने बेलगड़िया टाउनशिप अंतर्गत तीन आंगनबाड़ी केंद्र की बिल्डिंग बनाने को कहा। साथ ही उन्होंने स्किल डेवलपमेंट हेतु चिन्हित जमीन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने बड़े पैमाने पर स्किल डेवलपमेंट सेंटर खोलने एवं आवासीय व्यवस्था हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही बेलगड़िया टाउनशिप अंतर्गत निर्मित पार्क के सौंदर्यकरण हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर उपायुक्त, आदित्य रंजन के अलावा जेआरडीए की पूरी टीम, डीएमएफटी की टीम, बिल्डिंग डिविजन की टीम समेत कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

भगवती के जयकारों से गूंजा जागृत मंदिर चिरागेड़ा चीरागोड़ा

501 महिलाओं ने मंगल कलश लेकर किया नगर भ्रमण तीन दिवसीय प्रथम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव रूद्र चण्डी महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

धनबाद : जागृत मंदिर चीरागोड़ा मे तीन दिवसीय प्रथम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव एवं रूद्र चण्डी महायज्ञ का शुभारंभ रविवार को पुण्य तिथि व पुण्य योग में शुरू हुआ। मंदिर प्रांगण में सुबह छह बजे यज्ञ आचार्य सुबोध पांडे के नेतृत्व में आचार्य सुनील पांडे, अखिलेश पांडे, ऋषभ कुमार पांडे ,सुमन पांडे , द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार कर किया गया जिसके बाद महिलाएं सर पर मंगल कलश लेकर नगर भ्रमण को निकली । गाजे-बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में माता रानी के जयकारे से पूरा माहौल गूंजायमान हो रहा था। धनबाद भाजपा नेता कुंभनाथ सिंह भी अपने समर्थकों के साथ कलश यात्रा मे शामिल हुए । यात्रा मंदिर से निकलकर लोको टैंक पहुंची जहां से जल लेकर हीरापुर पार्क मार्केट होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची।

नगर भ्रमण मे महिलाओं के साथ काफी संख्या मे श्रद्धालू माता की जयकारे लगाते हुए चल रहे थे ! तपती धूप व उमेश भरी गर्मी में कलश लेकर चल रही महिलाओं की सेवा के लिए कई जगहों पर समिति द्वारा शीतल पेयजल का भी प्रबंध किया गया था ! कलश यात्रा के मंदिर परिसर पहुचने के बाद वैदिक ब्राह्मणों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार शुरू हुआ । आचार्य सुबोध पांडे के द्वारा सर्वप्रथम पंचांग पूजन , ततपश्चात अग्नि स्थापन, मंडप प्रवेश कराया गया । इस बाबत जानकारी देते हुए आचार्य श्री पांडे ने बताया कि 13 जुलाई को पुण्यतिथि व पुण्य योग में सुबह 7:00 बजे से यज्ञ मंडप में वेदी पूजन ,मंडप पूजन, कुंड पूजन होगा ।विद्वान ब्राह्मणों के द्वारा रूद्र व चण्डी पाठ का प्रारंभ होगा ।संध्यामें आरती होगी । जगत जननी जगदंबा, शंकर भगवान, राम दरबार, राधा, कृष्ण , बजरंग बली , शिव लिंग, शीतला माता के प्रतिमा का वैदिक रिति से पूजन किया गया. चौदह जुलाई को महारुद्राभिषेक व समस्त प्राण प्रतिष्ठित प्रतिमा का पूजन होगा 15 जुलाई 25 को भगवती का पूजन वह चंडीपाठ किया जाएगा। तीन दिवसीय यज्ञ के आयोजन में वरिष्ठ अधिवक्ता अयोध्या प्रसाद (मुनमुन बाबू) अमरेंद्र कुमार सहाय, मनोज मालाकार , संतोष मिश्रा, अमितेश सहाय, विजय तिवारी, अरूण दूबे, कुणाल सिंह, मनोरंजन कुमार दुबे , राजेश कुमार सिन्हा, कुमार अरविन्द , रविन्द्र कुमार, प्रशांत सिन्हा, बिल्लू कुमार गुप्ता, अनुप कुमार सहाय, अजय कुमार भट्ट, अक्षत सिन्हा ,नितिश , राजमनी देवी, समस्त महिला मंडली समेत समिति के सभी सदस्य का सराहनीय योगदान रहा। इस बाबत जानकारी देते हुए समिति के सह सचिव बिल्लू कुमार गुप्ता ने बताया कि 13 जुलाई के संध्या अंतर प्रांतीय कलाकारों के द्वारा भव्य भजन कीर्तन का आयोजन होगा वहीं 14 जुलाई के संध्या 5 बजे से 101 महिलाओं द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन व अखंड कीर्तन का आयोजन होगा। वहीं 15 जुलाई को रात्रि में भगवती ज्वाला की जोत प्रचंड होगी तथा रात्रि में भगवती जागरण होगा। सोलह जुलाई को विशाल भंडारा का आयोजन किया गयाा है.

डाक बम सेवा धनबाद का आयोजन, मणियां मोड़ में मानवता की दिखी मिसाल

धनबाद, देवघर, आज डाक बम सेवा धनबाद के सेवा कार्य में शामिल समाजसेवी दिलीप सिंह मणियां मोड़, सुइयां पहाड़, ईनारा, बरन क्षेत्र में डाक बम सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में सैकड़ों जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन, पानी, लस्सी, मिठाई और दर्द निरोधक दवाइयों समेत अन्य सेवा हर हर महादेव के उद्घोष करते हुए श्रद्धापूर्वक की जा रही है। इस अवसर पर युवा संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष, दिलीप सिंह ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। हम सभी कार्यकर्ता बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने का संकल्प लिए हुए हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिवाकर सिंह, सुबीर साव, राजा सिंह, विजय यादव, बिरजू खटीक, विजय साव, ओम सिंह, सरवन रवानी, जीरखान सिंह, भरत, बलि सिंह, राजेश खटीक, रवि सिंह, शुभम, रिशु, विशाल, अजय यादव, पिंटू मोदी एवं कुंदन सिंह का विशेष योगदान रहा।

सेवा के दौरान लोगों ने युवा संघर्ष मोर्चा की सराहना की ।

पॉलिटेक्निक में बनेगा एन.आई.ई.एल. आई.टी. का प्रशिक्षण केंद्र

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने रविवार को धनबाद पॉलिटेक्निक में कौशल विकास से संबंधित गतिविधियों का निरीक्षण किया।उपायुक्त ने कहा कि धनबाद पॉलिटेक्निक में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, एन.आई.ई.एल.आई.टी. का प्रशिक्षण केंद्र खोलने का प्रयास प्रशासन कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार की जो भी संस्थाएं प्रशिक्षण देती है, उसमें एन.आई.ई.एल.आई.टी. का सर्टिफिकेशन जरूरी है। जिले में इसके दो-तीन केंद्र बनाने के लिए एमओयू किया जाएगा। जिससे किसी भी परीक्षा में भाग लेने के लिए यहां के छात्र सर्टिफाइड हो जाए। उन्होंने कहा कि इसकी फीस का वहन जिला प्रशासन करेगा । जबकि संचालन कॉलेज द्वारा किया जाएगा। इसके बाद उपायुक्त ने डीपीआरसी भवन नावाडीह में तैयार हो रहे प्रशिक्षण केंद्र का भी निरीक्षण किया।

सड़क दुर्घटना में 28 वर्षीय रितेश कुमार की दर्दनाक मौत

जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल, जिसका इलाज चल रहा है

शव पहुंचे ही बासदेवपुर 14 नंबर हुआ ग़मगीन

लोयाबाद।बासदेवपुर 14 नंबर के रहने वाले रितेश कुमार 28 वर्ष की एक सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई।यह हादसा शुक्रवार की रात लगभग 9 से 10 बजे के बीच जामताड़ा के नारायणपुर और नवाडीह के बीच डायवर्सन वाले रास्ते पर हुआ,जब उनकी बाइक असंतुलित होकर गिर गई। हादसे में पीछे बैठा एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज चल रहा है। रितेश 11 जुलाई को अपने तीन दोस्तों के साथ दो बाइक पर सवार होकर धनबाद से सुलतानगंज गया था। वहां से जल भरकर उन्होंने देवघर और बासुकीनाथ में जलार्पण किया। 12 जुलाई को तीर्थ यात्रा से लौटते समय यह दुर्घटना हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही रितेश के परिजन उसे लेकर धनबाद के एसएनएमएमसीएच पहुंचे,जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जैसे ही रितेश की मौत की खबर गांव पहुंची,पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई।रितेश मिशो कंपनी में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करता था और परिवार का मुख्य सहारा था।वह दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था।एक बहन की शादी हो चुकी है,जबकि दो छोटे भाई एंव बहन अभी पढ़ाई कर रहे हैं।रितेश के परिवार में उनकी पत्नी के साथ तीन साल की बेटी और दो माह का बेटा भी है।उनके पिता मथुरा पंडित रेहड़ी लगाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड का बाँसजोड़ा 12 नंबर सब स्टेशन अब ले चुका जंगल का रूप

घनी झाड़ियों और ऊंची घास से घिरे सब स्टेशन और कार्यरत कर्मी

ड्यूटी के दौरान जंगली जानवरों और जहरीले सांप-बिच्छुओं का खतरा डर और असुरक्षा का माहौल,

लोयाबाद।बांसजोड़ा 12 नंबर स्थित झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड का सब स्टेशन अब जंगल का रूप ले चुका है।घनी झाड़ियों और ऊंची घास से घिरे इस सब स्टेशन में कार्यरत कर्मी हर दिन जान जोखिम में डालकर ड्यूटी निभा रहे हैं।खासकर रात के समय ड्यूटी करना डरावना अनुभव बन गया है,जब जंगली जानवरों और जहरीले सांप-बिच्छुओं का खतरा दोगुना हो जाता है।बारिश के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।सब-स्टेशन परिसर में मौजूद झाड़ियों के बीच जहरीले जीव-जंतुओं का बसेरा बन गया है। कर्मियों का कहना है कि किसी तकनीकी फॉल्ट की स्थिति में उन्हें जंगल जैसी परिस्थिति में उतरकर मरम्मत कार्य करना पड़ता है, जिससे हर बार जान पर खतरा मंडराता रहता है।

अपराधियों का खतरा भी मंडराता है। स्थानीय कर्मियों ने बताया कि घना जंगल होने की वजह से अपराधियों के छिपने और हमले का भी खतरा बना रहता है।करीब तीन महीने पहले अज्ञात असामाजिक तत्वों ने सबस्टेशन पर पत्थरबाजी की थी। घटना रात लगभग तीन बजे की है। जब एक कर्मी राजगंज साइट का स्विच ऑन करने बाहर निकला था। समय रहते लोयाबाद पुलिस की गश्ती टीम ने मौके पर पहुंचकर कर्मियों को सुरक्षा दी।

ड्यूटी के दौरान डर और असुरक्षा का माहौल।बताया जाता है कि सबस्टेशन में दो कर्मचारी शिफ्ट के अनुसार स्विच रूम में रहकर पूरे सिस्टम की निगरानी करते हैं।कई बार आवश्यकतानुसार इन्हें सबस्टेशन परिसर के भीतरी हिस्से या जंगल में भी जाना पड़ता है,जिससे उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है।क्या कहते है अधिकारी।अधिकारियों ने माना समस्या है,इस मामले में आरएस के इंचार्ज एसडीओ राकेश कुमार ने भी बाँसजोड़ा 12 नंबर सबस्टेशन में फैली अव्यवस्था और जंगल जैसे हालात को स्वीकार किया है।उन्होंने कहा यह चिंता का विषय है।जल्द ही पूरे आरएस परिसर की सफाई कराई जाएगी और कर्मियों को पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।स्थानीय लोगों की हैं मांग। स्थानीय लोग और कर्मचारी मांग कर रहे हैं कि सबस्टेशन के चारों ओर नियमित सफाई,रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था की जाए ताकि जान जोखिम में डालकर बिजली आपूर्ति बनाए रखने वाले कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

श्री राम शोभा यात्रा कमिटी ने उदय प्रताप सिंह को सामाजिक कार्यों के लिए किया सम्मानित

धनबाद, रविवार को श्री राम शोभा यात्रा कमेटी के द्वारा श्री राम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह कों सामाजिक कार्यों के लिए उनके आवासीय कार्यालय में अंग वस्त्र ओढाकर एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित कर अभिनंदन किया। वहीं उदय प्रताप सिंह ने कहा कि समाज में श्री राम शोभायात्रा जैसा संगठन बहुत जरूरी है, क्योंकि संगठन लोगों में बहुत ही भव्य श्री राम यात्रा निकालकर धार्मिक संस्कारिक जागरूकता लाती है। जिसका सीधा सकारात्मक लाभ हमारे युवाओं पर पड़ता है।साथ ही लोगों के हर दुख और सुख में यह संगठन तत्पर खड़ा रहता है। मैं इस सम्मान के लिए उनका आभार प्रकट करता हूं । मैं उनके हर एक धार्मिक अनुष्ठान में हार्दिक रूप से साथ हूँ। मौके पर आयुष तिवारी, अंकित पांडेय, नीरज निखिल, स्वेतभा सिंह, अजय पांडे आदि उपस्थित थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▮ समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।